हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय

CENTRAL UNIVERSITY OF HARYANA

NAAC ACCREDITED 'A' GRADE UNIVERSITY

NEWSLETTER

VOLUME-3, ISSUE-4, JANUARY-MARCH 2022

INSIDE THIS ISSUE

Azadi ka Amrit Mahotsav 08
National Education Policy 12
Training & Placements 15
MoU's 18
Research & Publication 20
Seminars/Conferences/ Workshops/Camps 21
Awards and Achievements 38
Celebrations 44
Invited Lectures 55

www.cuh.ac.in | @cuhofficial

कुलगीत

विद्या धनं सर्व धनं प्रधानम...
न चौरहार्यम, न च राजहार्यम, न भ्रातभाज्यम, न च भारिकारी...
व्यये कृते वर्धते नित्यं...विद्र्या धनं सर्व धनं प्रधानम ।
शिक्षा दीक्षा की परंपरा से, राष्ट्र का हुआ सदा उत्थान ।
कौशल और नवसर्जन से, सजा हुआ गौरव अभियान ।।

ज्ञान विज्ञान की शक्ति से हम,
नव मण्डल में हुए स्थापित ।
सीखा है इतिहास से हमने,
नव तकनीकों में हुए समाहित ।।

संस्कारों की शक्ति को जब,
लिया है जब युवा ने पहचान ।
हम सब बने राष्ट्र के रक्षक,
आओ करें नव भारत निर्माण ।।

योग, कला, विधि, विज्ञान विपय का,
विश्वविधालय देता ज्ञान ।
तन-मन और जीवन, सुचिता का,
देता है यह शुभ वरदान ।।

जन्म लेकर जिस धरा पर,
शौर्य करता शीश बलिदान ।
अपनी मेहनत से माटी को,
सोना कर दे जहां किसान ।।

हर की धरा, हरियाणा की मरूभूमि,
पर स्थापित, अपना कुल महान ।
शिक्षा और स्वावलंबन देता
ऐसे कुल को करे प्रणाम ।।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय
संसद के अधिनियम 25 (2009) के तहत स्थापित
नैक द्वारा 'ए' ग्रेड प्राप्त विश्वविद्यालय
महेन्द्रगढ़ - 123031 (हरियाणा), भारत

Central University of Haryana
(Established vide Act No. 25 (2009) of Parliament)
NAAC Accredited 'A' Grade University
Jant-Pali, Mahendergarh (Haryana)-123031

प्रो० (डॉ०) टंकेश्वर कुमार, कुलपति | Prof. (Dr.) Tankeshwar Kumar, Vice - Chancellor

कुलपति की कलम से ....

यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय छात्रों, शिक्षकों और समस्त हितधारको की उपलब्धियों को प्रदर्शित करने के लिए अपना द्विभाषी न्यूजलेटर प्रकाशित कर रहा है। मुझे प्रसन्नता है कि यह सभी हितधारकों को विश्वविद्यालय द्वारा संचालित प्रमुख शैक्षणिक, अनुसंधान और विस्तारपरक गतिविधियों के बारे में बताएगा। यह त्रैमासिक प्रकाशन विभिन्न हितधारकों को जोड़ेगा और फीडबैक को संप्रेषित करने का अवसर प्रदान करेगा। अपनी स्थापना के बाद से, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय समावेशी गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा और अनुसंधान के दृष्टिकोण को आगे बढ़ा रहा है। अपने हितधारकों के सामूहिक प्रयासों से, विश्वविद्यालय अब उत्तर भारत में गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा और अनुसंधान के केंद्र के रूप में उभरा है, जो हरियाणा के अलावा अन्य 26 राज्यों के 53% से अधिक छात्रों के नामांकन के साथ प्रमाणित होता है। पाठ्यचर्या, शैक्षणिक और शैक्षणिक पहलुओं में सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने में विश्वविद्यालय हमेशा सहयोगी विश्वविद्यालयों के लिए एक उत्तम साझेदार रहा है।अपने अकादमिक क्षितिज का विस्तार करते हुए, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय अध्ययन के 33 विभागों के तहत विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के विजन का अनुसरण करते हुए, विश्वविद्यालय ने चरणबद्ध तरीके से इसके कार्यान्वयन के लिए एक व्यापक रोडमैप विकसित किया है। इसके क्रियान्वयन के पहले चरण में विश्वविद्यालय द्वारा अर्जित प्रमुख उपलब्धियां हैं- एनईपी-2020 के अनुरूप पाठ्यचर्या सुधार; भौतिकी, रसायन विज्ञान और गणित में यूजी-पीजी एकीकृत कार्यक्रमों की शुरुआत; क्रेडिट के अकादमिक बैंक (एबीसी) और एकाधिक प्रवेश/निकास विकल्पों पर यूजीसी दिशानिर्देशों को अपनाना; प्रत्येक विभाग द्वारा पेश किए जाने वाले सामान्य वैकल्पिक पाठ्यक्रमों के व्यापक स्पेक्ट्रम के माध्यम से बहु-विषयक शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करना; और बाल मार्गदर्शन और परामर्श में उन्नत डिप्लोमा और पुनर्वास मनोविज्ञान में पीजी डिप्लोमा की शुरुआत। इसके अलावा, विश्वविद्यालय ने आजादी के अमृत महोत्सव के तहत स्वतंत्रता के बाद की अवधि में बहुआयामी विकास के आयामों को पकड़ने के लिए बहु-विषयक प्रकृति के विभिन्न कार्यक्रम भी आयोजित किए गये हैं। इस आशा के साथ कि यह न्यूज लेटर विश्वविद्यालय और इसके हितधारकों के बीच संवाद बनाने के अपने उद्देश्य को प्राप्त करेगा, मैं संपादकीय टीम को विश्वविद्यालय के मुखपत्र के रूप में सीयूएच न्यूजलेटर को बाहर लाने के ईमानदार प्रयासों के लिए बधाई देता हूँ। आपको साधुवाद !

प्रो० (डॉ०) टंकेश्वर कुमार, कुलपति
हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय

CONTENTS

1. आज़ादी का अमृत महोत्सव /Azadi Ka Amrit Mahotsav

a. 75 करोड़ सूर्य नमस्कार में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने की भागीदारी
75 Crore Surya Namaskar Programme

b. आज़ादी का अमृत महोत्सव अभियान के तहत हकेवि में विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित
Competitions Organised Under Azadi Ka Amrit Mahotsav Campaign

c. आज़ादी का अमृत महोत्सव अभियान के अंतर्गत शोध में सांख्यिकी के महत्त्व पर केंद्रित विशेषज्ञ वेबिनार आयोजित
Webinar Organised on “The Importance of Statistics in Research” under Azadi Ka Amrit Mahotsav Campaign

d. समाजशास्त्र विभाग में डूइंग सोशियोलॉजिकल रिसर्चः एन इंटरडिसिप्लिनरी पर्सपेक्टिव विषय पर सात दिवसीय कार्यशाला आयोजित
Workshop on “Doing Sociological Research: An Interdisciplinary Perspective”

2. राष्ट्रीय शिक्षा नीति / National Education Policy

a. हकेवि में नेशनल मिशन फॉर मेंटरिंग पर केंद्रित ओपन हाउस चर्चा का हुआ आयोजन
Open House Discussion on “National Mission for Mentoring”

b. गुणात्मक अनुसंधान पद्धति पर सात दिवसीय कार्यशाला का आयोजन
One-Week Workshop on “Qualitative Research Methodology”

3. प्रशिक्षण एवं नियोजन / Training and Placements

a. हकेवि के छह विद्यार्थियों को मिला प्रतिष्ठित कम्पनियों में प्लेसमेंट
Six Students’ Placement in Reputed Companies

b. हकेवि के प्रिंटिग एवं पैकेजिंग विभाग के 16 विद्यार्थियों को मिली इंटर्नशिप
Internship Offered to 16 students of Printing & Packaging Department

c. हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को मिला प्लेसमेंट
Five Students of Central University of Haryana Got Placement

d. हकेवि के बी.वॉक. रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट के पाँच विद्यार्थियों का हुआ प्लेसमेंट
B.Voc. Retail and Logistics Management Department’s Placements

4. समझौता ज्ञापन / MoU's

a. हकेवि व स्वदेशी स्वावलंबन न्यास ने समझौता ज्ञापन पर किए हस्ताक्षर
CUH Signs MoU with Swadeshi Swawlamban Nyas, Haryana

b. हकेवि ने सीएसआईआर-एनजीआरआई, हैदराबाद के साथ समझौता ज्ञापन पर किया हस्ताक्षर
CUH Signs MoU with CSIR-NGRI, Hyderabad

5. शोध एवं प्रकाशन / Research and Publications

a. हकेवि में पीएच.डी. दाखिले हेतु ऑनलाइन व ऑफलाइन साक्षात्कार का विकल्प
CUH Offers Online and Offline Interview Option for Ph.D. Admissions

b. हकेवि में रिसर्च एंड पब्लिकेशन एथिक्स पाठ्यक्रम की हुई शुरूआत
Course on ‘Research and Publication Ethics’

CONTENTS

6. संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशाला/शिविर / Seminars/Conferences/Workshops/Camps

a. हकेवि मेंबाजरेसेबनेखाद्यउत्पादोंपरकेंद्रितकार्यशालाकाहुआशुभारम्भ
Workshop on Food Products Made from Millet

b. हकेविमेंबाजरेसेबनेखाद्यउत्पादोंपरआयोजितकार्यशालाकाहुआसमापन
Workshop on Food Products made from Millet Concludes

c. हकेविमेंनेशनलएनवायरमेंटयूथपार्लियामेंट 2022 काआयोजन
National Environment Youth Parliament 2022

d. विश्वविद्यालयकेविभिन्नक्लबों, प्रकोष्ठोंएवंअनुभागोंकाकुलपतिप्रो. टंकेश्वरकुमारकेसमक्षविभागीयप्रस्तुतीकरण
Presentation Session for Various Clubs, Cells and Sections of the University

e. हकेविमेंमौलिकसम्पदाअधिकारपरकेंद्रितकार्यशालाआयोजित
Online Workshop on Intellectual Property Rights Organised at CUH

f. हकेविमेंसेंसरआधारितस्वास्थ्यदेखभालउपकरण:डिजाइनऔरवाणिज्यिकप्रभावविषयपरअंतरराष्ट्रीयसंगोष्ठीकाहुआआयोजन
International Seminar on Sensor Based Health Care Devices: Design and Commercial Impact

g. मानसिकस्वास्थ्यऔरआर्थिकपरिप्रेक्ष्यविषयपरराष्ट्रीयसम्मेलनआयोजित
One-Day National Level Conference on Mental Health & Economic Perspective

h. अंतरराष्ट्रीयसम्मेलनकीविवरणपुस्तिकाकाहुआविमोचन
International Conference Brochure Released

i. हकेविमेंप्रोबायोटिक्सविषयपरपांचदिवसीयकार्यशालाकाआयोजन
Five-Day National Workshop on Probiotics Organised by the Department of Microbiology

j. अविष्कारसेनवाचारतक'कार्यक्रमनवाचार एवं उद्‌भवन केंद्रद्वाराआयोजित
'Invention to Innovation' Programme Organised by Innovation and Incubation Centre

k. हकेविमें 'ज्ञान'कार्यक्रममेंस्पेनकेप्रोफेसरवालेरीचिस्तोवविशेषज्ञकेरूपमेंपधारे
Spain's Professor Valery Chistov Attends 'GIAN' Programme as an Expert

l. हकेविमेंविश्वविद्यालयकीएनएसएसइकाईद्वारारक्तदानशिविरकाआयोजनकियागया
Blood Donation Camp at CUH

m. हकेविमेंसातदिवसीयएनएसएसशिविरकाहुआसमापन
Seven-Day NSS Camp Concludes in CUH

n. हकेविमेंआईपीआर, कॉपीराइटऔरपेटेंटपरदोदिवसीयराष्ट्रीयकार्यशालाआयोजित
Two-Day National Workshop on IPR, Copyright and Patent

o. एनएसएसवार्षिकशिविरकेतीसरेदिनहकेविकेस्वयंसेवकोंनेनिकालीएड्सजागरूकतारैली
CUH NSS Volunteers Held AIDS Awareness Rally on the Third Day of NSS Annual Camp

p. हकेविमेंडाटाविश्लेषणमेंसांख्यिकीयउपकरणोंकेअनुप्रयोगविषयपरपांचदिवसीयकार्यशाला
Five-Day Workshop on “Applications of Statistical Tools in Data Analysis”

q. हकेविमेंज्ञानकोर्सकाहुआसमापन
GIAN Course Valedictory Ceremony

r. हकेविमेंसततविकासजलऔरबिजलीसंरक्षणपरवेबिनारआयोजित
Webinar on Sustainable Development, Water and Electricity Conservation organised in CUH

s. हकेविमेंकरियरइनलाइफसाइंसेज:एकेडमियाएंडबियोंडविषयपरराष्ट्रीयवेबिनारकाआयोजन
Webinar on “Careers in Life Sciences: Academia and Beyond” at CUH

CONTENTS

7. पुरस्कार और उपलब्धि / Awards and Achievements

a. हकेवि की छात्रा सिमरन चौहान पहुँची एनईवाईपी के फाइनल में
CUH Students in the Final Round of NEYP
b. विश्वविद्यालय की ब्रांडिंग वाले उत्पादों का ऑनलाइन स्टोर सीयूएच कैंपस मॉल शुरू
CUH Campus Mall Will Take University to the Masses
c. इंटरनेशनल अकेडमी ऑफ फिजिकल साइंसेस के उपाध्यक्ष बने प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार
Professor Tankeshwar Kumar Elected as the Vice President of International Academy of Physical Sciences (IAPS)
d. पुरातत्व एवं विरासत के संवर्द्धन में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय देगा योगदान
CUH Will Contribute to the Promotion of Archaeology and Heritage
e. हकेवि में स्ट्रक्चर इंजीनियरिंग सॉफ्टवेयर पर तीन दिवसीय कार्यशाला
Three-Day Workshop on Structure Engineering Software
f. सीटीईटी में हकेवि के विद्यार्थियों ने किया उल्लेखनीय प्रदर्शन
Remarkable Performance of CUH Students in CTET
g. जैवरसायन विज्ञान विभाग के पांच विद्यार्थियों ने नेट/जेआरएफ की परीक्षा में किया उत्कृष्ट प्रदर्शन
Five Students of Department of Biochemistry Gave Excellent Performance in NET/JRF Examination
h. राष्ट्रीय एकता शिविर में हकेवि के स्वयंसेवकों ने किया नाम रोशन
CUH NSS Volunteers Participated in the National Integration Camp

8. उत्सव / Celebrations

a. हकेवि में अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर कार्यक्रम आयोजित
International Mother Tongue Day
b. हकेवि राष्ट्रीय बालिका दिवस पर विशेष कार्यक्रम आयोजित
National Girl Child Day
c. 73वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर हकेवि में कार्यक्रम आयोजित
73rd Republic Day Celebration
d. गुरू रविदास जयंती पर हकेवि में कार्यक्रम आयोजित
Guru Ravidas Jayanti Celebration
e. वंडर्स ऑफ इनोवेशन के साथ मनाया गया हकेवि का स्थापना दिवस
CUH Celebrated 14th Foundation Day
f. हकेवि के आठवें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय
Governor Shri Bandaru Dattatreya Attended the Eighth Convocation at CUH
g. हकेवि में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर वेबिनार व विशेष चर्चा का आयोजन
Webinars and Special Discussions on International Women's Day
h. हकेवि में होली पर्व के उपलक्ष्य में यज्ञ का आयोजन
Yajna on the Occasion of Holi Festival
i. हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में मनाया गया अंतरराष्ट्रीय वन दिवस
International Day of Forests
j. हकेवि में स्वर-कोकिला लता मंगेशकर की याद में संगीतमयी श्रद्धांजलि कार्यक्रम
Musical Tribute in the Memory of Swarkokila Lata Mangeshkar

CONTENTS

9. आमंत्रित व्याख्यान / Invited Lectures

a. हकेवि में कोविड प्रेरित शैक्षणिक तनाव प्रबंधन पर विशेषज्ञ व्याख्यान
Lecture on “Covid Induced Academic Stress Management”

b. मानवाधिकार मानव जीवन के लिए महत्त्वपूर्ण- जस्टिस सतीश कुमार मित्तल
“Human Rights are Important for Human Life” -Justice Satish Kumar Mittal

c. राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर प्रो. कृष्णमूर्ति कन्नन व प्रो. नीरज दिलबागी का विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित
Lectures on National Science Day by Prof. Krishnamurthy Kannan and Prof. Neeraj Dilbagi

d. रूस-यूक्रेन युद्ध पर इग्नू के प्रो. सतीश कुमार का हकेवि में व्याख्यान
Lecture on Russian-Ukraine War by IGNOU's Prof. Satish Kumar

75 करोड़ सूर्य नमस्कार में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने की भागीदारी

5 जनवरी, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ भी आयुष मंत्रालय, भारत सरकार और राष्ट्रीय योगासन स्पोर्ट्स फेडरेशन के तत्वावधान में, आज़ादी का अमृत महोत्सव अभियान के उपलक्ष्य में, ७५ करोड़ सूर्य नमस्कार के अभ्यास के प्रयास में सांझेदार बना है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार की प्रेरणा और अंतर्विषयी एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान संकाय की अध्यक्षा प्रोफेसर नीलम सांगवान के मार्गदर्शन में, विश्वविद्यालय के योग विभाग की ओर से आयोजित इस गतिविधि के अंतर्गत विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों, अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रातः ७ बजे से ७.३० तक सूर्य नमस्कार का अभ्यास कराया गया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस आयोजन के बेहद उपयोगी बताया और कहा कि इस माध्यम से शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाया जा सकता है। कुलपति ने संदेश के माध्यम से इस आयोजन में सम्मिलित प्रतिभागियों को सूर्य नमस्कार को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने के लिए भी प्रेरित किया। योग विभाग के शिक्षक प्रभारी डॉ. अजय पाल ने सूर्य नमस्कार के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि यह आसनों का एक समूह है, जिसमें सभी प्रकार के आसनों का समावेश होने के कारण यह अपने आप में एक पूर्ण योगिक अभ्यास का पर्याय बन जाता है। जैसे सूर्य पूरे ब्रह्मांड को प्राण-प्रवाह प्रदान करता है, वैसे ही सूर्य नमस्कार का अभ्यास व्यक्ति में प्राण और ऊर्जा का संचार कर उसे शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से स्वस्थ बनाने में योगदान देता है।

डॉ. अजय पाल ने बताया कि आज़ादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में भारतवर्ष में अनेक प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। उन्हीं कार्यक्रमों में एक कार्यक्रम ७५ करोड़ सूर्य नमस्कार का भी रखा गया है। जिसे हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय पूरे मनोयोग से कर रहा है। उन्होंने बताया कि सूर्य नमस्कार के अभ्यास के लिए डॉ. रवि कुमार के निर्देशन में विश्वविद्यालय के लोग प्रतिदिन अभ्यास कर रहे हैं, यह अभ्यास अगले २१ दिनों तक चलेगा। सूर्य नमस्कार करने वाले सभी अभ्यार्थियों ने सूर्य नमस्कार करने के लिए अपना संकल्प भी लिया।

75 Crore Surya Namaskar Programme

5th January, 2022

Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh partnered with the Ministry of AYUSH, Government of India and National Yogasan Sports Federation in an effort to practise 75 Crore Surya Namaskars to commemorate the Amrit Mahotsav Campaign of Independence. Under the guidance of Vice Chancellor, Professor Tankeshwar Kumar and Professor Neelam Sangwan (Chairperson of the Faculty of Interdisciplinary and Applied Sciences) students, research scholars, teachers, officers and staff members were invited to participate in this activity organised by the Yoga Department of the University between 7:00 am to 7:30 am. Vice Chancellor, Prof. Tankeshwar Kumar remarked that physical and mental health can be improved through the ancient practice of Yoga. Further, he advised the participants to make Surya Namaskar a part of their daily routine to get maximum benefits.

Giving information about the Surya Namaskar, Dr. Ajay Pal, teacher-in-charge of the Department of Yoga, said that it is a group of asanas in which due to the inclusion of all types of asanas, it becomes synonymous with a complete yogic practice in itself. Just as the sun provides the flow of prana to the entire universe, the practice of Surya Namaskar contributes to making a person physically, mentally and emotionally healthy by infusing prana and energy. He informed that various types of programmes are being organised in India to commemorate the elixir of independence. The 75 Crore Surya Namaskar Programme was concluded in the university with great enthusiasm and dedication by the participants. Dr. Pal also remarked that the participants of this programme in the university were performing daily practice under the direction of Dr. Ravi Kumar for 21 days. The participants also took a pledge to continue performing Surya Namaskar as a part of their daily

आज़ादी का अमृत महोत्सव अभियान के तहत हकेवि में विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित

5 जनवरी, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ में आज़ादी का अमृत महोत्सव अभियान के अंतर्गत देशभक्ति गीत, लोरी गीत और रंगोली पर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के दिव्यांगजन प्रकोष्ठ द्वारा यह कार्यक्रम वर्चुअल माध्यम से आयोजित किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस आयोजन को महत्त्वपूर्ण बताया और कहा कि ऐसे आयोजनों के माध्यम से विद्यार्थियों, शोधार्थियों व प्रतिभागियों को स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े विभिन्न पक्षों को जानने-समझने का अवसर प्राप्त होता है। इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलपति को आयोजन समिति की ओर से सहायक आचार्य डॉ. दिलीप कुमार पटेल द्वारा निर्मित आज़ादी का अमृत महोत्सव का प्रतीक चिन्ह भी भेंट की किया गया।

विश्वविद्यालय में आज़ादी का अमृत महोत्सव अभियान की नोडल ऑफिसर प्रो. सारिका शर्मा ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। सहआचार्य डॉ. धर्मपाल पूनिया ने कुलपति महोदय का परिचय दिया। प्रो. सारिका शर्मा ने बताया कि आयोजन के अंतर्गत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में निर्णायक मंडल के माध्यम से विभिन्न प्रतिभागियों का मूल्यांकन किया गया। निर्णायक मंडल में प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, प्रो. नीलम सांगवान, प्रो. सुनील कुमार, डॉ. नरेंद्र परमार एवं डॉ. सरन प्रसाद शामिल रहे। इस अवसर पर प्रस्तुतियों के आधार पर देशभक्ति गीत लेखन प्रतियोगिता में संदीप कुमार ने प्रथम पुरस्कार, शिवम कुमार चौधरी ने द्वितीय पुरस्कार एवं मौसम कुमारी ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। इसी क्रम में लोरीगीत लेखन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार सचिन यादव, द्वितीय पुरस्कार जामिनी डोली एवं तृतीय पुरस्कार अचला रानी डे एवं रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार अमृता प्रियदर्शनी साहू, द्वितीय पुरस्कार अमन गंगवार व तृतीय पुरस्कार सुरभि ने प्राप्त किया। कार्यक्रम में मंच संचालन भूगोल विभाग के सहायक आचार्य डॉ. मनीष ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन शिक्षा पीठ के सहायक आचार्य डॉ. रुबल कलिता ने किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

Competitions Organised Under Azadi Ka Amrit Mahotsav Campaign

January 5, 2022

Competitions on Desh Bhakti Geet, Lullaby Geet and Rangoli were organised under Azadi Ka Amrit Mahotsav campaign at Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh. This programme was organised through virtual mode by the Divyangjan Cell of the University. On this occasion the Vice Chancellor of the University, Prof. Tankeshwar Kumar said that through such events, students, researchers and participants get an opportunity to know and understand various aspects related to the freedom struggle of our nation. On the concluding day, Assistant Professor, Dr. Dilip Kumar Patel on behalf of the organising committee presented a handmade logo of Azadi Ka Amrit Mahotsav to the Vice Chancellor of the University.

The nodal officer of the Azadi Ka Amrit Mahotsav, Prof. Sarika Sharma presented the programme outline. Associate Professor, Dr. Dharampal Poonia introduced the Vice Chancellor. Prof. Sarika Sharma informed that in various competitions organised under the event participants were evaluated by the jury. The jury members included Prof. Sunita Srivastava, Prof. Neelam Sagwan, Prof. Sunil Kumar, Dr. Narendra Parmar and Dr. Saran Prasad. As per the decisions of the jury, Sandeep Kumar received first prize, Shivam Kumar Chaudhary received second prize and Mausam Kumari was awarded third prize in Desh Bhakti Songwriting Competition. In Lullaby Songwriting Competition, the first prize was won by Sachin Yadav, the second prize was given to Jamini Doli and the third prize was given to Achala Rani Dey. In Rangoli Making Competition Amrita Priyadarshini Sahu stood at the first position, the second and third position was given to Aman Gangwar and Surbhi respectively. Assistant Prof., Dr. Manish (Geography Department) compèred the whole event and the vote of thanks was given by Dr. Rubal Kalita (Assistant Professor of Education Chair). The programme was attended by university teachers, officials and students.

आज़ादी का अमृत महोत्सव अभियान के अंतर्गत शोध में सांख्यिकी के महत्त्व पर केंद्रित विशेषज्ञ वेबिनार आयोजित

10 फरवरी, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के सांख्यिकी विभाग द्वारा आज़ादी का अमृत महोत्सव अभियान के अंतर्गत शोध में सांख्यिकी के महत्त्व पर केंद्रित विशेषज्ञ वेबिनार का आयोजन किया गया। इस वेबिनार में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में आईआईटी, खडगपुर के प्रो. सोमेश कुमार उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश के माध्यम से इस आयोजन को शोध के क्षेत्र में कार्यरत विद्यार्थियों व शोधार्थियों के लिए आंकड़ों के मूल्यांकन हेतु उपयोगी बताया और कहा कि अवश्य ही वे इससे लाभांवित होंगे।

विश्वविद्यालय के सांख्यिकी विभाग द्वारा आज़ादी का अमृत महोत्सव अभियान के अंतर्गत आयोजित इस वेबिनार के आरंभ में विश्वविद्यालय की कुलसचिव व आज़ादी का अमृत महोत्सव अभियान की नोडल आफिसर प्रो. सारिका शर्मा ने इस अभियान के महत्त्व और इसके अंतर्गत आयोजित कार्यक्रमों की जानकारी दी। विशेषज्ञ वक्ता ने अपने संबोधन में शोध के लिए आंकड़ों के महत्त्व और उसके लिए आवश्यक मूल्यांकन की विभिन्न प्रक्रियाओं पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इसके माध्यम से ही शोध कार्य में इच्छित लक्ष्य की प्राप्ति संभव है। उन्होंने इस अवसर पर रिसर्च मैथोडोलॉजी के स्तर पर बदलाव और विभिन्न सांख्यिकी तकनीकों पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम के संयोजक सांख्यिकी विभाग के प्रभारी डॉ. देवेंद्र कुमार रहे। कार्यक्रम कें अंत में आयोजन सचिव डॉ. कपिल कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस आयोजन प्रो. सुनील कुमार, डॉ. रविंद्र सिंह ने भी महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा की।

Webinar Organised on "The Importance of Statistics in Research" under Azadi Ka Amrit Mahotsav Campaign

February 10, 2022

Under the Azadi Ka Amrit Mahotsav Abhiyan, a webinar focused on the importance of statistics in research was organised by the Statistics Department, Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh. As an expert speaker in this webinar, Prof. Somesh Kumar (IIT, Kharagpur) was present at the event. University Vice Chancellor, Prof. Tankeshwar Kumar, through his message, described this event as useful for the students and scholars working in the field of research for the evaluation of data and said that they will definitely benefit from it.

At the beginning of this webinar organised by the Statistics Department of the University under the Azadi Ka Amrit Mahotsav, the Registrar of the University and the Nodal Officer of the Azadi Ka Amrit Mahotsav, Prof. Sarika Sharma informed about the importance of this campaign and the programmes organised under it. The expert speaker in his address elaborated on the importance of data for research and the various processes of evaluation required for it. He said that only through this method it is possible to achieve the desired goal in research work. He also highlighted the changes in the level of research methodology and various statistical techniques on this occasion. The coordinator of the programme was Dr. Devendra Kumar, in-charge of the Statistics Department. At the end of the programme, Organising Secretary Dr. Kapil Kumar presented a vote of thanks. In this event Prof. Sunil Kumar and Dr. Ravindra Singh also played a pivotal role.

समाजशास्त्र विभाग में डूइंग सोशियोलॉजिकल रिसर्चः एन इंटरडिसिप्लिनरी पर्सपेक्टिव विषय पर सात दिवसीय कार्यशाला आयोजित

10 मार्च, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ में सात दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग द्वारा डूइंग सोशियोलॉजिकल रिसर्चः एन इंटरडिसिप्लिनरी पर्सपेक्टिव विषय पर १५ मार्च तक चलने वाली इस कार्यशाला के संबंध में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि कार्यशाला के माध्यम से प्रतिभागियों को अनुसंधान प्रक्रिया से अपडेट होने व शैक्षणिक क्षेत्र में गुणवत्ता लाने के साथ शोध कार्य की एक स्पष्ट समझ रखने के लिए प्रेरित करेगा।

आज़ादी का अमृत महोत्सव अभियान के तहत आयोजित इस कार्यशाला में कुलपति ने कहा कि ऐसी कार्यशालाओं के माध्यम से विद्यार्थियों व शोधार्थियों को बाहरी विशेषज्ञों के रूबरू होने का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि उन्हें विश्वास है कि कार्यशाला प्रतिभागियों में नए विचारों एवं सूचनाओं के माध्यम से उनके ज्ञान में भी इजाफा करने में सहायक होगी। कुलपति ने शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को सुदृढ़ करने के लिए इस तरह के आयोजनों की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि समाजशास्त्र अनुशासन स्वयं अंतःविषय है क्योंकि इसमें इतिहास, नवाचार, प्रौद्योगिकी, अर्थव्यवस्था और राजनीति के विषय शामिल हैं। इसलिए, इसका उपयोग सामाजिक नेटवर्क, सामाजिक परिवर्तन और समाज की संरचना को अधिक व्यापक रूप से देखने के लिए किया जा सकता है।

समाजशास्त्र विभाग के प्रभारी डॉ. टी. लोंगकोई ने कहा कि कार्यशाला का उद्देश्य अनुसंधान में सुधार और उन्नयन करना है। उन्होंने बताया कि इस कार्यशाला में विविध विषयों पर गहन चर्चा और गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। कार्यशाला का उद्देश्य पत्रिकाओं में लेखों के रूप में सामग्री

प्रकाशित करने के लिए शोधकर्ताओं की क्षमताओं को तैयार करना भी है। समाजशास्त्र की सहायक आचार्य सुश्री तन्वी भाटी ने कहा कि विभाग अंत:विषय दृष्टिकोण के साथ मौलिक सामाजिक घटना के महत्वपूर्ण, अभिनव और अत्याधुनिक अनुसंधान की संस्कृति को बढ़ावा देना चाहता है। उन्होंने यह भी बताया कि विभाग विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों में शैक्षणिक, अनुसंधान, डिजिटल और महत्वपूर्ण आत्म-जागरूक दक्षताओं को विकसित करने के लिए कार्यरत है। इससे विद्यार्थियों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने में सहयोग मिलेगा। सत्र के अंत में विभाग के सहायक आचार्य डॉ. युद्धवीर ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

Workshop on "Doing Sociological Research: An Interdisciplinary Perspective"
March 10, 2022

A seven-day workshop on "Doing Sociological Research: An Interdisciplinary Perspective" was organised at Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh by the Department of Sociology under the Azadi Ka Amrit Mahotsav. On this occasion, the Vice Chancellor, Prof. Tankeshwar Kumar said that through such workshops, students and research scholars get an opportunity to get acquainted with outside experts. He said that he is confident that the workshop will help the participants to enhance their knowledge through new ideas and information. The Vice Chancellor stressed the need for such events to strengthen the teaching-learning process. He said that the discipline of sociology itself is interdisciplinary as it includes subjects from history, innovation, technology, economy and politics. Therefore, it can be used to look at social networks, social change, and the social structure of society more broadly.

Dr. T. Longkoi, Teacher in-Charge of the Department of Sociology, said that the aim of the workshop is to improve and upgrade research. He said that in-depth discussions and activities on various topics were organised in this workshop. The workshop also aims at building up the capabilities of researchers to publish material in the form of articles in journals. Dr./Ms. Tanvi Bhati, Assistant Professor of Sociology, said that the department seeks to promote a culture of critical, innovative and cutting-edge research of fundamental social phenomena with an interdisciplinary approach. She also informed that the department is working to develop pedagogical, research, digital and critical self-awareness competencies in the students and research scholars. This will help the students to compete at the global level. At the end of the session, Assistant Professor, Dr. Yudhveer presented the vote of thanks.

हकेवि में नेशनल मिशन फोर मेंटरिंग पर केंद्रित ओपन हाउस चर्चा का हुआ आयोजन
4 मार्च, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ ने राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) के सहयोग से राष्ट्रीय शिक्षा नीति-२०२० नेशनल मिशन फोर मेंटरिंग (एनएमएम) के महत्त्व पर एक ओपन हाउस चर्चा का आयोजन किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मुख्य अतिथि तथा जिला प्राथमिक शिक्षा अधिकारी, महेंद्रगढ़ विजेंद्र श्योराण विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थिति रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में उच्च शिक्षा के साथ-साथ उत्तम शिक्षा उपलब्ध करवाने पर जोर दिया। ब्लेंडेड माध्यम से आयोजित चर्चा दीप प्रज्जवलन के साथ आरंभ हुई।

विश्वविद्यालय कुलपति ने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन से शिक्षा के प्रत्येक क्षेत्र में परिवर्तन आएगा। साथ ही डिमांड और चुनौतियां भी बढ़ेंगी। ऐसी स्थिति से निपटने में नेशनल मिशन फॉर मेनंटरिंग महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने शिक्षकों का आह्वान किया वे विद्यार्थी के गुण व स्थिति की पहचान कर उसे उसी दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि मेंटरिंग का मतलब है कि हम अपने विचारों, अनुभवों को सांझा करें। उन्होंने शिक्षा, प्रशासन और प्रबंधन में परामर्शदाता के महत्त्व से प्रतिभागियों को अवगत कराया। कुलपति ने उच्च शिक्षा के साथ-साथ उत्तम शिक्षा उपलब्ध करवाने पर भी जोर दिया। उन्होंने मूल्य आधारित शिक्षा पर जोर देते हुए विद्यार्थियों की डिग्री और क्षमता के बीच की खाई को पाटने की आवश्यकता बताई।

इससे पूर्व शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता व विश्वविद्यालय की कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा ने सभी अतिथियों व प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम के उद्देश्यों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। प्रो. सारिका शर्मा ने कहा कि परामर्शदाता सही रास्ता चुनने और सही निर्णय लेने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। राष्ट्रीय शैक्षणिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (एनआईईपीए) के प्रो. पी.के. मिश्रा ने परामर्शग्राही को अच्छे परामर्शदाता चुनने के विभिन्न मानदंडो पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यदि हम सही परामर्श चाहते हैं तो यह आवश्यक है कि परामर्शग्राही को अपनी समस्या व दुविधा को मेंटर से समक्ष स्पष्ट रूप से रखें तथा उनकी सलाह को ध्यान से व विश्वासपूर्वक सुनें। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण व अर्जुन का उदाहरण देते हुए परामर्शदाता और परामर्शग्राही की भूमिका से प्रतिभागियों को अवगत कराया। प्रो. मिश्रा ने कहा कि परामर्शदाता कोई जादू या चमत्कार नहीं करेगा, वह केवल सही सलाह व सुझाव दे सकता है, कर्म परामर्शग्राही को ही करना होगा।

एनसीटीई की सदस्य सचिव सुश्री केसांग शेरपा ने चर्चा की रूपरेखा से प्रतिभागियों को अवगत कराया तथा एनएमएम की समिति सदस्य डॉ. अमिना चरनिया ने एनएमएम की ब्लू बुक के बारे में जानकारी दी तथा एनसीटीई के विनय आर. संजीवी तथा सोविक बंदोपाध्याय ने भी विषय से संबंधित अपने विचार रखे। इसी क्रम में कार्यक्रम के अन्य विशिष्ट पैनलिस्ट एनसीटीई के पूर्व उपाध्यक्ष व डीईपी-एसएसए, स्कूल ऑफ एजुकेशन, इग्नू, नई दिल्ली के प्रो. एस.वी.एस. चौधरी, गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं तकनीकी विश्वविद्यालय, हिसार की प्रो. वंदना पुनिया, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व शैक्षणिक अधिष्ठाता, प्रो. संजीव कुमार, एमिटी विश्वविद्यालय, नोएडा, की डॉ. प्रियंका सिंह निरंजन, एनसीईआरटी, नई दिल्ली के सेवानिवृत्त प्रो. एस.के. यादव ने भी ने शिक्षा में परामर्श के महत्व और प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन शिक्षा पीठ के सह-आचार्य डॉ. दिनेश चहल ने किया। उन्होंने इस अवसर विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से सहयोग और टीम वर्क के महत्व को समझाया। उन्होंने प्रतिभागियों से उनका अनुसरण करने का अनुरोध किया। कार्यक्रम के अंत में शिक्षा पीठ के प्रो. प्रमोद कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। इस अवसर पर स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के डॉ. अजय कुमार बंसल, विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य, शिक्षक, बीआरसी, सीआरसी सहित शिक्षा पीठ के शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

Open House Discussion on "National Mission for Mentoring"
March 4, 2022

Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh in association with National Council for Teacher Education (NCTE) organised an open house discussion on the importance of National Mission for Mentoring (NMM) in the National Education Policy 2020. The Vice Chancellor of the University, Prof. Tankeshwar Kumar was the chief guest and District Primary Education Officer, Mahendragarh Vijendra Sheoran was present as the special guest. The discussion, organised through blended medium, was inaugurated with the lighting of the lamp.

Prof. Tankeshwar Kumar in his address emphasised on providing quality education along with higher education. He said that the implementation of the new National Education Policy will bring change in every field of education. Along with this the demand and challenges will also increase. The National Mission for Mentoring will play an important role in dealing with such a situation. He called upon the teachers to identify the merits of the students to motivate them to move forward in the right direction. He apprised the participants about the importance of mentors in education, administration and management. Along with higher education, the Vice Chancellor also emphasised on providing quality education. Emphasising on value based education, he stressed the need to bridge the gap between the

degree and ability of the students.
Earlier, the Dean of Education Chair and Registrar of the University, Prof. Sarika Sharma, while welcoming all the guests and participants, apprised the participants about the objectives of the programme. Pro. Sarika Sharma said that counsellors play an important role in choosing the right path and taking the right decision. National Institute of Educational Planning and Administration (NIEPA), Prof. PK Mishra highlighted the various criteria for selecting a good consultant to further one's career. He

said that if we want right advice, then it is necessary that the student should clearly keep his problem and dilemma in front of the mentor and listen to his advice carefully and confidently. Giving the example of Lord Krishna and Arjuna, he apprised the participants about the role of counsellor. Prof. Mishra said that the counsellor will not do any magic or miracle, he can only give the right advice and suggestion, the work has to be done by the student.
NCTE Member, Secretary, Ms. Kesang Sherpa apprised the participants about the outline of the discussion and Dr. Amina Charaniya, Committee Member of NMM gave information about the Blue Book of NMM and Vinay R. Sanjeevi and Sovik Bandyopadhyay also gave their views related to the subject. In the same sequence, other eminent panellists of the programme included former Vice President of NCTE and Prof. DEP-SSA, School of Education, IGNOU, New Delhi. SVS Chaudhary, Guru Jambheshwar University of Science and Technology, Hisar, Prof. Vandana Punia, former Academic Dean of Central University of Haryana, Prof. Dr. Priyanka Singh Niranjan of Amity University, Noida, Prof. Sanjeev Kumar, (retired), NCERT, New Delhi. Dr./Mr. SK Yadav also highlighted the importance and relevance of counselling in education. In the programme, the stage was conducted by Dr. Dinesh Chahal, Associate Professor of Education Peeth. He took this opportunity to explain the importance of collaboration and teamwork through various activities. He requested the participants to follow him. At the end of the programme, Prof. Pramod Kumar proposed a vote of thanks. On this occasion, Dr. Ajay Kumar Bansal (School of Engineering and Technology), principals of various schools, teachers, and students of the Education Chair including BRC, CRC were also present.

गुणात्मक अनुसंधान पद्धति पर सात दिवसीय कार्यशाला का आयोजन
7 मार्च, 2022

राष्ट्रीय शिक्षा नीति अनुसंधान में गुणवत्ता पर विशेष जोर देती है। आज के समय में अनुसंधान में विभिन्न सॉफ्टवेयर का उपयोग जिस तरह से बढ़ा है, उसे देखते हुए हम कह सकते हैं कि आने वाले समय में आधुनिक बदलावों के बीच अनुसंधान की गुणवत्ता में उल्लेखनीय परिवर्तन नजर आयेंगे। युवा पीढ़ी के लिए आवश्यक है कि वे इन बदलावों को समझें और उनके अनुरूप शोध व अनुसंधान कार्य को पूर्ण करें। ये विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के कुलपति ने सोमवार को विश्वविद्यालय की शिक्षा पीठ द्वारा आयोजित सात दिवसीय कार्यशाला के शुभारंभ के अवसर पर व्यक्त किए। इस कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में विशेषज्ञ के रूप में जाकिर हुसैन सेंटर फॉर एजुकेशनल स्टडीज, जवाहर लाल नेहरु विश्वविद्यालय के प्रो. एस. श्रीनिवास राव उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय के कुलपति ने अपने संबोधन में कहा कि हमें अब ऐसे अच्छे शोध कार्यों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, जिनका संबंध सामाजिक विषयों व समाज के समक्ष उपस्थित चुनौतियों से हो। कुलपति ने अपने संबोधन में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में समाज व जनोपयोगी शोध कार्यों की महत्ता पर प्रकाश डाला और विद्यार्थियों, शोधार्थियों व शिक्षकों को इसके लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता प्रो. एस. श्रीनिवास राव ने शैक्षणिक अनुसंधानों के संदर्भ में आंकड़ों के महत्त्व पर प्रकाश डाला और साथ ही साथ अनुसंधान में धैर्य, भागीदारी व अवलोकन केंद्रित दृष्टिकोण के महत्त्व से अवगत कराया। उन्होंने प्रतिभागियों द्वारा इस संबंध में पूछे गए विभिन्न सवालों के जवाब देते हुए विषय के विभिन्न व्यावहारिक पक्षों पर विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम के संदर्भ में कार्यशाला की समन्वयक डॉ. आरती यादव ने बताया कि इस कार्यशाला का उद्देश्य सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में शोधकर्ताओं को आवश्यक गुणात्मक अनुसंधान ज्ञान और कौशल से अवगत कराना है।

कार्यक्रम की शुरूआत में कार्यशाला की आयोजन सचिव व शिक्षा की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने सभी आमंत्रित अतिथियों का स्वागत किया और कार्यक्रम के विषय में जानकारी दी। कार्यशाला के समन्वयक प्रो. प्रमोद कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। इस कार्यशाला में सहआचार्य डॉ. दिनेश चहल, सहायक आचार्य डॉ. रेनु यादव सहित विभिन्न शिक्षण संस्थानों के 72 विद्वान व शिक्षक ऑनलाइन तथा ऑफलाइन माध्यम से उपस्थित रहे।

One-Week Workshop on "Qualitative Research Methodology"
March 7, 2022

As one of its regular academic initiatives to promote the quality of research in the Central University of Haryana, the School of Education organised a one-week workshop on "Qualitative Research Methodology" from March 7 to March 12, 2022. The workshop started with the inaugural ceremony on 7 March, 2022 with Honourable Vice-Chancellor, Prof. Tankeshwar Kumar as the Chief Guest and session expert, Prof. S. Srinivasa Rao from Zakir Husain Centre for Educational Studies, JNU, New Delhi. The guests were welcomed by the organising secretary of the workshop Prof. Sarika Sharma, Dean, SoE and thereafter, Dr. Aarti Yadav, coordinator of the workshop briefed about the purpose of the workshop. Dr. Aarti shared that this workshop aims to equip Social Science Researchers with essential qualitative research knowledge and skills. We all know that data in numbers used in quantitative research is not always sufficient to answer the 'how' and 'why' questions related to the cultural observations, individual and social complexity, effectiveness of programmes or policies, social orders and social justice. Therefore, Qualitative research is conducted within and across multiple disciplines to understand, explore the above aspects. She informed that the workshop will provide an opportunity to interact and learn from eminent researchers from JNU, TISS, Delhi University and Punjab University and 72 participants from various Universities and colleges are attending the workshop.

The opening remarks were presented by Prof. S. Srinivasa Rao. He is an eminent scholar in the field of sociological and educational research. Prof. Rao talked about Ethnographic research in the context of educational research. Ethnographic research developed through anthropological quests. He laid emphasis on understanding the importance of 'Why' from the data rather than making a generic statement. He stressed on the importance of 'patience', 'participation' and 'observation' approach in ethnographic research. He introduced the participants to some methods in ethnographic research such as: Observational method, case-study method, in-depth interview etc. According to him, most of the researchers doing ethnographic research are not part of the original community and this is what brings fresh perspective in research. He highlighted the importance of subjective interpretation in ethnographic research and answered a few questions raised by the participants. The inaugural address was delivered by Prof. Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor, CUH where he emphasised on improving the quality of research in the light of NEP-2020. He highlighted the role of software in today's education research which the young generation should make use of, and qualitative research is very important in the modern era. Researchers published good research papers in reputed journals, and it should deal with societal issues and challenges. Prof. Parmod Kumar, co-ordinator of the workshop presented a vote of thanks and the programme ended with a rendition of the national anthem. Dr. Dinesh Chahal, Associate Professor, Dr. Renu Yadav, Assistant Professor, School of Education and 72 scholars and teachers of various departments from various institutes also attended the workshop through offline and online mode.

After the inaugural session, the first technical session was taken by Prof. S. Srinivasa Rao, JNU and he expressed his views on the topic "Anthography in Education: Context, Principles, Practice and Ethics".

हकेवि के छह विद्यार्थियों को मिला प्रतिष्ठित कम्पनियों में प्लेसमेंट

6 जनवरी, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ में विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ रोजगार के भी भरपूर अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय के इन्हीं प्रयासों के परिणामस्वरूप छह विद्यार्थियों को प्रतिष्ठित कम्पनियों नेग्रो, एक्सीडेंस कंसल्टिंग, नेकस्टजेन इंवेंट में प्लेसमेंट प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने चयनित विद्यार्थियों को मिले इस अवसर के लिए बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि ये विद्यार्थी अवश्य ही अपनी प्रतिभा के माध्यम से विश्वविद्यालय का नाम रोशन करेंगे।

कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेंटर के माध्यम से निरंतर विद्यार्थियों के कौशल विकास व रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में प्रयासरत है। सेंटर के इन्हीं प्रयासों के परिणामस्वरूप विद्यार्थियों को प्रतिष्ठित संस्थानों में रोजगार के अवसर मिल रहे हैं। विश्वविद्यालय ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेंटर के निदेशक डॉ. विकास गर्ग व उपनिदेशक डॉ. जितेंद्र कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय के चार विद्यार्थी नेग्रो नामक प्रतिष्ठित कम्पनी में चयनित हुए हैं। इनमें बी.टेक. की पूनम सांगवान व आशुतोष तिवारी तथा एमसीए की महिमा कुमारी व हर्षित बंसल के नाम शामिल हैं। इसी क्रम में सांख्यिकी विभाग प्रभारी डॉ. देवेंद्र कुमार ने बताया कि विभाग के शोधार्थी इंद्रजीत कुमार को नेकस्टजेन इंवेंट प्राइवेट लिमिटेड में जूनियर डाटा साइंटिस्ट के पद पर नियुक्ति प्राप्त हुई है तथा एक अन्य छात्र अरुण कुमार को एक्सीडेंस कंसल्टिंग में रिस्क एनालिस्ट के पद पर प्लेसमेंट मिला है। विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को प्राप्त रोजगार के अवसर के अंतर्गत कम्पनियों द्वारा 4.4 लाख रुपये से 7 लाख रुपये का पैकेज ऑफर किया गया है।

Six Students Placed in Reputed Companies

January 6, 2022

Along with quality education, employment opportunities are also being provided to the students at Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh. As a result of these efforts of the University, six students have got placements in reputed companies like Nagarro, Xceedance Consulting and NextGen Events. The Vice Chancellor of the University, Prof. Tankeshwar Kumar congratulated the selected students for this opportunity and wished them a bright future. He said that these students would surely bring laurels to the University through their talents.

The Vice Chancellor said that the University is constantly striving towards providing skill development and employment opportunities to the students through the Training and Placement Centre. As a result of these efforts of the centre, students are getting employment opportunities in reputed institutions. Director of Training and Placement Centre of the University, Prof. Vikas Garg and Deputy Director, Dr. Jitendra Kumar told that four students Poonam Sangwan and Ashutosh Tiwari from B.Tech. and Mahima Kumari and Harshit Bansal from MCA have been selected by Nagarro. Dr. Devendra Kumar, Department of Statistics said that research scholar of the department Inderjit Kumar has been appointed as Junior Data Scientist in NextGen Invent Pvt. Ltd. and another student Arun Kumar has been placed as a Risk Analyst in Xceedance Consulting. A package of Rs 4.4 lakh to Rs 7 lakh has been offered to the students of the University.

हकेवि के प्रिंटिग एवं पैकेजिंग विभाग के 16 विद्यार्थियों को मिली इंटर्नशिप

12 फरवरी, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के प्रिंटिग एवं पैकेजिंग विभाग के १६ विद्यार्थियों को प्रतिष्ठित कंपनियों में इंटर्नशिप का अवसर मिला है। इस अवसर पर कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि नई शिक्षा नीति के अंतर्गत कौशल विकास व व्यावहारिक प्रशिक्षण को विशेष महत्व दिया गया है और यह इस कड़ी में एक अनूठा प्रयास है। ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेंटर के निदेशक प्रो. विकास गर्ग ने बताया कि प्रिंटिग एवं पैकेजिंग के क्षेत्र में रोजगार की अपार सम्भावनाएँ हैं।

प्रिंटिंग एवं पैकेजिंग विभाग के शिक्षक-प्रभारी संदीप बूरा ने बताया कि इस इंटर्नशिप के माध्यम से विद्यार्थियों को कार्यक्षेत्र से जुड़े पक्षों को जानने का अवसर मिलेगा। इस संबंध में जानकारी देते हुए सहायक आचार्य अनिल कुन्डू ने बताया कि तीन विद्यार्थियों को पार्कसंस पैकेजिंग लिमिटेड, रूद्रपुर, चार विद्यार्थियों को आईटीसी प्राइवेट लिमिटेड, हरिद्वार, तीन

विद्यार्थियों को फार्च्यूनर पैकेजिंग लिमिटेड, हिमाचल प्रदेश में तथा इन्जेनियस अप्लायसेज एंड पैकेजिंग लिमिटेड, गुरुग्राम, हरियाणा गवर्नमेंट प्रेस, चंडीगढ़, मैक्स स्पेशलिटी लिमिटेड, पंजाब व मिरेकल प्रिंट पैक प्राइवेट लिमिटेड, राजस्थान में एक-एक विद्यार्थी को इंटर्नशिप का मौका मिला है।

इस अवसर पर स्कूल आफ इंजीनियरिंग एंड टैक्नोलॉजी के डीन प्रो. फूल सिंह ने विभाग के सभी प्राध्यापको और चयनित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी। प्रिंटिंग एवं पैकेजिंग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राजेश दुबे ने विभाग की इस उपलब्धि के लिए विशेष तौर पर अनिल कुन्डु, ट्रेनिंग व प्रिंटिंग एवं पैकेजिंग विभाग के प्लेसमेंट को कॉर्डिनेटर व विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेंटर के निदेशक प्रो. विकास गर्ग व उपनिदेशक डॉ. जितेंद्र कुमार का भी धन्यवाद किया तथा विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं।

Internship Offered to Sixteen Students of Printing and Packaging Department
February 12, 2022

Sixteen students of Printing and Packaging Department of Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh have got internship opportunities in reputed companies. On this occasion Vice Chancellor, Prof. Tankeshwar Kumar said that special importance has been given to skill development and practical training under the New Education Policy and this is a unique effort in this episode. Director of Training and Placement Centre, Prof. Vikas Garg said that there is immense employment potential in the field of printing and packaging.

Sandeep Bura, teacher-in-charge of Printing and Packaging Department said that through this internship, students will get an opportunity to know the aspects related to the field of work. Giving information in this regard, Assistant Professor, Anil Kundu said that three students were offered internships by Parksons Packaging Limited, Rudrapur, four students by ITC Private Limited, Haridwar, three students by Fortuner Packaging Limited, Himachal Pradesh and Ingenious Appliances & Packaging Limited, Gurugram. One student each has got internship opportunities in Haryana Government Press, Chandigarh, Max Specialty Limited, Punjab and Miracle Print Pack Private Limited, Rajasthan.

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को मिला प्लेसमेंट
9 मार्च, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के पाँच विद्यार्थियों को देश की प्रतिष्ठित कम्पनी रिलायंस रिटेल में रोजगार का अवसर प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थियों के चयन पर हर्ष जाहिर करते हुए कहा कि हर वर्ष की तरह एक बार फिर देश की शीर्ष कंपनियां हमारे विद्यार्थियों के उत्कृष्ट कौशल को देखते हुए उन्हें नौकरी की पेशकश कर रहीं हैं। इन विद्यार्थियों का चयन इस बात का परिचायक है।

कुलपति ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के मूलभूत सिद्धांतों पर आधारित बी.वॉक.-रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट का पाठ्यक्रम गुणवत्तापूर्ण व रोजगारपरक है, जो स्नातकों की रोजगार क्षमता व कौशल बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहा है। साथ में उन्होंने यह भी कहा कि हमारे विद्यार्थियों द्वारा की गई कड़ी मेहनत और विभाग के शिक्षकों द्वारा प्रदान की जाने वाली गुणवत्तापूर्ण व्यावसायिक शिक्षा का परिणाम इस प्लेसमेंट के रूप में देखने को मिल रहा है। व्यावसायिक अध्ययन और कौशल विकास विभाग के समन्वयक डॉ. पवन कुमार मौर्या ने बताया कि बी.वॉक.-रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट के कुणाल, अंकित यादव, कुलदीप, आनंद व अंकित कुमार को रोजगार के अवसर प्राप्त हुए हैं।

रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट के समन्वयक डॉ. सुयश मिश्रा ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि आने वाले वर्षों में विभाग अनेक औद्योगिक संस्थानों के साथ अपने जुड़ाव को मजबूत करना जारी रखेगा। उन्होंने बताया कि हमारे विद्यार्थियों का चयन रिलायंस के साथ-साथ फ्यूचर रिटेल, ओम लॉजिस्टिक्स, एक्सप्रेस लॉजिस्टिक्स, सनटेक एक्सप्रेस, ओजी इंडिया पैकेजिंग आदि प्रतिष्ठित संस्थानों में होता रहा है।

औद्योगिक संस्थानों के साथ अपने जुड़ाव को मजबूत करना जारी रखेगा। उन्होंने बताया कि हमारे विद्यार्थियों का चयन रिलायंस के साथ-साथ फ्यूचर रिटेल, ओम लॉजिस्टिक्स, एक्सप्रेस लॉजिस्टिक्स, सनटेक एक्सप्रेस, ओजी इंडिया पैकेजिंग आदि प्रतिष्ठित संस्थानों में होता रहा है।

Five Students of Central University of Haryana Got Placement
March 9, 2022

Five students of Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh have got job opportunities in the country's reputed company Reliance Retail. While expressing his happiness over the selection of the students, Prof. Tankeshwar Kumar, Vice Chancellor said that like every year, once again top companies of the country are offering jobs to our students while considering their excellent skills companies of the country are offering jobs to our students while considering their excellent skills. The selection of these students is a reflection of this fact. The Vice-Chancellor said that the curriculum of

B.Voc.-Retail and Logistics Management based on the fundamental principles of National Education Policy (NEP)-2020 is qualitative and employable, which is playing an important role in enhancing employability and skills of graduates. Besides, he said that the hard work put in by our students and the quality vocational education provided by the teachers of the department is showing results in the form of this placement. Dr. Pawan Kumar Maurya, Coordinator, Department of Vocational Studies and Skill Development said that Kunal, Ankit Yadav, Kuldeep, Anand and Ankit Kumar of B.Voc.-Retail and Logistics Management have got employment opportunities. While congratulating the students, Dr. Suyash Mishra, Coordinator, Retail and Logistics Management, said that the department would continue to strengthen its association with many industrial institutions in the years to come. He said that our students have been selected in reputed institutes like Reliance as well as Future Retail, Om Logistics, Express Logistics, Suntech Express, OG India Packaging etc.

हकेवि के बी.वॉक. रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट के पाँच विद्यार्थियों का हुआ प्लेसमेंट
21 मार्च, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के पांच विद्यार्थियों को देश की प्रतिष्ठित कंपनी सनटेक एक्सप्रेस लॉजिस्टिक्स में रोजगार का अवसर प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय में बी.वॉक-रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट के आशीष, जिलसन जोज़फ, मिदुन मेर्चेरी, अबिन थॉमस व जेसन जॉर्ज का प्लेसमेंट डिग्री पूर्ण करने के तुरंत बाद हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थियों के चयन पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि बी.वॉक.-रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट के माध्यम से विद्यार्थियों को कौशल विकास और रोजगार के अवसर प्रदान कर रहा है। साथ ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति-२०२० के आधार पर विद्यार्थियों को रचनात्मक, समस्या समाधान, उद्यमिता, कौशल विकास आदि महत्वपूर्ण आयामों के संदर्भों में विशेष योग्यता भी प्रदान कर रहा है।
कुलपति ने कहा कि यह प्लेसमेंट विद्यार्थियों के तीन साल के अथक परिश्रम के साथ-साथ विभाग के शिक्षकों के सही मार्गदर्शन का परिणाम है। व्यावसायिक अध्ययन और कौशल विकास विभाग के समन्वयक प्रो. पवन कुमार मौर्य ने प्लेसमेंट पाने वाले विद्यार्थियों को बधाई दी और कहा कि बी. वॉक. - रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट अपने समसामयिक पाठ्यक्रम और शिक्षकों के द्वारा दिए गए व्यावहारिक ज्ञान से विद्यार्थियों को प्रोफेशनल बनाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहा है। रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट के समन्वयक डॉ. सुयश मिश्रा ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि विभाग किताबी शिक्षा के साथ छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए समय-समय पर औद्योगिक यात्रायें, विशेषज्ञ व्याख्यानों और औद्योगिक प्रशिक्षणों का आयोजन करता है। विद्यार्थियों के चयन पर विभाग के सभी शिक्षकों ने विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

Five Students of B.Voc. Retail and Logistics Management Department got placement
March 21, 2022

Five students of Central University of Haryana (CUH), Mahengarh have got employment opportunities in the country's reputed company Suntec Express Logistics. The placements of Ashish, Jilson Joseph, Midun Merchery, Abin Thomas and Jason George of B.Voc-Retail and Logistics Management in the university took place immediately after completing their degree. University Vice Chancellor, Prof. Tankeshwar Kumar expressing happiness over the selection of the students, said that B.Voc.-Retail & Logistics Management is providing skill development and employment opportunities to the students through training and placement. Along with this, on the basis of National Education Policy 2020, it is also providing special skills to the students in terms of important dimensions like creative, problem solving, entrepreneurship, etc.
The Vice Chancellor said that these placements are the result of three years of tireless hard work of the students as well as the right guidance recieved by them by the teachers of the department.

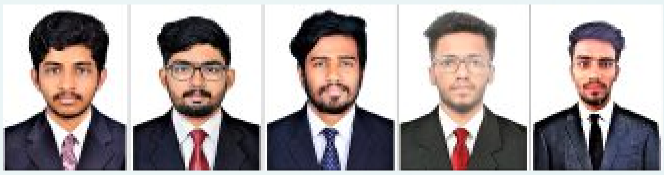

हकेवि व स्वदेशी स्वावलंबन न्यास ने समझौता ज्ञापन पर किए हस्ताक्षर
16 मार्च, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ और स्वदेशी स्वावलंबन न्यास, हरियाणा अब शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार व प्रशिक्षण के क्षेत्र में मिलकर काम करेंगे। दोनों संस्थानों ने पर्यटन व आतिथ्य के क्षेत्र में एक साथ मिलकर काम करने हेतु समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर कर साझेदारी की शुरुआत की है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के नेतृत्व में हुए इस समझौता ज्ञापन पर विश्वविद्यालय की ओर से कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा तथा स्वदेशी स्वावलम्बन न्यास, हरियाणा की ओर से प्रो. वी.पी. लुहाच ने हस्ताक्षर किए।
विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस अवसर पर कहा कि इस समझौता ज्ञापन का मूल उद्देश्य आपसी सहयोग से शोध को बढ़ावा देना और आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करना है। इस प्रयास के माध्यम से दोनों संस्थान शोध व शैक्षणिक मंच पर एकजुट होकर कार्य करेंगे और इस साझेदारी के तहत विभिन्न सम्मेलन, संगोष्ठी व कार्यशालाओं सहित अल्पकालिक शैक्षणिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ-साथ इस समझौता ज्ञापन के माध्यम से दोनों ही संस्थानों के शिक्षकों व विद्यार्थियों को आपसी सहयोग से अपनी क्षमताओं के विकास के अवसर प्रदान किए जाएंगे। प्रो. वी.पी. लुहाच ने कहा कि इस समझौता ज्ञापन के माध्यम से विशेष रूप से समाज आधारित शोध व नवाचार के प्रति विद्यार्थियों व शिक्षकों को विशेष रूप से जागरुक किया जाएगा। विश्वविद्यालय के पर्यटन एवं होटल प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. रणबीर सिंह ने कहा कि इस समझौता ज्ञापन के माध्यम से शिक्षकों, विद्यार्थियों व शोधार्थियों को दोनों ही शिक्षण संस्थानों में उपलब्ध शैक्षणिक संसाधनों के अधिकतम उपयोग का अवसर उपलब्ध होगा। उन्होंने कहा कि इस प्रयास के माध्यम से हम विशेष समूह के गठन का प्रयास करेंगे। जिसकी मदद से शोध व नवाचार के स्तर पर उल्लेखनीय परिणाम प्राप्त किए जा सकेंगे।

CUH Signs MoU with Swadeshi Swawlamban Nyas, Haryana
March 16, 2022

Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh and Swadeshi Swawlamban Nyas, Haryana will work together in the field of teaching, research and training programmes in the field of Tourism and Hospitality. Both institutions signed a Memorandum of Understanding (MoU) for mutual partnership in this regard. The MoU was signed by the Registrar, Prof. Sarika Sharma on behalf of the Central University of Haryana while Prof. V.P. Luhach, signed on behalf of Swadeshi Swawlamban Nyas (SSN), Haryana.

Prof. Tankeshwar Kumar, Vice Chancellor, CUH said that the objective of this MoU is to promote mutual understanding, collaboration and research to explore the ways and means to achieve self-reliance in India. He said that both the organisation would come together and work on one front for cooperation on the research and academic front. Under this, both of the organisations will jointly organise seminars, conferences, workshops, and short-term continuing education programmes on mutual interest topics with the participation of faculty from both sides in the field of tourism for economic development. Prof V.P. Luhach (SSN) said that this MoU will create awareness and research aptitude among students in particular and society in general.

Dr. Ranbir Singh, Head of Department, Tourism and Hotel Management said that this MoU is a collaborative platform that connects the faculties, students and researchers across different disciplines. Both institutions can develop specialised groups for academic and research, leading to cutting edge innovation and research with fruitful transactional outcomes.

हकेवि ने सीएसआईआर-एनजीआरआई, हैदराबाद के साथ समझौता ज्ञापन पर किया हस्ताक्षर
24 फरवरी, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ परिसर में सीएसआईआर-राष्ट्रीय भूभौतिकीय अनुसंधान संस्थान (एनजीआरआई), हैदराबाद के सहयोग से भूगर्भ निगरानी प्रणाली स्थापित की जाएगी। इस प्रणाली की मदद से भूकंप निगरानी सहित भूगर्भ से संबंधित विभिन्न परिवर्तनों पर केंद्रित शोध व अनुसंधान को बल मिलेगा। दोनों संस्थानों ने इस संबंध में आपसी साझेदारी के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) किया है। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की ओर से कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा तथा सीएसआईआर (एनजीआरआई), हैदराबाद की ओर से मुख्य

वैज्ञानिक डॉ. वी.के. गहलौत, ने विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की उपस्थिति में इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।
विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस अवसर पर कहा कि इस समझौता ज्ञापन के माध्यम से विश्वविद्यालय व इसके आसपास के क्षेत्र में भूगर्भ में होने वाली विभिन्न गतिविधियों की निगरानी और उसके आंकड़ों का संग्रहण कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस प्रयास से शोध व अनुसंधान को लेकर भूगर्भीय आंकड़ों की उपलब्धता विद्यार्थियों, शिक्षकों व शोधार्थियों के लिए उपयोगी साबित होगी। इस समझौता ज्ञापन के अंतर्गत निगरानी प्रणाली हेतु आवश्यक उपकरण और वित्तीय अनुदान सीएसआईआर- (एनजीआरआई), हैदराबाद द्वारा वहन किया जाएगा। साथ ही साथ दोनों ही संस्थान मिलकर विद्यार्थियों व शोधार्थियों के लिए संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रमों व कार्यशालाओं का भी आयोजन करेंगे।
विश्वविद्यालय में भूगोल विभाग के सहायक आचार्य डॉ. मनीष कुमार ने कहा कि अवश्य ही यह प्रयास विद्यार्थियों व शोधार्थियों के लिए लाभकारी साबित होगा। उन्होंने कहा कि सीएसआईआर-एनजीआरआई के साथ हुए इस समझौते का लाभ वैज्ञानिक सहयोग के रूप में प्राप्त होगा। इस मौके पर विश्वविद्यालय की कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा, सिविल इंजीनियरिंग विभाग के सहायक आचार्य डॉ. रणबीर सिंह भी उपस्थित रहे।

CUH Signs MoU with CSIR-NGRI, Hyderabad
February 24, 2022

Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh and CSIR-National Geophysical Research Institute (NGRI), Hyderabad will work together to consolidate the strengths of their organisations, by way of setting up a permanent GPS observatory at CUH, Mahendergarh. Both institutions signed a Memorandum of Understanding (MoU) for mutual partnership in this regard. The MoU was signed by the Registrar, Prof. Sarika Sharma on behalf of Central University of Haryana while Dr. V.K. Gahalaut, Chief Scientist signed on behalf of CSIR-(NGRI), Hyderabad.
Prof. Tankeshwar Kumar, Vice Chancellor, CUH said that the objective of this MoU is to provide coordination of collaborative research, monitoring and data exchange in the earthquake monitoring and crustal deformation and land movements in and around Mahendergarh region. Under this collaboration, a GPS observatory shall be set up at CUH Campus for monitoring geodetic data and necessary equipment and financial grant shall be borne by the CSIR-NGRI. Several joint training programmes and workshops shall be conducted in the benefit of the students and the researchers.
Dr. Manish Kumar, Coordinator, Department of Geography, CUH said that the MoU shall encourage faculty members, Masters and Ph.D. students of the University to take up projects and thesis in collaboration with the scientists from the CSRI-NGRI.

Prof. Sarika Sharma, Registrar, CUH, Dr. Ranbir Singh, Co-Coordinator, Department of Civil Engineering, CUH were also present on the occasion of this partnership, which took place in the office of Hon'ble Vice-Chancellor, Central University of Haryana.

हकेवि में पीएच.डी. दाखिले हेतु ऑनलाइन व ऑफलाइन साक्षात्कार का विकल्प

5 जनवरी, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के विभिन्न विभागों में उपलब्ध पीएच.डी. पाठ्यक्रमों की दाखिला प्रक्रिया के अंतर्गत आगामी ११ जनवरी को साक्षात्कार आयोजित किए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन ने कोरोना महामारी के प्रभाव को देखते हुए एहतियातन साक्षात्कार की प्रक्रिया के अंतर्गत आवेदकों को ऑफलाइन के साथ-साथ ऑनलाइन सम्मिलित होने का भी विकल्प उपलब्ध कराया है। विश्वविद्यालय की कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा की ओर से जारी निर्देशों के तहत विश्वविद्यालय के विभिन्न विभाागों में पीएच.डी. पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आयोजित होने वाली साक्षात्कार की प्रक्रिया अब ऑनलाइन व ऑफलाइन दोनों ही माध्यमों से होगी। प्रो. सारिका शर्मा के अनुसार साक्षात्कार संबंधी अन्य जानकारी हेतु योग्य आवेदक संबंधित विभागाध्यक्ष व शिक्षक प्रभारी से संपर्क कर सकते हैं

CUH Offers Online and Offline Interview Option for Ph.D. Admissions

January 5, 2022

Interviews for Ph.D courses in Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh were conducted on January 11, 2022. As a precautionary measure, in view of the impact of the Corona pandemic, the University administration provided the option of appearing through offline as well as online mode to the applicants as part of the process of interview. Instructions issued by the Registrar of the University, Prof. Sarika Sharma, gave the confirmation that the process of interview for admission into the Ph.D. courses in various departments of the University will now be through both online and offline mode. According to Prof. Sarika Sharma, eligible applicants can contact the concerned Head of Department and Teacher in-Charge for other information related to the interview.

हकेवि में रिसर्च एंड पब्लिकेशन एथिक्स पाठ्यक्रम की हुई शुरुआत

21 जनवरी, 2022

शोध के क्षेत्र में रिसर्च एवं पब्लिकेशन एथिक्स के महत्त्व को देखते हुए हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ द्वारा रिसर्च एंड पब्लिकेशन एथिक्स पाठ्यक्रम की शुक्रवार को शुरुआत हो गई। विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय की ओर से दो क्रेडिट का यह पाठ्यक्रम सभी शोधार्थियों के लिए आवश्यक है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने उल्लेखनीय शोध कार्य और उसमें प्रमाणिकता के समावेश हेतु इस पाठ्यक्रम को महत्त्वपूर्ण बताया और कहा कि अवश्य ही इसके माध्यम से शोधार्थी लाभांवित होंगे।

विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष सीएच ने बताया कि केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा संचालित इस पाठ्यक्रम के माध्यम से शोधार्थियों को शोध के लिए आवश्यक मानकों, माध्यमों और उनकी उपलब्धता के विषय में जानकारी दी जाती है। उन्होंने बताया कि इस पाठ्यक्रम में शोधार्थी नई तकनीक की मदद से शोध सामग्री को प्राप्त करने और प्लेजरिजम आदि की जांच का भी प्रशिक्षण पाते हैं। विश्वविद्यालय में इस पाठ्यक्रम के सह-संचालक डॉ. विनोद कुमार सिंह, नरेश कुमार व डॉ. विनिता मलिक हैं और विश्वविद्यालय पुस्तकालय के सहयोगी सुशील कुमार गुप्ता के साथ मिलकर शुक्रवार व शनिवार को इस पाठ्यक्रम का संचालन किया जा रहा है।

Course on 'Research and Publication Ethics'

January 21, 2022

Research and Publication Ethics Course began from Friday, 21 January 2022 at Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh. The two-credit mandatory course is being offered to all the research scholars enrolled in 2021-22 by various departments of the University. The Vice Chancellor of the University, Prof. Tankeshwar Kumar has encouraged conducting such courses for the research scholars to develop a sense of publication ethics in them while doing their research.

The course is meant to enhance the research and publication ethics related skills and make researchers ready for doing good research. The coordinator of the course Dr. Santosh C.H., University Librarian said that this course is unique in preparing researchers in existing publication and ethics guidelines along with tools and technologies related to plagiarism check. Co-Coordinators, Dr. Vinod Kumar Singh, Assistant Librarian, Mr. Naresh Kumar, Assistant Librarian, Dr. Vinita Malik, Information Scientist along with assistance by Mr. Sushil Kumar Gupta from Central Library, CUH will be conducting this course with full dedication on Fridays and Saturdays at the scheduled time.

हकेवि में बाजरे से बने खाद्य उत्पादों पर केंद्रित कार्यशाला का हुआ शुभारम्भ
3 जनवरी, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ में सोमवार से ग्रामीण क्षेत्र में खाद्य उत्पादों के विकास में जुटीं महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण उत्पादों के निर्माण व उनके प्रचार-प्रसार हेतु आवश्यक बिजनेस मॉडल विकसित करने के उद्देश्य से पाँच दिवसीय कार्यशाला की शुरुआत हुई। फीड द ग्रोइंग इंडिया विद द गुडनेस ऑफ बाजरा प्रोडेक्ट्स पर केंद्रित इस कार्यशाला का शुभारम्भ करते हुए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि भारत में उपलब्ध खाद्यान्न उत्पाद पोषण से भरपूर हैं और उनके उचित प्रचार-प्रसार के माध्यम से उन्हें एक ब्रांड के रूप में विकसित किया जा सकता है। कुलपति ने कहा कि विज्ञान भारती हरियाणा व विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के साइंस फोर इक्विटी, एम्पावरमेंट एंड डेवलपमेंट (सीड) के साझा प्रयासों से आयोजित इस कार्यशाला के माध्यम से अवश्य ही ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत महिलाओं को इस दिशा में उल्लेखनीय प्रगति के अवसर प्राप्त होंगे।
विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में विशेष रूप से पोषण से भरपूर परम्परागत भारतीय उत्पादों का उल्लेख किया और कहा कि बाजरा ऐसा ही एक उत्पाद है, जिससे बने खाद्य पदार्थो की यदि उचित मार्केटिंग की जाए तो यह विश्व स्तर पर पहचान बनाने का दम रखता है। कुलपति ने इस कार्यशाला में सम्मिलित ग्रामीण महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि इस आयोजन के माध्यम से उनके उत्पादों को बेहतर बनाने और उनके लिए एक बिजनेस मॉडल विकसित करने की दिशा में प्रयास किया जाएगा। कार्यक्रम में उपस्थित विज्ञान भारती हरियाणा की उपाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने भारतीय खाद्यान्नों की उपयोगिता का उल्लेख करते हुए कहा कि बाजरा सदैव से ही पोषक खाद्यान्न रहा है व इसके बने उत्पादों की यदि उचित मार्केटिंग की जाए तो इन्हें विश्व स्तर पर पहचान दिलाई जा सकती है। कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित कृषि विज्ञान केंद्र हिसार के डॉ. रमेश कुमार ने मानव आहार में बाजरे की उपयोगिता विषय पर विस्तार से प्रकाश डाला और बताया कि किस तरह से इसका उपयोग कर शरीर के लिए आवश्यक पोषक तत्वों को प्राप्त कर सकते हैं।
कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. सविता बुधवार ने बताया कि बाजरे से बने पारम्परिक व मूल्यवर्धित व्यंजनों के प्रचार-प्रसार से ग्रामीण महिलाएं व कृषक लाभान्वित होंगे। कार्यक्रम के सह-संयोजक प्रो. सुनील कुमार ने बाजरे से निर्मित मूल्यवर्धित उत्पादों की समयावधि बढ़ाने की तकनीक पर प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय की शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने बाजरे का चिकित्सीय आहार के रूप में वर्णन किया। कार्यक्रम की आयोजन समिति के सदस्य प्रो. सुनील कुमार, डॉ. सविता बुधवार, कृषि विज्ञान केंद्र महेंद्रगढ़ की डॉ. पूनम यादव, विश्वविद्यालय की शोधार्थी मेघा जाखड व मनाली चक्रवर्ती ने बताया कि पाँच दिवसीय इस कार्यशाला में बाजरा उत्पादों के निर्माण की प्रक्रिया, गुणवत्ता में बढ़ोतरी हेतु तकनीक, स्वस्थापित सेवा समूहों की कार्यप्रणाली और बाजरे से बनने वाले उत्पादों पर केंद्रित विभिन्न सत्रों का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र के अवसर पर विश्वविद्यालय की शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान, सहायक आचार्य डॉ. सुनीता तंवर सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

Workshop on Food Products Made from Millet
January 3, 2022

A five-day workshop was organized in Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh with the aim of developing necessary business models for the development and promotion of quality products for women engaged in the development of food products in rural areas. While Inaugurating this workshop focused on "Feed the Growing India with the Goodness of Bajra products", Vice Chancellor, Prof. Tankeshwar Kumar said that the food grains available in India are rich in nutrition and through their proper promotion, they can be developed as a brand. The Vice Chancellor said that through this workshop organised with the joint efforts of Vigyan Bharti Haryana and Science for Equity, Empowerment and Development (SEED) of the Ministry of Science and Technology, women working in rural areas would definitely get opportunities for remarkable progress in this direction.
University Vice Chancellor Prof. Tankeshwar Kumar in his address specifically mentioned the nutritional rich traditional Indian products and said that Bajra is one such cereal whose food products, if properly marketed, have the potential to make a global recognition. While addressing the rural women involved in this workshop, the Vice Chancellor said that through this event, efforts will be made to improve their products and develop a business model for them. Vice President of Vigyan Bharti Haryana, present in the programme, highlighted the usefulness of Indian food grains. In her address, Sunita Shrivastava said that millet has been a nutritious food grain since time immemorial and if proper marketing of its products is done, then they can be recognized globally. Dr. Ramesh Kumar of Krishi Vigyan Kendra, Hisar, present as an expert speaker in the programme, threw light on the usefulness of millet in human diet in detail and told how it can be used to get the necessary nutrients for the body.

Programme coordinator, Dr. Savita said that rural women and farmers would be benefitted by the promotion of traditional and value-added delicacies made from millet. Programme co-convener, Prof. Sunil Kumar highlighted the role of technology in extending the shelf life of value added products manufactured from Bajra. Research Dean of the University, Prof. Neelam Sangwan described millet as a therapeutic food. Members of the organising committee of the programme, Prof. Sunil Kumar, Dr. Savita, Dr. Poonam Yadav of Krishi Vigyan Kendra, Mahendragarh, University researchers, Megha Jakhar and Manali Chakraborty told that in this five-day workshop, the focus will be on the process of manufacturing millet products, techniques for increasing the quality, self-established service groups and various sessions will be organised by giving emphasis on the working of Bajra and the products made from Bajra. On the occasion of the inaugural session of the programme, Research Dean of the University, Prof. Teachers and students of various departments including Neelam Sangwan, Assistant Professor Dr. Sunita Tanwar were present.

हकेवि में बाजरे से बने खाद्य उत्पादों पर आयोजित कार्यशाला का हुआ समापन

7 जनवरी, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ में ग्रामीण क्षेत्र में खाद्य उत्पादों के विकास में जुटीं महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण उत्पादों के निर्माण व उनके प्रचार-प्रसार हेतु आवश्यक बिजनेस मॉडल विकसित करने के उद्देश्य से आयोजित पाँच दिवसीय कार्यशाला का समापन हुआ। फीड द ग्रोइंग इंडिया विद द गुडनेस ऑफ बाजरा प्रोडेक्ट्स पर केंद्रित इस कार्यशाला के समापन सत्र को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस कार्यशाला के समापन के साथ एक नई शुरुआत हुई है और मुझे आशा है कि यहां अर्जित प्रशिक्षण का लाभ प्रतिभागी अपने-अपने कार्यक्षेत्र में उठायेंगे।

कुलपति ने समापन सत्र को संबोधित करते हुए कहा विज्ञान भारती हरियाणा व विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के साइंस फोर इक्विटी, एम्पावरमेंट एंड डेवलपमेंट (सीड) के साझा प्रयासों से आयोजित इस कार्यशाला के माध्यम से अवश्य ही ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत महिलाएं लाभांवित होंगी। कार्यक्रम में उपस्थित विज्ञान भारती हरियाणा की उपाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने भारतीय खाद्यान्नों की उपयोगिता का उल्लेख करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजनों के माध्यम से पोषक खाद्यान्नों के प्रचार-प्रसार में मदद मिलेगी। कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. सविता बुधवार ने बताया कि सीड के सहयोग से आयोजित पाँच दिवसीय इस कार्यशाला के अंतर्गत करीब तीस महिला प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया और समापन सत्र में उन्हें प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए। कार्यक्रम

के अंत में कार्यक्रम के सह-संयोजक प्रो. सुनील कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के समापन सत्र में विश्वविद्यालय शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार व शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान भी उपस्थित रहीं।

Workshop on Food Products made from Millet Concludes

January 7, 2022

A five-day workshop was organised at Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh with the objective of developing necessary business models for the development and promotion of quality products for women engaged in the development of food products in rural areas. Addressing the concluding session of this workshop focused on Feed the Growing India with the Goodness of Bajra products, Vice Chancellor Prof. Tankeshwar Kumar said that a new beginning has come with the conclusion of this workshop and I hope that the participants will take advantage of the training acquired here in their respective fields.

While addressing the concluding session, the Vice Chancellor said that women working in rural areas will definitely be benefitted through this workshop organised by the joint efforts of Vigyan Bharti Haryana and Science for Equity, Empowerment and Development (SEED) of Ministry of Science and Technology. Vice President of Vigyan Bharti Haryana, present in the programme, addressed by

referring to the utility of Indian food grains, Sunita Srivastava said that by organising such events, it would help in the promotion of nutritious food grains. Programme coordinator, Dr. Savita said that under this five-day workshop organised in collaboration with SEED, about thirty women participants were trained and certificates were also given to them in the concluding session. At the end of the programme, the co-convenor of the programme Prof. Sunil Kumar presented a vote of thanks. In the concluding session of the programme, University Academic Dean Prof. Dinesh Kumar and Research Dean Prof. Neelam Sangwan were also present.

हकेवि में नेशनल एनवायरमेंट यूथ पार्लियामेंट २०२२ का आयोजन
18 जनवरी, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ में आज नेशनल एनवायरमेंट यूथ पार्लियामेंट 2022 का आयोजन ऑनलाइन होने जा रहा है। विश्वविद्यालय के ग्रीन कैम्पस क्लीन कैम्पस क्लब एवं उन्नत भारत अभियान द्वारा पर्यावरण संरक्षण गतिविधि के सहयोग से यह आयोजन किया जा रहा है। पर्यावरण संरक्षण के अनुकूल व्यक्तियों व परिवारों की भूमिका आधारित उपाय विषय पर केंद्रित इस आयोजन के संदर्भ में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि ऐसे आयोजनों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण व सतत व्यावसायिक विकास की दिशा में उल्लेखनीय परिणाम प्राप्त कर पाना संभव होगा। उन्होंने युवाओं का विशेष रूप से उल्लेख करते हुए कहा कि इनके माध्यम से आने वाली पीढ़ी के लिए पर्यावरण संरक्षण के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।
आयोजन के संयोजक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि इस विषय में हमें अनेक दैनिक प्रयासों के अंतर्गत विशेष रूप से जागरूक रहने की जरूरत है वरना पर्यावरण को भारी हानि होगी। प्रो. सुरेंद्र सिंह ने कहा कि इस आयोजन के माध्यम से प्रतिभागियों को अपने विचार रखने और पर्यावरण संरक्षण के मोर्चे पर आवश्यक समस्या का समाधान खोजने में मदद मिलेगी। विश्वविद्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम का संचालन प्रो. प्रमोद कुमार, डॉ. ऊषा नागराजन, डॉ. अनिता कुमारी व डॉ. अनूप कर रहे हैं। यह कार्यक्रम तीन स्तरों में आयोजित किया जाएगा। स्तर एक में विश्वविद्यालय स्तर की ऑनलाइन वाद-विवाद प्रतियोगिता शामिल है, जिसमें छात्र अपने विचार प्रस्तुत करेंगे और सर्वश्रेष्ठ 5-8 विद्यार्थी सेमीफाइनल में जाएंगे। जिसका आयोजन क्षेत्रीय स्तर पर गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ द्वारा आगामी 23 जनवरी, 2022 को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के अवसर पर किया जाएगा। इसी क्रम में फाइनल प्रतियोगिता व पुरस्कार वितरण समारोह 27 फरवरी, 2022 को संसद भवन में राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित किया जाएगा।

National Environment Youth Parliament 2022
January 18, 2022

The Central University of Haryana, Mahendergarh is organising National Environment Youth Parliament 2022- "Nurturing Environment Leaders" is being jointly organised by Green Campus Clean Campus Club & Unnat Bharat Abhiyan, Central University of Haryana in collaboration with Paryavaran Sanrakshan Gatividhi (PSG) on the theme- "Role of Individuals / Households in adopting Environmental Friendly Conservation Measures" dated 19th Jan, 2022. More than 200 students have registered for the event and they will present their views on the theme. Prof. Tanekeshwar, Honourable Vice-Chancellor emphasised the need of sustainable economic growth for environment conservation. He urges youths of the country to play a proactive role in protection of the environment for future generations. The Programme Convener Prof. Surender Singh said the conservation of our environment should be our top priority as it comes in many forms and reminds us to be mindful of daily choices. The main aim of conducting this event is to sensitise the youth about prevailing environmental problems which are causing a serious threat to human beings. Through this platform, the young students would get a chance to give their opinion on environmental issues and to contribute towards finding meaningful solutions. Prof. Parmod Kumar, Dr. Usha Nagarajan, Dr. Anita Kumari and Dr. Anoop are coordinating the event. This programme will be organised into three levels. Level -I include a university-level online debate competition wherein, students will present their views and the best 5-8 students will move to the semi-final which will be organised at the Regional/Zonal level by Guru Ghasidas Vishwavidyalaya, Bilaspur (CG) on 23rd January 2022 to celebrate the birth anniversary of Netaji Subhash Chandra Bose Ji and the final will be held at the National level at Parliament House on 27th February 2022 followed by Award Ceremony.

विश्वविद्यालय के विभिन्न क्लबों, प्रकोष्ठों एवं अनुभागों का कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के समक्ष विभागीय प्रस्तुतीकरण
24 जनवरी, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) के प्रयासों से सोमवार को विश्वविद्यालय के विभिन्न क्लबों, प्रकोष्ठों एवं अनुभागों ने कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के समक्ष

विभागीय प्रस्तुतीकरण दिया। विश्वविद्यालय कुलपति ने इस अवसर पर कहा कि इस तरह का प्रस्तुतीकरण राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) व राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) के लिए महत्त्वपूर्ण होता है। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता में सुधार के लिए स्वमूल्यांकन की यह प्रक्रिया आवश्यक है और अवश्य ही इससे प्रतिभागी लाभांवित होंगे।

विश्वविद्यालय कुलपति ने कहा कि किसी भी संस्थान की प्रगति केवल तभी संभव है, जब उसके सभी सहभागी मिलकर प्रयास करें और ऐसे प्रस्तुतीकरण के माध्यम से एक-दूसरे अनुभागों की कार्यप्रणाली व भविष्य की योजनाओं से अवगत होने का अवसर हमें प्राप्त होता है। विश्वविद्यालय की कुलसचिव एवं आईक्यूएसी की निदेशक प्रो. सारिका शर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय की शैक्षणिक शाखा, छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय, स्थापना शाखा, आरटीआई सेल सहित लगभग 60 क्लबों, प्रकोष्ठों एव अनुभागों ने अपने प्रस्तुतीकरण प्रस्तुत किए। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया के माध्यम से हमें भविष्य के लिए आवश्यक तैयारी हेतु योजना बनाने में मदद मिलेगी।

Presentation Session for Various Clubs, Cells and Sections of the University

January 24, 2022

Internal Quality Assurance Cell (IQAC) of Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh, organised a presentation session for various clubs, cells and sections of the University. On this occasion, the Vice Chancellor of the University Prof. Tankeshwar Kumar said that these kinds of presentations are very important for the National Institutional Ranking Framework (NIRF) and the National Assessment and Accreditation Council (NAAC). He said that this process of self-assessment is necessary to improve the quality and surely the participants will benefit from it.

The Vice Chancellor of the University said that the progress of any institution is possible only when all its participants make efforts together and through such presentations, we get an opportunity to be aware of the working of each other's sections and future plans. The Registrar of the University and IQAC Director Prof. Sarika Sharma informed that around 60 clubs, cells and sections including Academic Branch, Office of Dean Student Welfare, Establishment Branch and RTI Cell also gave their presentations. The Vice Chancellor also said that through these presentation sessions, we will be able to plan better in the future.

हकेवि में मौलिक सम्पदा अधिकार पर केंद्रित कार्यशाला आयोजित

8 फरवरी, 2022

किसी भी देश के विकास के लिए नवाचार का महत्त्व सदैव ही अहम रहा है। नवाचार निरंतर जारी रहने वाली ऐसी प्रक्रिया है जोकि एक-दूसरे से जुड़ी रहती है इसलिए आवश्यक है कि इस दिशा में विशेषज्ञ निरंतर प्रयासरत रहें। जहां तक बात शिक्षण संस्थानों की है तो यह हमेशा से ही नवाचार का केंद्र रही हैं। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सेंटर फॉर इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन (सीआईआई) द्वारा मंगलवार को आयोजित ऑनलाइन कार्यशाला को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। इस अवसर पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में राजीव गाँधी नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंटलेक्चुअल प्रोपर्टी मैनेजमेंट के डॉ. भरत एन सूर्यवंशी उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन व राजीव गाँधी नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंटलेक्चुअल प्रोपर्टी मैनेजमेंट, नागपुर के सहयोग से राष्ट्रीय मौलिक सम्पदा जागरूकता अभियान के अंतर्गत आयोजित कार्यशाला का विषय इंटलेक्चुअल प्रोपर्टी राइट्स (आईपीआर), पेटेंट एंड डिजाइन प्रोसेस रहा। इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय कुलपति ने नवाचार को एक निरंतर जारी रहने वाली प्रक्रिया बताया और कम्यूनिकेशन के क्षेत्र में लगातार जारी नई-नई खोजों का उल्लेख करते हुए इसके महत्त्व से प्रतिभागियों को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि हर खोज एक लक्षित उद्देश्य को प्राप्त करने में मददगार होती है और इसमें विशेष प्रयास लगते हैं। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय व शिक्षण संस्थान मुख्य रूप से शोध व अनुसंधान का ही केंद्र है और यहां कार्यरत शिक्षक न सिर्फ अनुसंधान कार्य को अंजाम देते हैं बल्कि विद्यार्थियों को भी इस दिशा में बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं। कुलपति ने इस मौके पर सीआईआई के प्रयासों पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही इसके माध्यम से विद्यार्थियों को अपने आइडिया के विकास में मदद मिलेगी।

इससे पूर्व सीआईआई की समन्वयक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने सेंटर के द्वारा जारी विभिन्न प्रयासों की जानकारी दी और बताया कि सेंटर किस तरह से विश्वविद्यालय स्तर पर नवाचार व नवोन्मेषन को बढ़ावा देने के लिए प्रयासरत है। कार्यक्रम के विशेषज्ञ वक्ता असिसटेंट कंट्रोलर ऑफ पेटेंट्स एंड डिजाइन डॉ. भरत एन सूर्यवंशी ने अपने संबोधन में विस्तार से पेटेंट संबंधी विभिन्न प्रक्रियाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पेटेंट कितने प्रकार के होते हैं और उनकी समयावधि व विस्तार की प्रक्रिया क्या होती है। डॉ. सूर्यवंशी ने अपने संबोधन में पेटेंट के महत्त्व और उससे जुड़े विभिन्न तकनीकी पक्षों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। कार्यक्रम के आरंभ में विश्वविद्यालय कुलपति का परिचय डॉ. सूरज आर्य ने तथा विशेषज्ञ वक्ता का परिचय प्रो. पवन मौर्य ने प्रतिभागियों से कराया। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अनूप यादव ने दिया। कार्यक्रम के आयोजन में श्री सुनील अग्रवाल ने महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा की। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी एवं शोधार्थी ऑनलाइन माध्यम से उपस्थित रहे।

Online Workshop on Intellectual Property Rights Organised at CUH
February 8, 2022

The importance of innovation has always been essential for the development of any country. Innovation is a continuous process and is interrelated to the development. So, it is necessary that experts should make continuous efforts in this direction. As far as educational institutions are concerned, they have always been the centre of innovation. This view was expressed by the Vice Chancellor of Central University of Haryana (CUH) Mahendergarh, Prof. Tankeshwar Kumar while addressing the online workshop organised by the Centre for Innovation and Incubation (CII) on Tuesday. On this occasion, Dr. Bharat N Suryavanshi of Rajiv Gandhi National Institute of Intellectual Property Management was present as a resource person.

On the theme of “Intellectual Property Rights (IPR): Patent and Designs Process” workshop was organised under the National Intellectual Property Awareness Mission in collaboration with the University's Centre for Innovation and Incubation and Rajiv Gandhi National Institute of Intellectual Property Management, Nagpur. The Vice Chancellor of the University described innovation as a continuous process and made the participants aware of its importance by mentioning the continuous innovations in the field of communication. He said that every discovery is helpful in achieving a targeted objective and it takes special effort. The Vice Chancellor said that universities and educational institutions are mainly centres for research and innovation and the teachers working here not only carry out research work but also motivate the students to move in this direction. On this occasion, the Vice Chancellor expressed satisfaction over the efforts of CII and said that through this, students will definitely get insights regarding how to develop their ideas.

Earlier, CII coordinator Prof. Sunita Srivastava informed regarding the various efforts being made by the centre and how the centre is trying to promote innovation at the University level. The programme's expert speaker, Assistant Controller of Patents and Design Dr. Bharat N Suryavanshi, in his address, gave detailed information about various patent related processes. He told how many types of patents there are and what their time period and extension process is. Dr. Suryavanshi in his address apprised the participants about the importance of patent and various technical aspects related to it. At the beginning of the programme, Dr. Suraj Arya introduced the Vice Chancellor of the Manah Prabodh about various mental health related aspects like global perspective and economic budget, policy provisions related to mental health in India, need for changing mindsets, and initiatives at society level. She encouraged participants to contribute towards creating a ripple effect at the grassroot level.

Ms. Dipti Panhalkar, Founder Mind Spa shared tips regarding practising positive mental health. She added that 'understanding one's thinking pattern by oneself' is very important in order to develop a positive mental health.

Dr. Muckta Karmarkar, Vice Principal Kaveri College highlighted the importance of building mental strength for a better mental health. The closing remark was shared by Dr. Sunita Tanwar, Faculty, Central University of Haryana. She mentioned that the pandemic had both problems like stress, depression etc. as well as many learnings like now people are open to talk on such important topics. She added that discussion on mental health is no more a taboo. She appreciated the efforts taken by the organisers.

The conference witnessed around 1000 participants across India from all walks of life, viz., homemakers, students, teachers, professionals working in the area of mental health, other working and non-working professionals.

The conference was assisted by Advisory Partners - MGSS, District Disability Rehab Centre, Pune and by Academic Partners - MIT Arts, Commerce and Science College, VIT College of Arts, Science and Commerce, DhayryaDa and ManahPrabodh. The conference was supported by Mr. Ameya Agrawal, Founder, SkillSlate Foundation, Pune who introduced all the dignitaries to the audience. He provided a platform for deliberation on the topic. The conference was coordinated by Ms. Suchismita Mohanty, BA Coordinator, Kaveri College, Pune and Ms. Aishwarya Kale, Faculty in Psychology, Kaveri College, Pune

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की विवरण पुस्तिका का हुआ विमोचन
22 फरवरी, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के भूगोल विभाग द्वारा अंतरराष्ट्रीय भौगोलिक संघ (आईजीयू) के सहयोग से आगामी 24-25 नवंबर, 2022 को आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की विवरण

पुस्तिका का विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विमोचन किया। आईजीयू के पदाधिकारियों की उपस्थिति में आयोजित इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति ने इसके सफल आयोजन के लिए प्रेरित किया।
संपोषणीय, पृथ्वी के भविष्य और मानविकीः अवसर और चुनौतियां विषय पर केंद्रित इस सम्मेलन की विवरण पुस्तिका के विमोचन के अवसर पर आईजीयू के सहायक महासचिव डॉ. पंकज कुमार भी उपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि अंतरराष्ट्रीय भौगोलिक संघ एक अंतरराष्ट्रीय, गैर-सरकारी, पेशेवर संगठन है जो भूगोल विषय के विकास के लिए समर्पित है। भूगोल विभाग के सहायक आचार्य डॉ. मनीष कुमार ने बताया कि इस आयोजन के माध्यम से न सिर्फ भूगोल विषय का विकास होगा बल्कि विषय स्तर पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की उपलब्धियों से भी अवगत होने का अवसर प्रतिभागियों को उपलब्ध होगा। इस अवसर पर डॉ. सूरजमल, डॉ. नरेश कुमार, डॉ. संदीप राणा सहित विश्वविद्यालय में सहआचार्य डॉ. मनोज कुमार, डॉ. राजीव कुमार सिंह भी उपस्थित रहे।

International Conference Brochure Released
February 22, 2022

In collaboration with International Geographical Union (IGU) by the Geography Department of Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh, the prospectus of the International Conference to be held on November 24-25, 2022 was released by the Vice Chancellor of the University, Prof. Tankeshwar Kumar. While addressing this programme organised in the presence of IGU officials, the Vice Chancellor motivated for its successful organisation.
Dr. Pankaj Kumar, Assistant General Secretary, IGU, was also present on the occasion of the release of the brochure of this conference focused on the topic Sustainable, Earth's Future and Humanities: Opportunities and Challenges. The International Geographical Union is an international, non-governmental, professional organisation dedicated to the development of the subject of geography. Assistant Professor of Geography Department, Dr. Manish Kumar said that not only will the subject of Geography be developed through this event, but the participants will also get an opportunity to be aware of the achievements of Central University and Prof. Pawan Maurya introduced the Guest Speaker to the participants. At the end of the programme, a vote of thanks was given by Dr. Anoop Yadav. In the programme, the Deans of various Schools of the University, Head of the Departments, teachers, students and researchers were present through online mode.

हकेवि में सेंसर आधारित स्वास्थ्य देखभाल उपकरणः डिजाइन और वाणिज्यिक प्रभाव विषय पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का हुआ आयोजन
12 फरवरी, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के जैव रसायन विभाग द्वारा ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। सेंसर आधारित स्वास्थ्य देखभाल उपकरणः डिजाइन और वाणिज्यिक प्रभाव विषय पर आयोजित संगोष्ठी में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) , बीएचयू, वाराणसी के डॉ. प्रांजल चंद्र विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। डॉ. प्रांजल चंद्रा नैनो बायोसाइंसेज के क्षेत्र में एक प्रसिद्ध वैज्ञानिक हैं, उन्होंने बायोमेडिकल उपकरणों पर स्वास्थ्य देखभाल उद्योग की निर्भरता और व्यक्तिगत निदान के महत्व पर जोर दिया। डॉ. प्रांजल और आईआईटी, बीएचयू की टीम ने नैनो बायोसेंसर का उपयोग करके रोगों का पता लगाने के लिए अणुओं का विश्लेषण करने के लिए नए उपकरण विकसित किए हैं और कुछ पेटेंट प्राप्त करने के लिए अनुमोदन के अधीन हैं। संगोष्ठी में अध्ययन में शामिल विधियों जैसे सेंसर फैब्रिकेशन, मेटालिक 3डी डेंड्राइटिक स्ट्रक्चर, और डायग्नोस्टिक्स में उनके उपयोग के लिए नैनो बायोसेंसर के विकास पर ध्यान केंद्रित किया गया। संगोष्ठी का आयोजन हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के संरक्षण में किया गया। संगोष्ठी के संयोजक जैव रसायन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. पवन कुमार मौर्य रहे जबकि आयोजन समिति डॉ. अंतरेश कुमार, डॉ. उषा नागराजन, डॉ. सौरभ सक्सेना, डॉ. मारुति मुलका ने सक्रिय भूमिका निभाई। विश्वविद्यालय की शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान, शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार सहित विभिन्न संस्थानों के वैज्ञानिक, संकाय सदस्य, विद्यार्थी एवं शोधार्थी संगोष्ठी में शामिल हुए हैं।

International Seminar on Sensor Based Health Care Devices: Design and Commercial Impact
February 12, 2022

An online international seminar was organised by the Department of Biochemistry, Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh. The topic of the seminar was "Sensor based health care devices: Design and Commercial impact", the lecture was delivered by Dr. Pranjal Chandra from the Indian Institute of Technology- BHU, Varanasi. Dr. Pranjal Chandra is a renowned scientist in the field of nano biosciences, he emphasised on the dependency of the healthcare industry on the biomedical devices and the importance of personalised diagnostics. Dr. Pranjal and team at IIT-BHU has developed new

tools to analyse molecules for tracing diseases using nano biosensors and some are under approval for getting patents. The seminar focused on the methods involved in the study like sensor fabrication, metallic 3D dendritic structures, and development of nano biosensors for their use in diagnostics. The seminar was conducted under the patronship of Prof. Tankeshwar Kumar, Vice Chancellor, Central University of Haryana, and Prof. Pawan Kumar Maurya, Head of the Biochemistry department as convener, organising team Dr. Antresh Kumar, Dr. Usha Nagarajan, Dr. Saurabh Saxena, Dr. Maruthi Mulaka. Prof. Neelam Sangwan (Dean Research), Prof. Dinesh Kumar (Dean Academics), Scientists from various institutes, faculty members and students have attended the seminar.

मानसिक स्वास्थ्य और आर्थिक परिप्रेक्ष्य विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

14 फरवरी, 2022

कन्नड़ संघ पुणे के कावेरी कॉलेज ऑफ आर्ट्स, साइंस एंड कॉमर्स, पुणे ने हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के सहयोग से मानसिक स्वास्थ्य और आर्थिक परिप्रेक्ष्य पर एक दिवसीय राष्ट्रीय स्तर का सम्मेलन आयोजित किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कन्नड़ संघ पुणे के अध्यक्ष कुशल हेगड़े ने सत्र की अध्यक्षता की तथा कन्नड़ संघ, पुणे की सचिव मालती कलमाड़ी विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मेलन में उपस्थित रहीं।

कुलपति ने अपने संबोधन में कहा कि इस तरह के आयोजन मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित नीतियों और दृष्टिकोण निर्धारित करने व जागरूकता फैलाने में निश्चित ही महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। उन्होंने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य, अवसाद, आत्महत्या के बढ़ते मामलों, मानसिक बीमारी की पृष्ठभूमि में सकारात्मक मानसिक स्वास्थ्य के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाना महत्वपूर्ण है। उन्होंने इस संबंध में आयोजकों द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की।

कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में कावेरी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अशोक अग्रवाल ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कॉलेज की विकास यात्रा एवं सम्मेलन की रूपरेखा से प्रतिभागियों को अवगत कराया। कन्नड़ संघ पुणे के अध्यक्ष कुशल हेगड़े ने इस महत्त्वपूर्ण विषय पर विचार-विमर्श के लिए सम्मेलन आयोजित करने के लिए आयोजन समिति की सराहना की। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में संघ के योगदान के बारे में भी बताया। कन्नड़ संघ पुणे की सचिव मालती कलमाड़ी ने महामारी के कारण मानसिक स्वास्थ पर पड़ रहे प्रभावों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दें पर मुखर होना आवश्यक है। उन्होनें शरीर, मन और बुद्धि के एकीकरण पर जोर दिया। इसी क्रम में कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि दिव्यांग अधिनियम, 2018 महाराष्ट्र के सदस्य और महात्मा गांधी शिक्षण संस्थान के संस्थापक विजय कान्हेकर ने मानसिक बीमारी और मानसिक मंदता के प्रति बदलते दृष्टिकोण पर चर्चा की।

तकनीकी सत्र में मनःप्रबोध की संस्थापक अर्चना देशपांडे ने विभिन्न मानसिक स्वास्थ्य संबंधी पहलुओं जैसे वैश्विक परिप्रेक्ष्य और आर्थिक बजट, भारत में मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित नीतिगत प्रावधानों, मानसिकता बदलने की आवश्यकता, समाज स्तर पर पहल के बारे में विस्तृत चर्चा की। उन्होंने प्रतिभागियों को जमीनी स्तर पर प्रभाव पैदा करने में योगदान करने के लिए प्रोत्साहित किया। माइंड स्पा की संस्थापक दीप्ति पन्हालकर ने सकारात्मक मानसिक स्वास्थ्य का अभ्यास करने के बारे में अपने सुझाव साझा किए। उन्होंने कहा कि सकारात्मक मानसिक स्वास्थ्य विकसित करने के लिए स्वयं के सोचने के पैटर्न को समझना बहुत महत्वपूर्ण है।

कावेरी कॉलेज की उप-प्राचार्य डॉ. मुक्ता करमरकर ने भी बेहतर मानसिक स्वास्थ्य के लिए मानसिक शक्ति के निर्माण के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ की सहायक आचार्य डॉ. सुनीता तंवर ने प्रस्तुत किया। डॉ. तंवर ने कहा कि महामारी में तनाव, अवसाद आदि जैसी समस्याएं थीं लेकिन इससे हमें बहुत कुछ सीखने को भी मिला है। उन्होंने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य पर चर्चा अब वर्जित नहीं है। उन्होंने आयोजन समिति की सराहना की। सम्मेलन में विभिन्न क्षेत्रों के लगभग 1000 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस सम्मेलन को सफल बनाने में स्किलस्लेट फाउंडेशन, पुणे ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

One-Day National Level Conference on Mental Health & Economic Perspective

February 14, 2022

Kannada Sangha Pune's Kaveri College of Arts, Science and Commerce, Pune in association with Central University of Haryana organised a One Day National Level Conference on Mental Health & Economic Perspective. This Conference was very aptly supported by SkillSlate Foundation, Pune. With the objective of understanding how addressing vital aspects like policies and perspectives related to mental health can be a precursor for enhancing national wealth and prosperity and also with the objective of spreading awareness, this conference was arranged. The inaugural session witnessed the gracious presence of illustrious personalities from the field of academics and different organisations associated with the area related to mental health. Dr. Ashok Agrawal, Principal, Kaveri College welcomed the dignitaries and briefed about the

college and its development over the time period. Prof. Dr. Tankeshwar Kumar, Hon'ble Vice Chancellor, Central University Haryana graced the conference as the Chief Guest. During his address to the audience, he mentioned that in the backdrop of increasing suicide cases, depression, mental illness, it is important to spread awareness regarding the significance of positive mental health. He appreciated the efforts taken by the organisers in this regard.

Mr. Kushal Hegde, Hon'ble President Kannada Sangha, Pune addressed the audience as the Session Chair. He appreciated the idea of selecting such an important topic for deliberation. He also informed about the contribution of the Sangha in the field of education. Mrs. Malati Kalmadi, Hon'ble Secretary, Kannada Sangha Pune highlighted on the aspect that due to the pandemic there are increasing cases of issues related to mental health. And it is very important to be vocal about mental well being. She emphasised that there should be integration of body, mind and intellect so that there is movement towards spirituality and holistic upbringing. She graced the occasion as the Guest of Honour. Shri. Vijay Kanhekar, Hon'ble Member, Advisory Committee, Divyang Act, 2018, Maharashtra and Founder, Mahatma Gandhi Shikshan Sansthan (MGSS) spoke on the changing perspectives towards mental illness and mental retardation. He also shared about the various provisions made by the Government, various Acts, and also spoke on the significance of schemes like 'Niramaya'. Shri. Kanhekar the occasion as the Guest of Honour. The technical session witnessed guidance and spreading of information and awareness by Mrs. Archana Deshpande, Founder University of Haryana at the subject level. On this occasion, Dr. Surajmal, Dr. Naresh Kumar, Dr. Sandeep Rana and associates of the university, Dr. Manoj Kumar, Dr. Rajiv Kumar Singh were also present.

हकेवि में प्रोबायोटिक्स विषय पर पांच दिवसीय कार्यशाला का हुआ शुभारंभ

7 मार्च, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग द्वारा सोमवार को प्रोबायोटिक्स विषय पर केंद्रित पांच दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। प्रोबायोटिक एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा प्रायोजित इस कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रतिरक्षा बनाए रखने में भारत के पारम्परिक खाद्य पदार्थों के महत्त्व पर प्रकाश डाला। कार्यशाला में वर्गीज कुरियन सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, इंस्टीट्यूट ऑफ रूरल मैनेजमेंट आणंद गुजरात के अध्यक्ष डॉ. जे.बी. प्रजापति तथा सीएसआईआर-केंद्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान, मैसूर के डॉ. प्रकाश हलामी विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। कार्यशाला के शुभारंभ के अवसर पर उपस्थित डॉ. जे.बी. प्रजापति ने प्रतिरक्षा बनाए रखने में प्रोबायोटिक्स के महत्त्व पर प्रकाश डाला और शोध विद्वानों को प्रोबायोटिक विज्ञान में अनुसंधान के विभिन्न तरीकों से अवगत कराया। इसी क्रम में डॉ. प्रकाश हलामी ने प्रोबायोटिक्स संस्कृतियों की विशिष्ट गतिविधियों पर अपने विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन विभागाध्यक्ष डॉ. सुरेंद्र कुमार ने दिया। कार्यशाला में प्रो. पवन कुमार मौर्य, डॉ. अंतरेश कुमार, डॉ. अविजीत प्रमाणिक, डॉ. पूजा यादव, डॉ. विनोद यादव व डॉ. जितेंद्र कुमार सैनी सहित उद्घाटन सत्र में विभिन्न संस्थानों के प्रतिभागी ऑनलाइन शामिल हुए।

Five-Day National Workshop on Probiotics Organised by the Department of Microbiology

March 7, 2022

The Department of Microbiology of Central University of Haryana is organising a five days National workshop on “Revisiting Artisanal Foods for Bioprospecting Probiotics: Basics to Applied Aspects” sponsored by Probiotic Association of India. Prof. Gunjan Goel, the organising secretary of the workshop welcomed all the participants and highlighted the aim and objective of this workshop. The lectures were conducted online whereas the hands-on training were provided to the participants in the laboratory. At the inaugural session of the workshop, the Chief Guest, Prof. Tankeshwar Kumar, Vice Chancellor of CUH highlighted the importance of traditional foods of India and their role in maintaining the health status and immunity of

an individual. He suggested that we should explore our local resources for production of indigenous food products. In the inaugural session, two eminent speakers gave their presentation.
Dr J. B. Prajapati, Chairperson, Verghese Kurien Centre of Excellence, Institute of Rural Management Anand- Gujarat highlighted the importance of probiotics in maintaining immunity and guided the research scholars towards different avenues of research in probiotic science. Dr. Prakash Halami, from CSIR- Central Food Technological Research Institute, Mysuru, presented his views on strain specific activities of probiotic cultures. He highlighted the importance of Bifidobacteria as probiotic supplements. Prof. Surender Singh, Head of the department presented the vote of thanks. Prof Pawan Maurya, Dr. Antresh Kumar, Dr Avijit Pramanik, Dr Puja Yadav, Dr. Vinod Yadav and Dr Jitendra Kumar Saini were also present at the event. The inaugural session was attended by participants from five different institutions.

'अविष्कार से नवाचार तक' कार्यक्रम इनोवेशन एवं इंक्यूबेशन सेंटर द्वारा आयोजित
12 मार्च, 2022

राष्ट्र की प्रगति में नवाचार अपना विशेष महत्त्व रखता है। जिस देश के नागरिक जितने ज्यादा नवाचार के प्रति प्रयासरत रहते हैं, वहाँ आत्मनिर्भरता, स्वयं रोजगार व रोजगार के अवसर उतने ही अधिक बेहतर विकसित होते हैं। भारत में प्राचीन काल से ही शोध व नवाचार पर बल दिया जाता रहा है। जिसके फलस्वरूप भारत ने विश्व का प्रतिनिधित्व करते हुए विश्वगुरु का दर्जा हासिल किया। वर्तमान में कोरोना महामारी में जहां एक तरफ पूरा विश्व महामारी के प्रकोप से जूझ रहा था, वहीं उस मुश्किल समय में महामारी से बचाव के साथ-साथ भारत ने इससे बचाव के लिए वैक्सीनभी विकसित करने का कारनामा अंजाम दिया। आज भारत की इस उपलब्धि से लाखों, करोड़ो लोगों का जीवन बचाने के साथ-साथ इससे लाखों लोगों को रोजगार भी मिल रहा है। वसुधैव कुटुम्बकम यानि संपूर्ण धरती ही अपना परिवार है और परिवार की समृद्धि के लिए नवाचार करना भारतीय संस्कृति का नियम रहा है। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय स्थित इनोवेशन एवं इंक्यूबेशन सेंटर द्वारा आयोजित कार्यक्रम 'अविष्कार से नवाचार तक' में अपने संबोधन में व्यक्त किए। इस अवसर पर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र के नवाचार एवं उद्धमिता केंद्र की संयोजिका प्रो. अनुरेखा शर्मा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम की मुख्य वक्ता प्रो. अनुरेखा शर्मा ने अपने वक्तव्य में अविष्कार और नवाचार के महत्त्व पर विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वर्तमान में जिस प्रकार भारत में रोजगार की उपलब्धता को लेकर लगातार प्रयास जारी है उसे देखते हुए अब हमारे युवकों को उद्यमिता की तरफ ले जाना अत्यंत आवश्यक है। प्रो. शर्मा ने स्टार्टअप के विषय पर भी प्रतिभागियों से चर्चा की। कार्यक्रम में अन्य विशेषज्ञ दीपक शर्मा ने भी नवाचार की महत्ता पर प्रकाश डाला और प्रतिभागियों को इसके लिए निरंतर प्रयासरत रहने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम एवं विश्वविद्यालय में इनोवेशन एंड इंक्यूबेशन केंद्र की संयोजिका प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने मुख्य वक्ता की बातों को सार्थक बताते हुए कहा कि कुलपति महोदय के निर्देशन में विश्वविद्यालय का इनोवेशन एंड इंक्यूबेशन केंद्र युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रयासरत है। इसके लिए विश्वविद्यालय में व्याख्यान, शोध कार्यशालाएं, विज्ञान प्रदर्शनी एवं विषय विशेषज्ञ चचाओं का आयोजन निरंतर किया जा रहा है। जिससे हमारे विद्यार्थी और शोधार्थी ऐसी तकनीक विकसित करें जिससे देश में रोजगार के साधन विकसित हों और भारत आत्मनिर्भर बने। कार्यक्रम के दौरान प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रो. सुनील कुमार, डॉ. मारुति, डॉ. रमन, डॉ. मीनू ठाकुर, सुनील अग्रवाल, प्रदीप चौहान सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, शिक्षणेतर कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

'Invention to Innovation' Programme Organised by Innovation and Incubation Centre
March 12, 2022

Innovation plays an important role in the progress of the nation. The more the citizens of the country are striving towards innovation, the more self-reliance, self-employment and employment opportunities are better developed in that country. Research and innovation have been emphasised in India since ancient times. As a result of which India represented the world and achieved the status of Vishwaguru. At present, in the Corona epidemic, where the whole world was battling the outbreak of the epidemic, in that difficult time, along with the prevention of the epidemic, India also did the task of developing a vaccine to prevent it. Today, along with saving the lives of lakhs, crores of people due to this achievement of India, lakhs of people are also getting employment from it. Vasudhaiva Kutumbakam means the whole earth is one's own family and it has been the rule of Indian culture to innovate for the prosperity of the family. This view was shared by the Vice Chancellor of Haryana Central University (CUH), Mahendragarh, Prof. Tankeshwar Kumar, in his address in the programme 'Invention to Innovation' organised by the

Innovation and Incubation Centre located at the university. On this occasion the Convener of Innovation and Entrepreneurship Centre of Kurukshetra University, Kurukshetra Prof. Anurekha Sharma was present as the keynote speaker.

Keynote speaker of the programme Prof. Anurekha Sharma, in her statement, threw a detailed light on the importance of invention and innovation. He said that in view of the way in which continuous efforts are being made for the availability of employment in India, now it is very necessary to take our youth towards entrepreneurship. Pro. Sharma also discussed the topic of startup with the participants. In the programme, other expert Deepak Sharma also highlighted the importance of innovation and motivated the participants to keep striving for it. Programme and the coordinator of the Innovation and Incubation Centre in the university, Prof. Describing the keynote speaker's words as meaningful, Sunita Srivastava said that the Innovation and Incubation Centre of the university is trying to make the youth self-reliant under the direction of the Vice-Chancellor. For this, lectures, research workshops, science exhibitions and subject expert discussions are being organised continuously in the university. So that our students and research scholars develop such technology by which the means of employment in the country are developed and India becomes self-reliant. During the programme Prof. Pawan Kumar Maurya, Prof. Sunil Kumar, Dr. Maruti, Dr. Raman, Dr. Meenu Thakur, Sunil Aggarwal, Pradeep Chauhan and heads of various departments, teachers, non-teaching staff, students and researchers were present.

हकेवि में 'ज्ञान' कार्यक्रम में स्पेन के प्रोफेसर वालेरी चिस्तोव विशेषज्ञ के रूप में पधारे

13 मार्च, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ में 14 मार्च से सामरिक दूरदर्शिता एवं नवाचार विषय पर केंद्रित ग्लोबल इंस्टीट्यूट फॉर एकेडमिक नेटवर्क (ज्ञान) कार्यक्रम शुरू हो रहा है। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के तत्वावधान में शुरु हो रहे कार्यक्रम में प्रतिभागियों को उद्यमिता के लिए संभावनाओं की तलाश करना और आज की बदलती हुई परिस्थितियों में व्यवसाय को सफल बनाने की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया जाएगा। दो सप्ताह तक चलने वाला यह ऑनलाइन कोर्स न सिर्फ विद्यार्थियों व शोधार्थियों के लिए अपितु शिक्षकों के लिए उपयोगी सिद्ध होगा।

इस 'ज्ञान' कोर्स की समन्वयक डॉ. सुनीता तंवर ने बताया कि विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रशासन एवं प्रबंधन पीठ एवं प्रबंधन अध्ययन विभाग की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में डयूस्टों बिजनेस स्कूल, स्पेन के प्रोफेसर वालेरी चिस्तोव विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहेंगे। उन्होंने बताया कि इस कोर्स का लाइव प्रसारण शाम 4 बजे से 6 बजे तक होगा। डॉ. तंवर ने बताया कि इस कोर्स से संबंधित सभी जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। इसमें देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों व शिक्षण संस्थानों के शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी हिस्सा ले रहे हैं।

Spain's Professor Valery Chistov Attends 'GIAN' Programme as an Expert

March 13, 2022

The Global Institute for Academic Network (GIAN) programme, focused on Strategic Vision and Innovation, started from 14th March at Central University of Haryana (HKV), Mahendergarh. The programme, launched under the aegis of the Ministry of Education, Government of India, deliberated upon the participants to explore possibilities for entrepreneurship and make business successful in today's changing circumstances. This online course, which lasts for two weeks, will prove useful not only for the students and researchers but also for the teachers.

Dr. Sunita Tanwar, the coordinator of this 'GIAN' course, said that Professor Valery Chistov of Duston Business School, Spain, was present as an expert in this programme organised by the Department of Business Administration and Management and Management Studies of the University. Dr. Tanwar said that all the information related to this course is available on the website of the university. In this, teachers, students and researchers from various

universities and educational institutions of the country participated.

हकेवि में विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया

14 मार्च, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) व यूथ रेडक्रॉस इकाई द्वारा जिला रेडक्रॉस सोसायटी नारनौल के सहयोग से विश्वविद्यालय परिसर में सोमवार 14 मार्च को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया। इस अवसर पर प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि रक्तदान महादान है। हम सभी को इसके लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए। रक्तदान किसी का जीवन बचाने में मददगार साबित हो सकता है इसलिए स्वस्थ लोगों को समय-समय पर रक्तदान करते रहना चाहिए। शिविर में विशिष्ट अतिथि के रूप में भारत स्वाभिमान ट्रस्ट हरियाणा के अध्यक्ष, ईश कुमार आर्य, हरियाणा कला परिषद के पूर्व निदेशक अनिल कौशिक व नेहरू युवा केंद्र के जिला समन्वयक महेंद्र नायक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने रक्तदाताओं को बैज लगाकर उनका उत्साहवर्धन किया और कहा कि उनके द्वारा किए गए रक्तदान से किसी जरूरतमंद की जान बच सकती है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा व छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने भी रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया। विश्वविद्यालय में आज़ादी का अमृत महोत्सव अभियान के तहत चल रहे सात दिवसीय एनएसएस शिविर के संबंध में जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई के संयोजक डॉ. दिनेश चहल ने बताया कि रक्तदान शिविर के माध्यम से 151 यूनिट रक्त एकत्र हुआ। उन्होंने इस आयोजन में सहभागिता हेतु जिला रेडक्रॉस सोसायटी नारनौल का भी आभार व्यक्त किया। डॉ. दिनेश चहल ने बताया कि रक्तदान शिविर के साथ-साथ शिविर के छठे दिन की शुरुआत योग कार्यक्रम के साथ हुई। जिसमें योगाचार्य निलेश और ईश कुमार ने प्रतिभागियों को योगाभ्यास करवाया। साथ ही स्वयंसेवकों ने विश्वविद्यालय के आवासीय परिसर में स्वच्छता अभियान भी चलाया। वहीं शाम के समय राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया।

Blood Donation Camp at CUH

March 14, 2022

The National Service Scheme (NSS) and Youth Red Cross Unit of Central University of Haryana (CUH) in collaboration with District Red Cross Society Narnaul organised a blood donation camp on Monday 14 March in the University Health Centre. The blood donation camp was inaugurated by Prof. Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor of the University. On this occasion Prof. Tankeshwar Kumar said that blood donation is a great donation. We all should always be ready for this. Blood donation can prove to be helpful in saving someone's life, so healthy people should keep donating blood from time to time. On this occasion Shri Ish Kumar Arya, President, Bharat Swabhiman Trust, Haryana; Shri Anil Kaushik, Former Director, Haryana Kala Parishad and Shri Mahender Nayak, District Convener, Nehru Yova Kendra, Narnaul were present as Guest of Honor.

Prof. Tankeshwar Kumar encouraged the blood donors by putting badges on them and said that the blood donation made by them can save the life of a needy person. Prof. Sarika Sharma, Registrar and Prof. Anand Sharma, Dean Students Welfare were also present on this occasion. While giving the information about the seven-day NSS camp running under the Azadi Ka Amrit Mahotsav campaign in the University, Dr. Dinesh Chahal, the convener of the NSS unit of the University, said that 151 units of blood were collected through the blood donation camp. He expressed his gratitude to the District Red Cross Society, Narnaul who participated in this event.

हकेवि में सात दिवसीय एनएसएस शिविर का हुआ समापन

16 मार्च, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) बुधवार को सात दिवसीय शिविर का समापन हआ। शिविर के समापन समारोह में स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थियों को सामाजिक सरोकारों से जुड़े मुद्दों के लिए बढ़-चढ़कर कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

कुलपति ने कहा कि विद्यार्थी जीवन में अपना लक्ष्य तय करके उसे प्राप्ति के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से नशे से दूर रहने और

जनकल्याण व समाज कल्याण के कार्यों के लिए आगे आने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों ने इस शिविर में जो कुछ भी सीखा है वह भविष्य में उनके अवश्य काम आएगा। इस अवसर पर शिक्षा पीठ के प्रो. प्रमोद ने स्वयंसेवको से राष्ट्र निर्माण में कार्य करने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम संयोजक डॉ. दिनेश चहल ने शिविर का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया तथा सात दिवसीय शिविर की रिपोर्ट साझा की। इस अवसर पर राकेश को एनएसएस वालंटियर और सुषमा को बेस्ट वालंटियर से सम्मानित किया गया। साथ ही राष्ट्रीय सेवा योजना पुरस्कृत अलोकनाथ पांडे, राज्य एनएसएस पुरस्कृत मयंक कुमार, स्वयंसेवक शिवम, साई गणेश, अनमोल, पूनम, पुष्पा, रैना, योगेश और अन्य स्वयंसेवको को प्रशस्ति पत्र भी दिए गए।

Seven-Day NSS Camp Concludes in CUH
March 16, 2022

The National Service Scheme (NSS) seven-day camp at Central University of Haryana (Cuh), Mahendragarh concluded on Wednesday. Addressing the volunteers at the closing ceremony of the camp, University Vice Chancellor Prof. Tankeshwar Kumar motivated the students to work diligently for the issues related to social concerns. The Vice Chancellor said that by setting one's goal in student life, one should work hard to achieve it. He called upon the students to stay away from drugs and come forward for the works of public welfare and social welfare. He said that whatever the students have learned in this camp will be useful for them in future. On this occasion, Prof. Pramod inspired the volunteers to work in nation building. Programme coordinator Dr. Dinesh Chahal presented the report of the camp and shared the report of the seven-day camp. Rakesh was awarded the NSS Volunteer and Sushma was awarded the Best Volunteer on the occasion. Along with this, National Service Scheme awardee Aloknath Pandey, State NSS awardee Mayank Kumar, volunteer Shivam, Sai Ganesh, Anmol, Poonam, Pushpa, Raina, Yogesh and other volunteers were given citations.

हकेवि में आईपीआर, कॉपीराइट और पेटेंट पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित
21 मार्च, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ में आईपीआर, कॉपीराइट और पेटेंट विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का आयोजन कौशल, शिक्षा और अवसरों को सुलभ कौशल बनाने के लिए कार्यरत संगठन स्किल स्लेट के सहयोग से वर्चुअल माध्यम से किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस तरह की कार्यशालाएं विद्यार्थियों को संबंधित क्षेत्र की अद्यतन जानकारियों के बारे में शिक्षित करने एवं उनके कॉपीराइट को सुरक्षित करने की दिशा में मार्गदर्शन हेतु महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। कार्यक्रम एवं विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने बताया कि पेटेंट और कॉपीराइट के माध्यम से कैसे बाजार में बढ़त बनाई जा सकती है और उनके विचार और नवाचार की सफलता का मार्ग प्रशस्त किया जा सकता है।
उद्यमिता प्रकोष्ठ की समन्वयक, डॉ. सुनीता तंवर ने कार्यशाला के विषय से प्रतिभागियों को अवगत कराया और प्रतिभागियों को आश्वासन दिया कि विश्वविद्यालय का उद्यमिता प्रकोष्ठ एवं सेंटर फॉर इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन कॉपीराइट और पेटेंट फाइलिंग में हर संभव सहायता प्रदान करता रहेगा। स्किलस्लेट फाउंडेशन की संस्थापक अमेया अग्रवाल ने प्रतिभागियों को अपने क्षेत्र में अभिनव दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया और बताया कि कैसे यह अभिनव दृष्टिकोण भारत की स्थिति को वैश्विक स्तर पर सुदृढ़ कर सकता है। कार्यक्रम की विशेषज्ञ डॉ. जयश्री बंगाली ने दो दिवसीय कार्यशाला में तकनीकी सत्रों का संचालन किया और आईपीआर, विभिन्न प्रकार के कॉपीराइट और पेटेंट, और इन पेटेंटों के लिए आवेदन करने की प्रक्रिया पर विस्तार से चर्चा की। कार्यशाला के समन्वयक डॉ. निशान सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

Two-Day National Workshop on IPR, Copyright and Patent
March 21, 2022

Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh organised a Two Day Virtual National Level Workshop on IPR, Copyrights and Patents. The workshop was organised in collaboration with SkillSlate - A non-profit organisation working to make skills, education and opportunities accessible to all. Prof. Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor of the University said that such workshops are essential to educate students about the happenings in their field and guide them to secure their copyrights. Convener of the programme Prof. Sunita Srivastava emphasised how patents and copyrights give their respective owners an edge in the market and can pave the way for the success of their idea and innovation.
Dr. Sunita Tanwar, Coordinator, Entrepreneurship Cell, Central University of Haryana and Host of the programme, introduced the theme of the workshop and assured participants that in the future Entrepreneurship Cell and Innovation Cell the Central University of Haryana will assist people for

easier copyrights and patent filing. Ameya Agrawal, Founder, SkillSlate Foundation, encouraged the participants for an innovative approach in their field and mentioned how it can impact India's position as a global leader in innovation. The resource person of the programme, Dr. Jayashri Bangali, conducted the 2 Days technical session and provided an introduction to IPR, different types of copyrights and patents, and how one can file for these patents. Dr. Nishan Singh, Coordinator of the workshop gave the vote of thanks.

एनएसएस वार्षिक शिविर के तीसरे दिन हकेवि के स्वयंसेवकों ने निकाली एड्स जागरूकता रैली
11 मार्च, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ में आज़ादी के अमृत महोत्सव अभियान के अंतर्गत आयोजित सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) शिविर के दौरान शुक्रवार को स्वयंसेवको ने यूथ रेड क्रॉस व रैड रिबन क्लब के संयुक्त तत्वावधान में गांव जांट में एड्स के प्रति जागरूकता रैली निकाली। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश के माध्यम से कहा कि गांव, समाज व राष्ट्र को एड्स मुक्त करने के लिए इस तरह की जागरूकता रैली की महत्ती आवश्यकता है और जब जन-जन जागरूक होगा, तभी हम इस बीमारी को जड़ से खत्म कर पाएंगे। जागरूकता रैली को हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की कुलसचिव प्रोफेसर डॉ. सारिका शर्मा ने हरी झंड़ी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए प्रो.सारिका शर्मा ने कहा कि जागरूकता के अभाव में लोग इस बीमारी का शिकार हो जाते हैं। इसलिए इससे बचाव के लिए इसके प्रति जागरूकता आवश्यक है। प्रो. शर्मा ने आगे कहा कि यदि किसी को एड्स की बीमारी होने का शक होता है तो वह तुरंत अस्पताल पहुंच कर अपनी जांच करवाए। समय रहते अगर इसका पता चल जाए तो इसको बढ़ने से रोका जा सकता है। इससे दूसरे को भी एड्स से बचा सकते हैं। इस अवसर पर राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, जांट के प्राचार्य रामजस सिंह सहित स्कूल स्टॉफ सदस्य उपस्थित रहे। जागरूकता रैली की शुरुआत गांव जांट के राजकीय विद्यालय से हुई जो गांव की विभिन्न गलियों व सावर्जनिक स्थलों से होती हुई विश्वविद्यालय गेट पर पहुंची। रैली के बाद मानसिक स्वास्थ्य पर व्याख्यान का आयोजन किया। जिसमें विश्वविद्यालय में मनोविज्ञान विभाग में सहआचार्य डॉ. पायल चंदेल ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य में हमारा भावनात्मक, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक कल्याण शामिल होता है। यह हमारे सोचने, समझने, महसूस करने और कार्य करने की क्षमता को प्रभावित करता है। वही हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के संयोजक डॉ. दिनेश चहल ने बताया कि 15 मार्च तक चलने वाले इस शिविर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इसमें विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के स्वयंसेवक भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि एनएसएस शिविर की थीम 'आत्मनिर्भर भारत' रखी गई है। एनएसएस स्वयंसेवकों के चरित्र व व्यक्तित्व निर्माण में अहम भूमिका निभाती है।

CUH NSS Volunteers Held AIDS Awareness Rally on the Third Day of NSS Annual Camp
March 11, 2022

During the seven-day National Service Scheme (NSS) camp organised under the Amrit Mahotsav campaign of Independence at Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh, volunteers organised AIDS awareness in village Jant under the joint aegis of Youth Red Cross and Red Ribbon Club on Friday. A rally was organised by them to spread awareness regarding this detrimental disease. University Vice Chancellor Prof. Tankeshwar Kumar, through his message, said that there is an urgent need of such an awareness rally to make the village, society and nation free from AIDS and when the people will be aware, then only we will be able to eliminate this disease from the root. The awareness rally was flagged off by Professor Dr. Sarika Sharma, Registrar, Central University of Haryana.

Addressing the people present on the occasion, Prof. Sarika Sharma said that due to lack of awareness people become victims of this disease. Therefore, to prevent this, awareness about it is necessary. Pro. Sharma further said that if anyone suspects of having AIDS, he should immediately reach the hospital and get himself examined. If it is detected in time, then it can be stopped from growing. It can also save others from AIDS. Principal of Government Senior Secondary School, Jant, Ramjas Singh along with school staff members were present on this occasion.

The awareness rally started from the Government School of Jant village and reached the university gate passing through various lanes and public places of the village. A lecture was also organised on the alarming issue of mental health after the rally. In which Dr. Payal Chandel, Associate Professor in the Department of Psychology in the University said that mental health includes our emotional, psychological and social well-being. It affects our ability to think, understand, feel and act. The convener of Haryana Central University National Service Scheme Unit, Dr. Dinesh Chahal informed that various programmes will be organised in this camp which will run till March 15. Volunteers from various departments of the university will participate in it. He said that the theme of the NSS camp has been kept as 'Self-reliant India'. NSS plays an important role in building the character and personality of the volunteers

हकेवि में डाटा विश्लेषण में सांख्यिकीय उपकरणों के अनुप्रयोग विषय पर पांच दिवसीय कार्यशाला

21 मार्च, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के सांख्यिकी विभाग द्वारा 21 से 25 मार्च, 2022 तक 'डाटा विश्लेषण में सांख्यिकीय उपकरणों के अनुप्रयोग' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। विद्यार्थियों, शोधार्थियों और संकाय सदस्यों के लिए आयोजित इस कार्यशाला का उद्देश्य डेटा विश्लेषण में विभिन्न सांख्यिकीय उपकरणों की मौजूदा आवश्यकता और उनके अनुप्रयोगों में वर्तमान प्रगति पर चर्चा हेतु मंच प्रदान करना है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि यह कार्यशाला समय की मांग है। इस कार्यशाला के माध्यम से निश्चित ही शोधकर्ताओं को सांख्यिकी, गणित, मनोविज्ञान, चिकित्सा विज्ञान, शिक्षा आदि जैसे विभिन्न विषयों से संबंधित अपने नवीन शोध कार्यों में इन अनुप्रयोगों का उपयोग करने में मदद करेगी।

आज़ादी का अमृत महोत्सव के तहत आयोजित इस कार्यशाला में भौतिकी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. सुनील कुमार ने आज़ादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत आयोजित किए जा रहे कार्यक्रमों की संक्षिप्त जानकारी प्रतिभागियों के साथ साझा की। कार्यशाला के आयोजन सचिव व सांख्यिकी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. कपिल कुमार ने कार्यशाला के महत्त्व से प्रतिभागियों को अवगत कराते हुए कहा कि वर्तमान समय में, संपूर्ण विश्व सांख्यिकीय उपकरणों से भरा हुआ है। सांख्यिकीय उपकरण पर आधारित इस कार्यशाला में प्रतिभागियों को बुनियादी और उन्नत सांख्यिकीय तकनीकों की अवधारणाओं से रूबरू होने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि कार्यशाला प्रतिभागियों को विभिन्न सांख्यिकीय उपकरणों का ज्ञान प्राप्त करने में अवश्य ही मददगार साबित होगी। कार्यशाला में विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के प्रो. अतहर अली खान ने पहले दो सत्रों में आर सॉफ्टवेयर, बुनियादी डाटा, डाटा कॉम्बिंग और आर में डेटा आयात-निर्यात के बारे में जानकारी प्रदान की। कार्यशाला के दूसरे विशेषज्ञ दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्रो. विजय कुमार ने बुनियादी कार्यों, लूप्स और नियंत्रण प्रवाह विवरण बनाने के तरीकों के साथ सांख्यिकीय वितरणों के उपयोग और अनुप्रयोगों पर भी चर्चा की।

कार्यशाला के समन्वयक और विभाग के सहायक आचार्य डॉ. देवेंद्र कुमार ने बताया कि इस कार्यशाला में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ विश्वविद्यालय, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय और जाकिर हुसैन कॉलेज सहित देश भर विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं शिक्षण संस्थानों के प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। उद्घाटन सत्र में सांख्यिकी विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. रविंदर सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

Five-Day Workshop on "Applications of Statistical Tools in Data Analysis"

March 21, 2022

Department of Statistics, Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh organised a workshop on 'Applications of Statistical Tools in Data Analysis' for faculty, research scholars, postgraduate and graduate students. The aim of the workshop is to address the existing need of the various statistical tools in data analysis. This workshop is the platform to discuss the current advances in the applications of statistical tools. The objective is to enhance the knowledge of participants who want to become researchers. The workshop is designed with a focus on faculty members, research scholars, postgraduate and undergraduate students from all the disciplines. Prof. (Dr.) Tankeshwar Kumar, Vice Chancellor, is the chief guest of the inaugural session. He says that this workshop is the need of time which will help the young researchers to utilise these applications in their innovative research work related to different disciplines like statistics, mathematics, psychology, medical science, education, etc.

Prof. Sunil Kumar, Head, Department of Physics, provides the brief information about Azadi Ka Amrit Mahotsav. Speaking about the significance of this workshop, the Workshop Organising Secretary, Dr. Kapil Kumar, Assistant Professor, Department of Statistics, said, "Presently, the whole world is

consumed with statistical tools. The workshop on 'statistical tools' will provide an exposure of some of the basics as well as the advanced concepts of the statistical techniques to the participants. The hands-on training sessions during the lecture are the highlights of this workshop. This workshop will help participants in gaining knowledge of various statistical tools. Dr. Devender Kumar, Convener of the workshop said that participants include faculties, research scholars, postgraduate and undergraduate students from reputed colleges and universities across the country, including BHU, Aligarh Muslim University, Chandigarh University, IGNOU, MDU and Zakir Husain Delhi College.
Dr. Ravinder Singh, Assistant Professor, Department of Statistics gave the vote of thanks in the inaugural session. Prof. Athar Ali Khan, AMU and Prof. Vijay Kumar, DDU are the resource persons for the first day. Prof. Athar Ali Khan in first two sessions by providing brief knowledge about how to install R software, basic types of data, data combing and Importing/ Exporting data into R. In the next two sessions Prof. Vijay Kumar, DDU starts the session by discussing how to creating the basic functions, Loops and control flow statements. He also discussed the usage and applications of various statistical distributions.

हकेवि में ज्ञान कोर्स का हुआ समापन

28 मार्च, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ में बीते दो सप्ताह से चल रहे ग्लोबल इंस्टीट्यूट फॉर एकेडमिक नेटवर्क (ज्ञान) कार्यक्रम का समापन हो गया। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के तत्वावधान में सामरिक दूरदर्शिता एवं नवाचार विषय पर केंद्रित इस ज्ञान कार्यक्रम में डयूस्टों बिजनेस स्कूल, स्पेन के प्रोफेसर वालेरी चिस्तोव विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने शिक्षा मंत्रालय की इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से न सिर्फ प्रतिभागियों को लाभ होगा बल्कि इस तरह के प्रयासों से शिक्षा व शोध के क्षेत्र में नए विकल्प भी उपलब्ध होंगे।
समापन सत्र की शुरुआत में ज्ञान कोर्स के लोकल कोर्डिनेटर प्रो. गुंजन गोयल ने प्रतिभागियों का स्वागत किया। ज्ञान की कोर्स कोर्डिनेटर डॉ. सुनीता तंवर ने इस अवसर पर कोर्स की रिपोर्ट प्रतिभागियों से साझा की और बताया कि इस दो सप्ताह के ऑनलाइन कोर्स में देश के विभिन्न कॉलेज व विश्वविद्यालयों से 45 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। उन्होंने बताया कि इस कोर्स में प्रोफेसर वालेरी चिस्तोव के साथ स्पेन की मिस सेनिया भी विशेषज्ञ के रूप में उपसिथत रहीं। विशेषज्ञों ने इस कोर्स में भविष्य को ध्यान में रखते हुए नवाचार व उद्यमिता की संभावनाओं पर जोर दिया बल्कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस व रोबोटिक विषय पर भी चर्चा की। विशेषज्ञों ने कोर्स के कोर्डिनेटर्स के प्रयासों को सराहा और कहा कि इस कोर्स से प्रतिभागी अवश्य ही लाभांवित होंगे।
'ज्ञान' कोर्स के समापन सत्र प्रो. टंकेश्वर कुमार, डॉ. सुनीता तंवर व प्रो. सी.एस. यादव द्वारा लिखित एडिटेड बुक का भी विमोचन किया गया। बींग एंटप्रिन्योरः स्किल, स्कोप एंड बियोंड नामक इस पुस्तक में एंटप्रिन्योरशिप के विभिन्न पहलुओं को दर्शाया गया है। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस पुस्तक में देश-विदेश के ३४ लेखकों ने अपना योगदान दिया। उन्होंने विद्यार्थियों के लिए इस पुस्तक को बहुत उपयोगी बताया। कार्यक्रम के अंत में कोर्स की संयोजक डॉ. सुनीता तंवर ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

GIAN Course Valedictory Ceremony

March 28, 2022

The Global Institute for Academic Network (GIAN) programme, which has been going on for the last two weeks at the Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh, is concluded. Professor Valery Chistov of Deuston Business School, Spain, was present as an expert in this knowledge programme which focused on the topic of Strategic Vision and Innovation under the aegis of the Ministry of Education, Government of India. University Vice Chancellor Prof. Welcoming this initiative of the Ministry of Education, Tankeshwar Kumar said that through this programme, not only the participants will be benefited, but also new options will be available in the field of education and research.
At the beginning of the concluding session, the local coordinator of the knowledge course, Prof. Gunjan Goyal welcomed the participants. Dr. Sunita Tanwar, Course Coordinator of Gyan shared the report of the course with the participants on this occasion and conveyed that 45 participants from different colleges and universities of the country participated in this two-week online course. He said that in this course, along with Professor Valery Chistov, Miss Senia of Spain was also present as an expert. In this course, experts emphasised on the possibilities of innovation and entrepreneurship keeping in mind the future, but also discussed the subject of Artificial Intelligence and Robotics. The experts appreciated the efforts of the coordinators of the course and said that the participants will definitely benefit from this course.
In the concluding session of 'GIAN' course, Prof. Tankeshwar Kumar released a book written and

edited by Dr. Sunita Tanwar and Prof. CS Yadav. The book, Being an Entrepreneur: Skill, Scope and Beyond, explores the various aspects of entrepreneurship. Vice Chancellor Prof. Tankeshwar Kumar said that 34 authors from India and abroad contributed to this book. He described this book as very useful for the students. At the end of the programme the convener of the course Dr. Sunita Tanwar presented a vote of thanks.

हकेवि में सतत विकास जल और बिजली संरक्षण पर वेबिनार आयोजित
29 मार्च, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ में मंगलवार को सतत विकास जल और बिजली संरक्षण विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के प्रोमोशन ऑफ सस्टेनेबल मैटिरियल सेल के द्वारा आयोजित इस वेबिनार में जल अवार्डी रमेश गोयल मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश में कहा कि हमें प्रकृति द्वारा दिए गए संसाधनों को सहेज कर रखना चाहिए ताकि हमारी आने वाली पीढ़ी उनका सदुपयोग कर सके।
आज़ादी का अमृत महोत्सव के तहत आयोजित इस वेबिनार के मुख्य वक्ता रमेश गोयल का परिचय डॉ. दिनेश चहल ने प्रस्तुत किया। मुख्य वक्ता ने कहा कि हमें पानी की एक-एक बूंद का महत्त्व समझना होगा। उन्होंने कहा कि हमें घर बनवाते समय उसमें वर्षा जल संचयन की सुविधा अवश्य उपलब्ध करवानी चाहिए। ऐसा करने से भूजल संरक्षण करना सहज होगा। इस अवसर उन्होंने अपनी प्रतिष्ठित पुस्तक जल चालीसा 'पानी बिन सब सून' और 'जल मनका' के बारे में भी चर्चा की। मुख्य वक्ता ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए बताया जल संरक्षण को उन्होंने अपने जीवन का मिशन बना लिया है। उन्होंने बताया कि वे किस तरह से समाज के विभिन्न वर्गों से मिलकर उन्हें जल बचाने के लिए प्रेरित करते हैं। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए सतत विकास में विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी प्रतिभागियों को दी।
विश्वविद्यालय के प्रोमोशन ऑफ सस्टेनेबल मेटिरियल सेल के संयोजक प्रो. हरीश कुमार ने कहा कि हमें रिसायकल और रियूज वस्तुओं को बढ़ावा देना होगा। उन्होंने कहा कि सतत विकास हेतु सेल द्वारा किए जा रहे प्रयासों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। कार्यक्रम का संचालन सहायक आचार्य आलेख एस नायक ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सुरेंद्र ने किया। अतिथियों का परिचय डॉ. राकेश शर्मा ने दिया। इस मौके पर विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी एवं शोधार्थी उपस्थित रहे।

Webinar on Sustainable Development, Water and Electricity Conservation organised in CUH
March 29, 2022

A national webinar on sustainable development, water and electricity conservation was organised at Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh, on Tuesday. Water awardee Ramesh Goyal was present as the keynote speaker in this webinar organised by the University's Promotion of Sustainable Material Cell. University Vice Chancellor Prof. Tankeshwar Kumar said in his message that we should save the resources given by nature so that our coming generation can make good use of them.
Dr. Dinesh Chahal presented the introduction of Ramesh Goyal, the key speaker of this webinar organised under Azadi Ka Amrit Mahotsav. The keynote speaker said that we have to understand the importance of every drop of water. He said that while constructing a house, we must provide rain water harvesting facilities in it. By doing this it will be easy to conserve groundwater. On this occasion he also discussed his prestigious book Jal Chalisa 'Pani Bin Sab Soon' and 'Jal Manka'. Sharing his experiences, the keynote speaker said that he has made water conservation the mission of his life. He told how he meets different sections of the society and inspires them to save water. University's Student Welfare Dean Prof. Welcoming the chief guest, Anand Sharma informed the participants about the efforts being made by the university in sustainable development.
The Convener of the University's Promotion of Sustainable Material Cell, Prof. Harish Kumar said that we have to promote recycled and reused items. He informed the participants about the efforts being made by SAIL for sustainable development. The programme was conducted by Assistant Acharya Alekh S. Nayak while the vote of thanks was given by Dr. Surendra. Dr. Rakesh Sharma introduced the guests. Heads of departments, teachers, students and researchers of various departments of the university were present on this occasion.

हकेवि में करियर इन लाइफ साइंसेजः एकेडमिया एंडबियोंड विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन
30 मार्च, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के जैवरसायन विज्ञान विभाग द्वारा करियर इन लाइफ साइंसेजः एकेडमिया एंड बियोंड विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर

कुमार की प्रेरणा व मार्गदर्शन में आयोजित इस वेबिनार में मेटिस हाइव की सह-संस्थापक डॉ. निधि खुराना, जर्नल ऑफ विजुअलाइज्ड एक्सपेरिमेंट्स (जोव) की प्रोडेक्ट मैनेजर डॉ. कल्याणी और हंट्समेन कोरपोरेशन के सम्राट सिंह विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने सभी वक्ताओं का स्वागत किया। कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित डॉ. निधि और डॉ. कल्याणी ने लाइफ साइंसेज के विद्यार्थियों को विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध अवसरों से विद्यार्थियों को अवगत कराया। उन्होंने लाइफ साइंसेज क्षेत्र की कार्यप्रणाली और दृष्टिकोण पर भी विस्तृत चर्चा की। दोनों विशेषज्ञों ने नेटवर्किंग, कम्यूनिकेशन और व्यक्तिगत ब्रांड विकसित करने पर एक- सत्र आयोजित किया। इसी क्रम में अन्य विशेषज्ञ सम्राट सिंह ने ग्राहकों की जरूरतों के अनुसार गुणवत्ता मूल्यांकन और उत्पादों के प्रबंधन पर व्याख्यान दिया। उन्होंने इस अवसर पर निर्माण एवं फीडबैक प्रक्रिया पर भी प्रकाश डाला। सवाल-जवाब सत्र के माध्यम से विशेषज्ञों द्वारा प्रतिभागियों की शंकाओं का समाधान किया गया। वेबिनार में विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार, जैवरसायन विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. पवन कुमार मौर्य, कार्यक्रम संयोजक डॉ. मारुति मुलका, आयोजन समिति सदस्य डॉ. अंतरेश कुमार, डॉ. उषा नागराजन, डॉ. सौरभ सक्सेना सहित विभिन्न संस्थानों के वैज्ञानिक, संकाय सदस्य व विद्यार्थी शामिल हुए।

Webinar on "Careers in Life Sciences: Academia and beyond" at CUH
March 30, 2022

A National level webinar was organised by the Department of Biochemistry, Central University of Haryana on 29 March 2022. The topic of the seminar was "Careers in Life sciences: academia and beyond", the lecture was delivered by Dr. Nidhi Khurana (Cofounder, Metis Hive), Dr. Kalyani (Product Manager, JoVE) and Shri. Samrat Singh (Huntsman Corporation). The seminar was conducted under the patronship of Prof. Tankeshwar Kumar, Vice Chancellor, Central University of Haryana.

Prof. Neelam Sangwan, Dean School of Interdisciplinary and Applied Sciences welcomes all the speakers. Dr. Nidhi and Dr. Kalyani are experts in the field of mentoring Life sciences students to choose and achieve their career goals, they emphasised on the diversity of opportunities for Life Sciences students and elaborated the process and path of approach to be hired in different domains of biological sciences. Dr. Nidhi and Dr. Kalyani have conducted one to one session for the students in networking, communicating, and developing personal brands for the students. All student participants have interacted with the speakers and cleared their doubts and got encouragement. Shri. Samrat Singh has delivered lectures on quality assessment and management of products according to the customer needs and educated the students about the manufacturing and feedback processes. Prof. Dinesh Kumar, Dean Academics, Prof. Pawan Kumar Maurya, Head of the Biochemistry, and Dr. Maruthi Mulaka as convener, organising team Dr. Antresh Kumar, Dr. Usha Nagarajan, Dr.Saurabh Saxena, Scientists from various institutes, faculty members and students have attended the seminar.

हकेवि की छात्रा सिमरन चौहान पहुँची एनईवाईपी के फाइनल में
25 जनवरी, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय,महेंद्रगढ़ की छात्रा सिमरन चौहान ने नेशनल एनवायरमेंट यूथ पार्लियामेंट (एनईवाईपी) 2022 में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। विश्वविद्यालय में एम.टेक. स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग प्रथम वर्ष की छात्रा ने गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर द्वारा आयोजित जोनल स्तरीय प्रतियोगिता में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। छात्रा को आगामी 27 फरवरी को आयोजित होने वाले इस प्रतियोगिता के अंतिम राउंड में शामिल होने का अवसर प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सिमरन चौहान के प्रदर्शन की सराहना करते हुए उन्हें अंतिम चरण में सफलता के लिए शुभकामनाएं दी।
विश्वविद्यालय में इस प्रतियोगिता के संयोजक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि सिमरन चौहान का चयन जोनल स्तर की प्रतियोगिता में विभिन्न विश्वविद्यालय से शामिल 71 विद्यार्थियों में से हुआ है। उन्हें फाइनल राउंड में लिए शीर्ष दस प्रतिभागियों में स्थान मिला है। जिसके लिए निर्धारित प्रतियोगिता का आयोजन आगामी 27 फरवरी को होगा। सिमरन चौहान ने अपनी इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर करते हुए इसका श्रेय विश्वविद्यालय शिक्षकों व अपने परिवारजनों को दिया। नारनौल निवासी श्री शिवचरण चौहान की पुत्री सिमरन ने बताया कि वह देश की सेवा की इच्छुक है और इसके लिए वह सिविल सर्विसेज के लिए भी तैयारी कर रही है। यहां बता दें कि सिमरन मार्शल आर्ट में भी महारत रखती है और राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय प्रदर्शन कर चुकी है।

CUH Students in the Final Round of NEYP
January 25, 2022

Simran Chauhan, a student of Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh, performed remarkable in National Environment Youth Parliament (NEYP) 2022. She is a First year student persuing M.Tech (Structural Engineering) from the University. She also performed well in zonal level competition organised by Guru Ghasidas University, Bilaspur. She also has an opportunity to participate in the final round of this competition to be held on February 27. The Vice Chancellor of the University Prof. Tankeshwar Kumar lauded the performance of Simran Chauhan and wished her all the best in the final stage.
The Convener of this competition in the University, Prof. Surendra Singh informed that Simran Chauhan has been selected out of 71 students from various universities in the zonal level competition. She is ranked among the top ten participants for the final round. For which the scheduled competition will be organised on February 27. While expressing happiness over this achievement, Simran Chauhan gave credit to the University teachers and her family members. Simran, daughter of Shri Shivcharan Chauhan, resident of Narnaul, said that she is willing to serve the country and for this she is also preparing for civil services.

विश्वविद्यालय की ब्रांडिंग वाले उत्पादों का ऑनलाइन स्टोर सीयूएच कैंपस मॉल शुरू
27 जनवरी, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ अब अपनी ब्रांडिंग वाले उत्पादों के साथ ऑनलाइन माध्यम से जन- जन तक पहुंचने जा रहा है। विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शोद्यार्थियों, शिक्षकों व कर्मचारियों सहित पूर्व विद्यार्थियों के साथ-साथ विश्वविद्यालय ने अपने एक अनोखे प्रयास के माध्यम से आमजन तक पहुंचने की पहल की है। सीयूएच कैंपस मॉल नामक इस पहल के माध्यम से अब विश्वविद्यालय के नाम, लोगो व अन्य उपयोगी व उल्लेखनीय प्रयासों को प्रदर्शित करने वाले विभिन्न उत्पाद ऑनलाइन स्टोर पर खरीदे जा सकते हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस पहल को बेहद उपयोगी और आधुनिक समय की मांग बताया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के सच्चे ब्रांड एम्बेडसर उसके विद्यार्थी, शोद्यार्थी, पूर्व विद्यार्थी व उनके अभिभावक होते हैं और हम सीयूएच कैंपस मॉल नामक इस प्रयास के माध्यम से अपनी पहचान को विभिन्न सहभागियों के साथ साझेदारी विकसित कर जन-जन तक पहुंचाने जा रहे हैं।
हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार कुमार ने वीरवार को कैंपस मॉल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री अंकुर के साथ ऑनलाइन माध्यम से ई-मर्चेंट स्टोर सीयूएच कैंपस मॉल का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि अवश्य ही विश्वविद्यालय के सहभागी इन उत्पादों के माध्यम से जन-जन तक हमारी पहुंच बनाने में मददगार साबित होंगे। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय के आउटरीच कार्यक्रम के अंतर्गत ई-स्टोर की इस शुरूआत से विभिन्न उत्पादों के माध्यम से विश्वविद्यालय की पहचान कश्मीर से कन्याकुमारी तक के लोगों से करा सकेंगे। प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने कहा कि अवश्य ही इस काम में विश्वविद्यालय के असली ब्रांड एम्बेसडर यानी हमारे विद्यार्थी की भूमिका उल्लेखनीय रहेगी। यह उत्पाद विभिन्न सहभागियों को विश्वविद्यालय से निरंतर जुड़े रहने का अवसर प्रदान करेंगे।
ऑनलाइन ई स्टोर सीयूएच कैंपस मॉल नामक इस प्रयास के विषय में निदेशक, आउटरीच कार्यक्रम डॉ. अजय पाल ने बताया कि इस ऑनलाइन स्टोर पर विश्वविद्यालय की ब्रांडिंग आधारित विभिन्न उत्पाद उपलब्ध कराये जायेंगे। इसके लिए हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय व कैंपस मॉल के मध्य में एक समझौता किया गया है। जिसमें हरियाणा केंद्रीय

विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों और विश्वविद्यालय से परोक्ष या प्रत्यक्ष रूप में जुड़े किसी भी हितधारक के लिए विश्वविद्यालय के प्रतीक चिन्ह लगे हुए, प्रतिदिन के जीवन में उपयोग होने वाली वस्तुएं जैसे, टीशर्ट, कॉफी मग, स्टेशनरी आइटम, जूट बैग आदि उपलब्ध हैं। इन उत्पादों को कोई भी www.cuh.campusmall.in पर लॉग इन कर खरीद सकता है और उपयोग कर सकता है। डॉ. अजय पाल ने कहा कि अवश्य ही इस प्रयास के माध्यम से विश्वविद्यालय की पहुंच जनसामान्य होगी और उसका लाभ विश्वविद्यालय व देशवासियों को प्राप्त होगा।

CUH Campus Mall Will Take University to the Masses

January 27, 2022

The Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh is now going to reach out to the masses through its online available branded products. Along with its alumni, students, researchers, teachers and staff of the University; The University has taken an initiative to reach out to the general public through this unique effort. Through this initiative called CUH Campus Mall, various products displaying the name, logo and other useful and remarkable endeavours of the University can now be purchased at the online store. The Vice Chancellor of the University, Prof. Tankeshwar Kumar described this initiative as very useful and is

the demand of modern times. He said that the true brand ambassadors of the University are its students, researchers, alumni and their parents and through this endeavour called CUH Campus Mall, we are going to take our identity to the masses by developing partnerships with various participants. The Vice Chancellor of Central University of Haryana, Prof. Tankeshwar Kumar inaugurated the e-Merchant Store CUH Campus Mall via online mode along with Mr. Ankur Gupta, Chief Executive Officer, Campus Mall on Thursday. Dr. Ajay Pal, Director, Outreach Programme said that this online store with the University logo will make available everyday use items like t-shirts, coffee mugs, stationery items, jute bags, etc. not only for the students, teachers, officers, employees of the University but any stakeholder directly or indirectly connected with the University. Anyone can buy and use these products by logging in www.cuh.campusmall.in. Dr. Ajay Pal said that through this effort, the University would be in direct touch with the general public which shall bring benefits both to the University and the countrymen.

इंटरनेशनल अकेडमी ऑफ फिजिकल साइंसेस के उपाध्यक्ष बने प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार

15 फरवरी, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार अब प्रतिष्ठित इंटरनेशनल अकेडमी ऑफ फिजिकल साइंसेस के उपाध्यक्ष की भूमिका का भी निर्वहन करेंगे। वर्ष 2022 व 2023 के लिए इंटरनेशनल अकेडमी ऑफ फिजिकल साइंसेस (आईएपीएस) की कार्यकारी परिषद की घोषणा की गई है, जिसमें सूरजमल विश्वविद्यालय, उत्तराखंड के कुलपति प्रो. एच.एस. धामी को अध्यक्ष तथा हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को उपाध्यक्ष चुना गया है। आईएपीएस भौतिक विज्ञान के क्षेत्र में खोज, वैज्ञानिक व तकनीकी ज्ञान तथा मानव समाज की बेहतरी के लिए कार्य करती है। आईएपीएस एक ऐसा वैज्ञानिक निकाय है जिसमें भौतिक, गणित, और पृथ्वी विज्ञान की विभिन्न शाखाओं जैसे भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित, सांख्यिकी, भूविज्ञान, भूभौतिकी और भूगोल, कंप्यूटर विज्ञान, सूचना विज्ञान, जैव रसायन, बायोफिज़िक्स आदि के वैज्ञानिक शामिल हैं।

भौतिक विज्ञान के क्षेत्र में प्रो. टंकेश्वर कुमार के 35 वर्ष के उल्लेखनीय योगदान व उनकी प्रशासिक नेतृत्व क्षमता देखते हुए उन्हें इस प्रतिष्ठित संस्था का उपाध्यक्ष चुना है। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इंटरनेशनल अकेडमी ऑफ फिजिकल साइंसेस जैसी प्रतिष्ठित संस्था की कार्यकारी परिषद का उपाध्यक्ष चुना जाना उनके लिए गर्व व सम्मान की बात है। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि उनके साथ फ्लोरिडा केंद्रीय विश्वविद्यालय, यूएसए के प्रो. राम महापात्रा, सहित दो अन्य उपाध्यक्ष भी चुने गए हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि वे संस्था के उद्देश्यों को ध्यान में रखकर संस्था की बेहतरी के लिए कार्य करेंगे। कुलपति ने परिषद की नई टीम को भी शुभकामनाएं दी।

Professor Tankeshwar Kumar Elected as the Vice President of International Academy of Physical Sciences (IAPS)

February 15, 2022

The Vice Chancellor of Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh, Prof. Tankeshwar Kumar has been elected as the Vice-President of the prestigious International Academy of Physical Sciences. The Executive Council of the International Academy of Physical Sciences (IAPS) has been announced for the year 2022 & 2023, in which the Vice Chancellor of Surajmal University, Kichha, Uttarakhand, Prof. H.S. Dhami has been elected as the President while the Vice Chancellor of Central University of Haryana, Mahendragarh, Prof. Tankeshwar Kumar has been elected as the Vice-President. IAPS works for discovery, scientific and technical knowledge in the field of physical science and for the betterment of human society. IAPS is a scientific body consisting of scientists from various branches of physical, mathematics, and earth sciences such as Physics, Chemistry, Mathematics, Statistics, Geology, Geophysics and Geography, Computer Science, Informatics, Biochemistry, Biophysics, etc.

In view of the remarkable contribution of Prof. Tankeshwar Kumar in the field of Physics and his administrative leadership ability, he has been elected as the Vice President of this prestigious institution. Prof. Tankeshwar Kumar said that it is a matter of pride for him to be elected to the Executive Council of a prestigious institution like International Academy of Physical Sciences. Prof. Tankeshwar Kumar said that Prof. Ram Mohapatra, Central University of Florida, Orlando USA is also elected as vice-president with him. He assured that he would work for the betterment of the organisation keeping in mind its objectives.

पुरातत्व एवं विरासत के संवर्द्धन में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय देगा योगदान

3 मार्च, 2022

भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ को देश के 30 संस्थानों की उस सूची में शामिल किया है जो कि पुरातत्त्व एवं विरासत से संबद्ध विभिन्न गतिविधियों को संचालित करने हेतु अधिसूचित है। विश्वविद्यालय का इतिहास एवं पुरातत्व विभाग इस कार्य को करेगा। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इसे विश्वविद्यालय के लिए एक विशिष्ट उपलब्धि बताते हुए भारत सरकार का धन्यवाद ज्ञापित किया और इतिहास एवं पुरातत्त्व विभाग के शिक्षकों द्वारा इस दिशा में किए जा रहे कार्यों की सराहना की।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि संस्कृति मंत्रालय से अधिसूचित होने के बाद विश्वविद्यालय प्राचीन स्मारकों एवं पुरातात्विक अवशेषों के संबंध में नियमन एवं संचालन हेतु राष्ट्रीय स्तर पर अपना योगदान दे सकेगा। विश्वविद्यालय को मिली इस उपलब्धि के बारे जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के इतिहास एवं पुरातत्त्व विभाग के प्रभारी डॉ. नरेंद्र सिंह ने बताया कि विभाग को भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा देश के प्रमुख संस्थानों में शामिल किया गया है, जो पुरातत्व और विरासत से संबद्ध विभिन्न गतिविधियों का संचालन करेगा। इस हेतु भारत सरकार ने गजट नोटिफिकेशन के माध्यम से देश की 30 संस्थाओं का चयन किया गया, जिसमें हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय का इतिहास एवं पुरातत्व विभाग भी शामिल है। उन्होंने बताया कि उत्तर क्षेत्र के लिए हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय सहित केवल चार संस्थानों का चयन किया गया है। डॉ. सिंह ने बताया कि इससे पहले भी विभाग भिवानी जिले के तिगड़ाना स्थान से हड़प्पाकालीन अवशेषों को खुदाई कर प्राप्त किया था। विभाग के इस कार्य की भी देश भर में सराहना हुई थी। इस कार्य से हड़प्पाकालीन इतिहास के अध्ययन में अत्यधिक स्पष्टता आने की संभावना प्रबल हुई है। विभाग ने अपनी स्थापना की अल्पावधि में ही कई उपलब्धियां अर्जित की हैं।

CUH Will Contribute to the Promotion of Archaeology and Heritage

March 3, 2022

Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh has been included in the list of 30 institutions of the country by the Ministry of Culture, Government of India, which are notified to conduct various activities related to archaeology and heritage. The Department of History and Archaeology of the University will do this work. While describing this as a special achievement for the University, Prof. Tankeshwar Kumar, Vice Chancellor of the University thanked the Government of India and appreciated the work being done by the teachers of the Department of History and Archaeology in this direction.

Prof. Tankeshwar Kumar said that after being notified by the Ministry of Culture, the University would be able to contribute at the national level for the regulation and operation of ancient monuments and archaeological remains. Giving information about this achievement of the University, Dr. Narendra Parmar, Teacher-in-charge of the Department of History and Archaeology of the University, said that the Ministry of Culture, Government of India has included the Department of

History and Archaeology among the premier institutions of the country, which are engaged in various activities related to archaeology and heritage. For this purpose, 30 institutions have been selected by the Government of India through a gazette notification, including the Department of History and Archaeology, Central University of Haryana. He informed that only four institutes including Central University of Haryana have been selected for the North Zone. Dr. Parmar informed that earlier also the department had excavated the Harappan site of Tigrana, Bhiwani district. This work of the department was also appreciated across the country. This work has strengthened the possibility of bringing great clarity in the study of Harappan history. The department has made many achievements in the short span of its establishment.

हकेवि में स्ट्रक्चर इंजीनियरिंग सॉफ्टवेयर पर तीन दिवसीय कार्यशाला
4 ,मार्च, 2022

विद्यार्थियों को शिक्षा क्षेत्र के आधुनिक कौशल में उत्तम तरीक़े से सक्षम बनाने की कड़ी में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ में स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा विश्व प्रतिष्ठित सीएसआई कंपनी के एसएपी 2000 सॉफ्टवेयर पर 4 मार्च, 2022 से 6 मार्च, 2022 तक कार्यशाला का आयोजन किया किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने वर्तमान समय में राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस सॉफ्टवेयर की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए सभी को इसे सीखने के लिए प्रोत्साहित किया। साथ ही कुलपति महोदय ने युवाओं के भाग लेने पर हर्ष व्यक्त किया।
बी.टेक. सिविल इंजीनियरिंग तथा एम.टेक. स्ट्रक्चर इंजीनियरिंग के विद्यार्थी एवं शोधार्थी के लिए आयोजित इस तीन दिवसीय कार्यशाला के उद्घाटन के मौके पर सिविल इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. विकास गर्ग ने विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को नवाचार के लिए नई तकनीक सीखने की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के डीन डॉ. फूल सिंह ने इस सॉफ्टवेयर की उपयोगिता पर विस्तृत चर्चा की। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. नीरज कुमार ने चंडीगढ़ इंजीनियरिंग कॉलेज के इंजीनियर अनिल धीमान का परिचय प्रस्तुत किया। अनिल धीमान ने सॉफ्टवेयर की उपयोगिता से संबंधित विभिन्न पक्षों से अवगत कराया। साथ ही उन्होंने सिविल एवं स्ट्रक्चर इंजीनियरिंग के क्षेत्र में इस सॉफ्टवेयर के योगदान के बारे में बताया। अनिल धीमान ने एसएपी 2000 सॉफ्टवेयर पर स्ट्रक्चर प्रोटोटाइप निर्माण से लेकर स्ट्रक्चर एनालिसिस और डिजाइन की प्रक्रिया को समझाया तथा सॉफ्टवेयर बारीकियों से भी अवगत कराया। कार्यशाला में प्रश्नोत्तर सत्र के माध्यम से प्रतिभागियों ने विषय से संबंधित जिज्ञासाओं को शांत किया।
कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन डॉ. नीरज कुमार ने किया। उन्होंने सॉफ्टवेयर सीखने के साथ उस पर नियमित रूप से अभ्यास को भी जरूरी बताया। अंत में कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी का आभार भी व्यक्त किया। कार्यशाला में सिविल इंजीनियरिंग विभाग की ओर से डॉ. नीरज कुमार, डॉ. रणवीर सिंह, डॉ. अभिषेक जिंदल, डॉ. विकास कुमार, इंजीनियर दीपक राणा, इंजीनियर सनी तंवर, एवं इंजीनियर सुधीर कुमार तथा विद्यार्थी आयोजन दल से धर्मेंद्र कुशवाहा, सैय्यद अतयब, मो. ज़ैदी, कुश सिन्हा मौजूद रहे।

Three-Day Workshop on Structure Engineering Software
March 4, 2022

In order to enable the students in the best way in the modern skills of the education sector, the Department of Civil Engineering, School of Engineering and Technology, Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh, conducted a three days workshop on the SAP 2000 software of the world reputed CSI company from 4 March 2022 to 6 March 2022. The Vice Chancellor of the University, Professor Tankeshwar Kumar, while highlighting the role of this software at the national and international level in the present times, encouraged everyone to learn it. In addition, the Vice Chancellor expressed happiness over the participation of the youth.
On the occasion of the inauguration of this three-day workshop organised for the students and research scholars of Structure Engineering, Dr. Vikas Garg, Head of the Department of Civil Engineering, highlighted the usefulness of learning new techniques for innovation to the students and researchers. Dr. Phool Singh, Dean of School of Engineering and Technology discussed the usefulness of this software in detail. Dr. Neeraj Kumar, the coordinator of the programme presented the introduction of Anil Dhiman, Engineer of Chandigarh Engineering College. Anil Dhiman apprised various aspects related to the utility of the software. Along with this, he talked about the contribution of this software in the field of civil and structure engineering. Anil Dhiman explained the process of structure prototyping to structure analysis and design on SAP 2000 software and also exposed the software nuances. In the workshop, the participants clarified their queries related to the subject through a Q & A session.
At the end of the programme, a vote of thanks was addressed to Dr. Neeraj Kumar. Along with learning the software, he also called for regular practice in it.

In the end he thanked everyone for making the programme a success. On behalf of the Civil Engineering Department, Dr. Neeraj Kumar, Dr. Ranveer Singh, Dr. Abhishek Jindal, Dr. Vikas Kumar, Engineer Deepak Rana, Engineer Sunny Tanwar, and Engineer Sudhir Kumar and Dharmendra Kushwaha, Syed Atyab from the student organising team participated in the workshop. Mo. Zaidi and Kush Sinha were also present.

सीटीईटी में हकेवि के विद्यार्थियों ने किया उल्लेखनीय प्रदर्शन

16 मार्च, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ की शिक्षा पीठ में अध्ययनरत बी.एड. के 81 विद्यार्थियों ने केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा (सीटीईटी) में सफलता हासिल की है। शिक्षा पीठ के विद्यार्थियों की इस सफलता पर विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही ये विद्यार्थी शिक्षा के क्षेत्र में अपने उल्लेखनीय योगदान के माध्यम से भारत की नई पीढ़ी को तैयार करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

विश्वविद्यालय की कुलसचिव व शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने बताया कि सीटीईटी परीक्षा में इस बार पीठ के 81 विद्यार्थियों ने सफलता हासिल की है। उन्होंने इस सफलता के लिए विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उन शिक्षकों का भी आभार व्यक्त किया, जिनके प्रयासों से विद्यार्थी उल्लेखनीय प्रदर्शन कर पाएं। प्रो. सारिका शर्मा ने कहा कि अवश्य ही हम आगे भी इसी तरह से विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में उल्लेखनीय परिणाम प्राप्त करेंगे।

Remarkable Performance of CUH Students in CTET

March 16, 2022

81 students of B.Ed. studying in Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh, have qualified the Central Teacher Eligibility Test (CTET). Prof. Tankeshwar Kumar, Vice Chancellor of the University said that surely these students will play an important role in preparing the new generation of India through their remarkable contribution in the field of education.

Prof. Sarika Sharma, Registrar and Dean of School of Education said that this time 81 students of the school have achieved success in the CTET examination. Congratulating the students for this success, she also expressed her gratitude to the teachers whose efforts enabled the students to make remarkable performances. Prof. Sarika Sharma said that we will definitely achieve similar remarkable results in various competitive examinations in the future.

जैवरसायन विज्ञान विभाग के पांच विद्यार्थियों ने नेट/जेआरएफ की परीक्षा में किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

28 मार्च, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के जैवरसायन विज्ञान विभाग के विद्यार्थियों का नेट-जेआरएफ की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा। इस परीक्षा में जैवरसायन विज्ञान विभाग के चार विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय स्तर की नेट-सीएसआईआर एवं जेआरएफ तथा एक ने नेट/सीएसआईआर की परीक्षा उत्तीर्ण की। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थियों की इस सफलता पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि नेट/सीएसआईआर-जेआरएफ में सफलता प्राप्त करना विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की लगन एवं मेहनत को प्रदर्शित करता है।

अंतरविषय एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान पीठ की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान एवं जैवरसायन विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. पवन कुमार मौर्य ने विद्यार्थियों की उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि विभाग की छात्रा तनुजा मोहंती ने नेट/सीएसआईआर-जेआरएफ 86वां, विकास ने 113वां, नवीन ने 193वां तथा मेटल ब्रह्म ने 271वां रैंक प्राप्त किया है। वहीं विभाग की छात्रा करीना ने अखिल भारतीय स्तर पर नेट/सीएसआईआर में 56वां रैंक प्राप्त किया है। विद्यार्थियों ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने माता-पिता व गुरुजनों को दिया। विभाग के संकाय डॉ. अन्तरेश कुमार, डॉ. सौरभ सक्सेना, डॉ. ऊषा नागराजन एवं डॉ. मुलाका मारुती ने भी सभी विद्यर्थियों की सफलता पर बधाई दी।

Five Students of Department of Biochemistry Gave Excellent Performance in NET/JRF Examination

March 28, 2022

The students of the Department of Biochemistry, Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh, performed well in the NET-JRF examination. In this examination, four students of the Department of Biochemistry passed the national level NET-CSIR and JRF and one passed the NET/CSIR examination. University Vice Chancellor Prof. Tankeshwar Kumar, expressing happiness over the success of the students, said that getting success in NET/CSIR-JRF shows the dedication and hard work of the students and teachers.

Dean of Interdisciplinary and Applied Science Chair, Prof. Neelam Sangwan and Head of Department of Biochemistry, Prof. Pawan Kumar

Maurya, expressing happiness on the achievement of the students, motivated the students to move ahead in life. He said that Tanuja Mohanty, a student of the department has secured NET/CSIR-JRF 86th rank, Vikas 113rd, Naveen 193rd and Mettle Brahm 271st. At the same time, Kareena, a student of the department, has secured 56th rank in NET/CSIR at All India level. The students gave the credit of their success to their parents and teachers. Faculty of the department Dr. Antaresh Kumar, Dr. Saurabh Saxena, Dr. Usha Nagarajan and Dr. Mulaka Maruti also congratulated all the students on their success.

राष्ट्रीय एकता शिविर में हकेवि के स्वयंसेवकों ने किया नाम रोशन
31 मार्च, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के स्वयंसेवकों ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि कॉलेज, बावल में सात दिवसीय राष्ट्रीय एकीकरण शिविर में अनेक विधाओं में शानदार प्रदर्शन किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन के बाद विश्वविद्यालय पहुँचने पर टीम को सम्मानित किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने टीम के सदस्यों को बधाई देते हुए कहा कि पढ़ाई-लिखाई के साथ-साथ विश्वविद्यालय के विद्यार्थी सामाजिक सरोकार के क्षेत्र में भी विश्वविद्यालय का नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि स्वयंसेवक भविष्य में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन विश्वविद्यालय व इलाके का नाम रोशन करेंगे।

विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई के संयोजक डॉ. दिनेश चहल ने बताया कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की ओर से अर्पित दुबे व पूनम ने समूह नृत्य, नाटक, समूह गायन, भाषण, विभिन्न खेलों व प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। विश्वविद्यालय की छात्रा पूनम ने दौड़ में प्रथम स्थान प्राप्त कर विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया। उन्होंने बताया कि शिविर में हरियाणा, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, जम्मू कश्मीर, महाराष्ट्र, पंजाब, राजस्थान, गुजरात सहित विभिन्न राज्यों के 200 से अधिक स्वयंसेवकों ने हिस्सा लिया। विश्वविद्यालय की टीम ने उम्दा प्रदर्शन कर ईनाम जीता व स्वच्छता रैली, नुक्कड़ नाटक, रक्तदान जैसे विभिन्न प्रेरणादायी कार्यक्रमों में बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। उन्होंने बताया कि शिविर में प्रतिभागियों को अपने जीवन में कठिनाइयों से बचने व औरों को बचाने का प्रशिक्षण मिला।

CUH NSS Volunteers Participated in the National Integration Camp
March 31, 2022

National Service Scheme (NSS) volunteers of Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh performed brilliantly in the seven day National Integration Camp at Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University's Agricultural College, Bawal. The team was felicitated on reaching the university after its excellent performance. University Vice Chancellor, Prof. Tankeshwar Kumar congratulating the team members, said that along with studies, the students of the university are also bringing laurels to the university in the field of social concern. He expressed hope that in the future also the volunteers would bring laurels to the university with their excellent performance.

Dr. Dinesh Chahal, the convener of the NSS unit of the university, said that Arpit Dubey and Poonam participated in group dance, drama, group singing, speech, various games and quiz competition on behalf of Central University of Haryana. University student Poonam brought laurels to the university by getting the first position in the race. He said that more than 200 volunteers from different states including Haryana, Uttar Pradesh, Madhya Pradesh, Jammu and Kashmir, Maharashtra, Punjab, Rajasthan, Gujarat participated in the camp. The team of the university won prizes by performing well and participated enthusiastically in various inspirational programmes like cleanliness rally, street plays, blood donation. He said that in the camp the participants got training to survive the difficulties in their life and save others.

हकेवि में अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर कार्यक्रम आयोजित
21 फरवरी, 2022

इजराइल, फ्रांस, जर्मनी जैसे विकसित देशों को उत्कृष्टता प्राप्त करने में वहां की भाषाई एकता की भूमिका महत्त्वपूर्ण मानी जाती है। भारत के पुरातन ज्ञान के प्रति श्रद्धा और भविष्य निर्माण के लिए जारी प्रयासों के निर्धारित लक्ष्यों को पाने में संवाद की भाषा के स्तर पर एकरूपता महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इस दिशा में जारी प्रयासों को मूर्त रूप देने में बुद्धिजीवी वर्ग की भूमिका अहम है। यह विचार हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद, पंचकुला के अध्यक्ष प्रो. बी.के. कुठियाला ने सोमवार को हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ में आयोजित अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में व्यक्त किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की।

विश्वविद्यालय के राजभाषा अनुभाग व आज़ादी का अमृत महोत्सव अभियान समिति के प्रयासों से ऑनलाइन आयोजित कार्यक्रम की शुरूआत में आज़ादी का अमृत महोत्सव अभियान की नोडल ऑफिसर व कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा ने विषय की जानकारी दी और कुलपति का परिचय प्रस्तुत किया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अध्यक्षीय संबोधन में मातृभाषा से प्यार और उसके विकास के लिए विभिन्न प्रयासों को महत्त्वपूर्ण बताया। उन्होंने बताया कि आज इंजीनियरिंग विषयों जैसे तकनीकी विषयों की पढ़ाई हिंदी में हो पा रही है। कुलपति ने विश्व के विकसित राष्ट्रों की प्रगति में उनकी राष्ट्र भाषा के योगदान का भी उल्लेख किया। कुलपति ने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति विशेष रूप से मातृभाषा के माध्यम से युवा पीढ़ी के विकास की बात करती है जोकि मौजूदा समय की आवश्यकता है। इसी क्रम में कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रो. बी.के. कुठियाला ने भाषाई एकता का उल्लेख करते हुए मातृभाषा के विकास और उसमें वर्णित ज्ञान के संरक्षण व संवर्धन पर जोर दिया। प्रो. कुठियाला ने मातृभाषाओं की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए भाषाई एकता की दिशा में जारी विशेष प्रयासों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान में वर्णित 22 भाषाओं के स्तर पर एक विशेष एकीकृत शब्दकोश के निर्माण की प्रक्रिया जारी है। जिसके परिणाम स्वरूप पूरे देश में भाषाई एकता की परिकल्पना को साकार किया जा सकता है। उन्होंने इस अवसर पर सभी को मातृभाषा के सम्मान व संरक्षण के लिए भी संकल्प दिलाया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि का परिचय भूगोल विभाग के सहायक आचार्य डॉ. मनीष कुमार ने प्रस्तुत किया जबकि कार्यक्रम का संचालन विश्वविद्यालय के हिंदी अधिकारी शैलेंद्र सिंह ने किया। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन शिक्षा पीठ के प्रो. प्रमोद कुमार ने दिया। आयोजन में विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, अधिकारी व कर्मचारी ऑनलाइन माध्यम से उपस्थित रहे।

International Mother Tongue Day
January 21, 2022

The role of linguistic unity in developed countries like Israel, France, and Germany is considered important in achieving excellence. Uniformity at the level of language of dialogue can play an important role in achieving the set goals of India's reverence for the ancient knowledge and efforts to build the future. The role of the intelligentsia is important in giving concrete shape to the ongoing efforts in this direction. This idea was expressed by the Chairman of Haryana, State Higher Education Council, Panchkula, Prof. B.K. Kuthiala, as the keynote speaker in the programme organised on the occasion of International Mother Tongue Day at Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh on Monday. The programme was presided over by the Vice Chancellor of the University, Prof. Tankeshwar Kumar.

This online programme was organised by the Official Language Section and Azadi Ka Amrit Mahotsav Abhiyan Samiti. The Registrar of the University Prof. Sarika Sharma gave information about the subject and introduced the Vice Chancellor. In his address, Vice Chancellor, Prof. Tankeshwar Kumar described the love of mother tongue and specified that various efforts for its development are important. He said that today technical subjects like engineering are also being taught in Hindi. The keynote speaker of the programme Prof. B.K. Kuthiala, while referring to the linguistic unity, emphasised on the development of mother tongue as well as the preservation and promotion of the knowledge inherent in it. While highlighting the importance of mother tongues, Prof. Kuthiala mentioned the ongoing special efforts towards linguistic unity. On this occasion, he also administered a pledge to all for respect and protection of mother tongue.

The introduction of the chief guest of the programme was given by Dr. Manish Kumar, Assistant Professor, Department of Geography, while the programme was compèred by Shailender Singh, Hindi Officer of the University. Vote of thanks was given by Prof. Pramod Kumar. In this event, the Deans of various Schools, Head of the Departments, teachers, officers and employees of the university were present via online mode.

हकेवि राष्ट्रीय बालिका दिवस पर विशेष कार्यक्रम आयोजित
24 जनवरी, 2022

भारत के विकास में आधी आबादी का योगदान सदैव से ही महत्त्वपूर्ण रहा है। आज हम जब आत्मनिर्भर भारत की बात करते हैं तो यह बेहद आवश्यक है कि इस विकास यात्रा में महिलाएं भी अपना सक्रिय योगदान प्रदान करें। इस कार्य में शिक्षा और पारिवारिक माहौल की भूमिका बेहद महत्त्वपूर्ण है। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने राष्ट्रीय बालिका दिवस पर आयोजित वेबिनार को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। इस अवसर पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में दिल्ली राजस्व विभाग में उपायुक्त सुश्री ईरा सिंघल उपस्थित रहीं।

विश्वविद्यालय के महिला सशक्तीकरण प्रकोष्ठ एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के साझा प्रयासों से आयोजित इस कार्यक्रम के आरंभ में प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ. रेनु यादव ने विषय परिचय प्रस्तुत किया। इसके पश्चात विश्वविद्यालय शिक्षक सुनील अग्रवाल ने अतिथि वक्ता ईरा सिंघल का परिचय कराया। सुश्री ईरा सिंघल ने अपने संबोधन में महिला सशक्तिकरण हेतु महिलाओं के आर्थिक रूप में आत्मनिर्भर होने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में महिलाओं के पुरूषों व परिवार पर आश्रित होने के परिणामस्वरूप ही वह अपने निर्णय स्वयं ले पाने में सक्षम नहीं होती है। उन्होंने कहा कि आर्थिक आत्मनिर्भरता के माध्यम से वे न सिर्फ सबल व सक्षम बनेंगी बल्कि प्रयासों से देश के विकास का मार्ग भी प्रशस्त करेंगी। इस अवसर पर प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने भी सामाजिक सोच में बदलाव व आर्थिक सशक्तिकरण को महिलाओं के लिए उपयोगी बताया। कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय की कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस आयोजन में महिला सशक्तीकरण प्रकोष्ठ की डॉ. अनीता ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

National Girl Child Day
January 24, 2022

Women Empowerment Cell of the Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh organised a webinar on National Girl Child Day. On this occasion, Ms. Ira Singhal, Deputy Commissioner, Revenue Department, Delhi, was Chief Guest and Vice Chancellor of the University, Prof. Tankeshwar Kumar presided over the session. Dr. Renu Yadav, Convenor, Women Empowerment Cell welcomed the guests and conveyed the concept of the programme.

Mr. Sunil (B.Voc.) introduced the chief guest. Ms. Ira Singhal in her address highlighted the significance of economic empowerment in the life of girls. She emphasised that girls should raise their voice to be heard for social and national development. Vice Chancellor, Prof. Tankeshwar Kumar highlighted the significance of education and role of family attitude in empowerment of girls. Dr. Anita introduced the Vice Chancellor. Prof. Sunita Srivastava spoke about the importance of societal attitude and financial empowerment of girls and women.

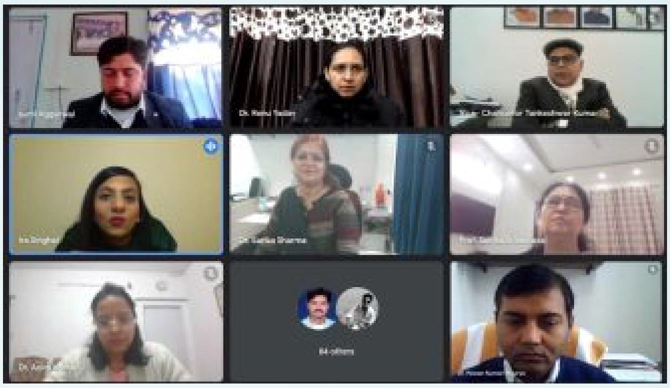

Prof. Sarika Sharma (Registrar) proposed a vote of thanks. The NSS volunteers participated enthusiastically by raising many questions during the programme.

73वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर हकेवि में कार्यक्रम आयोजित
26 जनवरी, 2022

भारत का ७३वां गणतंत्र दिवस हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ में कोरोना नियमों का पालन करते हुए हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सर्वप्रथम विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड तीन स्थित विद्या वीरता स्थल पर देश की सेवा में शहीद सैनिकों को नमन किया। इसके पश्चात प्रशासनिक खंड स्थित उद्यान में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर उन्होंने शिक्षकों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दी और भारत की संवैधानिक परम्परा को याद किया। कुलपति ने इस मौके पर भारतीय गणतंत्र की स्थापना में योगदान देने वाले वीर सपूतों और उसकी रक्षा में जुटे जवानों के बलिदान को याद किया और कहा कि भारतीय संविधान की चेतना की रक्षा हेतु सामूहिक प्रयास आवश्यक है।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि संविधान निर्माताओं ने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान, पहले और बाद में हुई हर बात को ध्यान में रखा हैं। उन्होंने उन लोगों के दृष्टिकोण, ज्ञान और सामूहिक लोकाचार को भी ध्यान में रखा हैं, जिन्होंने भारत के संविधान निर्माण में योगदान दिया। कुलपति ने कहा कि बीते दो वर्ष भारत ही नहीं बल्कि समूचे विश्व के समक्ष बेहद चुनौतीपूर्ण रहे। इस अवधि के दौरान भारत ने कोरोना महामारी से जहां एक ओर खुद को बचाने का कार्य किया, वहीं उसने अन्य देशों को भी इस संकट से लड़ने में सहयोग प्रदान किया। यह भारत ही था जिसने एक दिन में ढाई करोड़ लोगों का टीकाकरण कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया।

उन्होंने कहा कि शिक्षा का क्षेत्र भी इस महामारी से बेहद प्रभावित हुआ। बावजूद इसके शिक्षकों व कर्मचारियों ने विद्यार्थियों का नुकसान नहीं होने दिया। कुलपति ने विश्वविद्यालय की प्रगति का उल्लेख करते हुए बताया कि तमाम बाधाओं के बीच विश्वविद्यालय ने सफलतापूर्वक स्नातक, स्नातकोत्तर व शोध पाठ्यक्रमों में दाखिले की प्रक्रिया पूरी की। रिसर्च प्रमोशन बोर्ड का गठन किया, इनोवेशन व इन्क्यूबेशन सेंटर, ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेंटर, एंटरप्रान्योर सेल की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि शिक्षकों, कर्मचारियों की नियुक्ति व पद्दोन्नति का कार्य निरंतर जारी है। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस अवसर पर विद्यार्थियों हेतु विभिन्न सहभागियों द्वारा जारी प्रयासों की सराहना की और कहा कि उन्हें यकीन है कि जल्द ही कोरोना संकट पर हम जीत हासिल करेंगे और पूर्व की तरह ही शिक्षण कार्य जल्द शुरू होगा। कुलपति ने अपने संबोधन में प्रस्तावित राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) 2022 मूल्यांकन का उल्लेख करते हुए कहा कि अवश्य ही इस बार भी विश्वविद्यालय सभी के सामूहिक प्रयासों से अच्छी रैंक हासिल करेगा।

कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय कुलपति ने गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं देते हुए देश के सैनिकों, किसानों व बुद्धिजीवियों के प्रयासों की सराहना की और सभी को मिलकर भारत की प्रगति में योगदान के लिए प्रेरित किया। विश्वविद्यालय में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में अभिलाषा केंद्र में अध्ययनरत बच्चों ने देशभक्ति गीत पर रंगारंग प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के आंरभ में छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. दिनेश गुप्ता ने कुलपति का परिचय प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय की कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। मंच का संचालन सुनील अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, प्रो. नीलम सांगवान, प्रो. दिनेश कुमार, प्रो. सुनील कुमार, प्रो. चंचल कुमार शर्मा, प्रो. फूल सिंह, प्रो. रंजन अनेजा, डॉ. अजयपाल शर्मा सहित विभिन्न पीठों के अधिष्ठाताओं, विभागाध्यक्षों, शिक्षकों, अधिकारियों व कर्मचारियों ने हिस्सा लिया।

73rd Republic Day Celebration
January 26, 2022

India's 73rd Republic Day was celebrated with gaiety, following the Covid protocols at Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh. University Vice Chancellor, Prof. Tankeshwar Kumar first paid tribute to the martyred soldiers in the service of the country at the Vidya Veerta Sthal located in the Academic Block 3 of the University. After this, Prof. Tankeshwar Kumar hoisted the flag. On this occasion, he greeted the teachers, employees and students and remembered the constitutional tradition of India. He remembered the sacrifices of the brave sons and daughters who contributed to the establishment of the Indian Republic and the soldiers involved in its defence and said that collective efforts are necessary to protect the consciousness of the Indian Constitution.

Prof. Tankeshwar Kumar in his address, said that the framers of the constitution have kept in mind everything that happened before, during and after the freedom struggle. They have also taken into account the attitude, wisdom and collective ethos of those who contributed to the making of the Constitution of India. The Vice Chancellor said that the last two years have been very challenging not only for India but for the whole world. During this period, while India did the work of protecting itself from the corona epidemic, on the other hand, it also assisted other countries in fighting this crisis. It was India which set a new record by vaccinating 2.5 crore people in a day. He said that the education sector was also greatly affected by this pandemic. Despite this, the teachers and staff did not let the students suffer. Referring to the progress of the university, the Vice Chancellor said that amidst all the hurdles, the university successfully completed the admission process for undergraduate, postgraduate and research courses. Established Research Promotion Board, Innovation and Incubation Centre, Training and Placement Centre, Entrepreneur Cell. He said that the work of appointment and promotion of teachers, employees is going on continuously. He

appreciated the efforts made by various participants and said that he is sure that soon we will win over the Corona crisis and the teaching work will start as before. Referring to the proposed National Assessment and Accreditation Council (NAAC) 2022 assessment in his address, the Vice Chancellor said that surely this time also the university will achieve good rank with the collective efforts of all.

At the end of the programme, the Vice Chancellor of the University, while wishing the Republic Day,

presently running here. Under the leadership of the Vice Chancellor, Prof. Tankeshwar Kumar, this University is persistently progressing. The Chief Guest said that the University and the government has one goal and that is to bring welfare to all with the spirit of Antyodaya and to actualize the dream of 'Sabka Saath Sabka Vikas'.

The Vice Chancellor, Prof. Tankeshwar Kumar said that this University is fully realising the dreams of Guru Ravidas ji. He said that God resides in all of us. We just need to identify Him. While serving humanity, we can achieve divinity. The University is playing an important role in giving social messages and spreading social awareness. The University's goal is to realise the dreams of Guru Ravidas and that all the students get equal opportunities while special efforts are being made to bring forward those who do not get the opportunity to advance in the society.

On this occasion, the Honourable Minister was introduced by Prof. Sunita Srivastava while the Vice Chancellor was introduced by Prof. Sarika Sharma. Dean of School of Humanities and Social Sciences, Prof. Chanchal Kumar Sharma said that 300 participants registered for the webinar. The programme was compèred by Assistant Professor, Alekha S Nayak from the Dept. of Journalism and Mass Communication, while vote of thanks was given by Dr. Surendra Singh. Prof. Pawan Kumar Maurya and Dr. Dilbag Nishan Singh played a significant role in the successful organisation of the webinar. Deans of Various Schools of the University, Heads of the Departments, Teachers, Students and Researchers were also present.

वंडर्स ऑफ इनोवेशन के साथ मनाया गया हकेवि का स्थापना दिवस

25 फरवरी, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ में विश्वविद्यालय के चौदहवें स्थापना दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय में कला व विज्ञान का बेजोड़ संगम वंडर्स ऑफ इनोवेशन व वार्षिकोत्सव स्पंदन 2022 के माध्यम से देखने को मिला। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पद्मश्री प्रो. एच.सी. वर्मा उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय द्वारा अर्जित विभिन्न उपलब्धियों के माध्यम से समूची विकास यात्रा का स्मरण किया और भविष्य की कार्ययोजना पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि कैसे हमने कौशल विकास को महत्त्व देते हुए शैक्षणिक बदलावों की दिशा में प्रयास किए हैं और सामाजिक सरोकारों को ध्यान में रखते हुए प्रगति के लिए निरंतर अग्रसर हैं।

इससे पूर्व विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस की शुरुआत प्रातः प्रशासनिक भवन में हवन के साथ हुई। विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित विभागीय व स्थानीय स्कूलों द्वारा प्रस्तुत उनके उल्लेखनीय प्रयासों की प्रदर्शनी वडंर्स ऑफ इनोवेशन का शुभारंभ पद्मश्री प्रो. एच.सी. वर्मा के करकमलों से हुआ। इस अवसर पर राष्ट्रीय विज्ञान दिवस आयोजन समिति की संयोजिका व सेंटर फॉर इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन की प्रमुख प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान, शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार, कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा, राष्ट्रीय विज्ञान दिवस आयोजन सचिव प्रो. राजेश कुमार गुप्ता सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, प्रभारी, शिक्षक आदि उपस्थित रहे। प्रो. वर्मा ने इस अवसर पर प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय कुलपति ने वर्ष 2009 में स्थापना के बाद से विश्वविद्यालय की विकास यात्रा और उसके विभिन्न पड़ावों का उल्लेख अपने उद्बोधन में किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय प्रगति के पथ पर अग्रसर है और अब वह दिन दूर नहीं जब हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय देश ही नहीं बल्कि विश्व पटल पर पहचाना जाएगा। इसके पश्चात् प्रो.सुनीता श्रीवास्ताव ने मुख्य अतिथि प्रो.एच.सी.वर्मा का परिचय प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रो. एच.सी. वर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि जीवन में परेशानियां व चुनौतियां आती रहती हैं लेकिन सफलता उन्हीं को मिलती है, जिनकी जिद्द बड़ी होती है। उन्होंने विश्वविद्यालय की प्रगति का उल्लेख करते हुए कहा कि जिस तरह से एक बहुत ही छोटे से समय में यह विश्वविद्यालय इस मुकाम तक पहुँचा है, वह इससे जुड़ें सभी सहभागियों की जिद्द का ही नतीजा है। इसलिए अपनी कमजोरी को पहचाने और अपनी क्षमताओं का अधिकतम प्रयोग कर सफलता के लिए जिद्द करें। उन्होंने इस मौके पर हरियाणा की पावन धरती का भी स्मरण किया और कहा कि इस पवित्र धरती पर विद्यमान विश्वविद्यालय में एक मिनी इंडिया बसता है और मुझे यकीन है कि इसके विद्यार्थी, शोधार्थी व अन्य सहभागी इसे बुलंदियों तक ले जायेंगे।

कार्यक्रम के अंतर्गत विश्वविद्यालय के वार्षिक पुरस्कार भी प्रदान किए गए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय पुस्तकालय की बेवसाइट व न्यूज लेटर का विमोचन भी हुआ। वार्षिक पुरस्कारों की घोषणा शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने की। इसमें शैक्षणिक व शिक्षणेतर कर्मचारियों को उनके योगदान के लिए प्रोत्साहित किया गया। शैक्षणिक श्रेणी में बेस्ट रिसर्चर पब्लिकेशन (साइंस एंड इंजीनियरिंग) अवार्ड डॉ. देवेंद्र कुमार को बेस्ट रिसर्चर पब्लिकेशन (मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान) प्रो. रंजन अनेजा को, बेस्ट रिसर्चर इम्पेक्ट (साइंस एंड इंजीनियरिंग) प्रो. बिजेंद्र सिंह को, बेस्ट रिसर्चर इम्पेक्ट (मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान) डॉ. अजय पाल शर्मा को, बेस्ट रिसर्चर एच इंडेक्स (साइंस एंड इंजीनियरिंग) डॉ. मनोज कुमार सिंह को, बेस्ट रिसर्चर एच इंडेक्स (मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान) प्रो. चंचल कुमार शर्मा को, बेस्ट रिसर्चर प्रोजेक्ट (साइंस एंड इंजीनियरिंग) प्रो. गुंजन गोयल को, बेस्ट रिसर्चर इंवेंटर प्रो. हरीश कुमार को

appreciated the efforts of the soldiers, farmers and intellectuals of the country and inspired everyone to contribute together in the progress of India. Children studying in Abhilasha Kendra gave a colourful presentation on patriotic songs in the Republic Day celebrations organised in the university. At the beginning of the programme, Dean of Student Welfare, Prof. Dinesh Gupta introduced the Vice Chancellor. At the end of the programme the Registrar of the University, Prof. Sarika Sharma proposed a vote of thanks. The stage was compèred by Sunil Agarwal. On this occasion the first lady of the university, Prof. Sunita Srivastava, along with Prof. Neelam Sangwan, Prof. Dinesh Kumar, Prof. Sunil Kumar, Prof. Chanchal Kumar Sharma, Prof. Phool Singh, Deans, Heads of Departments, teachers, officers and employees of various benches including Ranjan Aneja and Dr. Ajaypal Sharma werealso present.

गुरु रविदास जयंती पर हकेवि में कार्यक्रम आयोजित
16 फरवरी, 2022

गुरु रविदास जयंती के अवसर पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ में बुधवार को वेबिनार का आयोजन किया गया। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा आयोजित इस वेबिनार में केंद्रीय सामाजिक न्याय एव अधिकारिता मंत्री श्री विरेंद्र कुमार ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की।

विश्वविद्यालय में ऑनलाइन व ऑफलाइन दोनों ही माध्यमों से आयोजित कार्यक्रम का शुभारम्भ विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुआ। कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि श्री विरेंद्र कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि ईश्वर हर जगह विद्यमान है और हमें मानव व मानवता से प्रेम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हरियाणा की भूमि वीर सपूतों की भूमि है। मैं यहां पर इस विश्वविद्यालय में जुड़कर अपने आप को युवा महसूस कर रहा हूँ। इस विश्वविद्यालय ने थोड़े समय में जो तरक्की की है वह प्रशंसनीय है। इसका प्रमाण यहां देश के विभिन्न राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों के अध्ययनरत विद्यार्थी व 70 से अधिक पाठ्यक्रम संचालित होना है। यह विश्वविद्यालय प्रो. टंकेश्वर कुमार के नेतृत्व में दिन दुगनी रात चौगुनी प्रगति कर रहा है। मुख्य अतिथि ने कहा कि विश्वविद्यालय व सरकार का एक ही लक्ष्य है कि किस तरह से अंत्योदय की भावना के साथ सभी का कल्याण किया जाए व सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास के सपने को साकार किया जाए। उन्होंने कहा कि सरकार व विश्वविद्यालय का एक ही उद्देश्य है कि जो समाज में सबसे नीचे है उन्हें उन्नति का अवसर प्रदान करें। उन्होंने कहा कि हमने गुरु रविदास जी के विचारों को सौ प्रतिशत आत्मसात किया है और नेक नियति के साथ न केवल हर वादों को निभाया है, वरन उससे भी आगे बढ़कर कार्य किया है। उन्होंने कहा कि हरियाणा की बेटियां हर क्षेत्र में आगे हैं, चाहे वह खेल हो या अंतरिक्ष हो। उन्होंने कहा कि हमें गुरु रविदास जी से प्रेरणा लेकर सामाजिक समरता का संदेश हर घर तक पहुँचाना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मंत्री महोदय का स्वागत करते हुए कहा कि यह विश्वविद्यालय गुरु रविदास जी के सपनों को पूर्ण रूप से साकार कर रहा है। उन्होंने कहा कि हम सभी में परमात्मा विद्यमान है। जरूरत है उसे ढूंढने की। मानवता की सेवा करते हुए हम परमात्मा को प्राप्त कर सकते हैं। विश्वविद्यालय सामाजिक संदेश देने में व सामाजिक जागरूकता फैलाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। विश्वविद्यालय का लक्ष्य है कि किस तरह से गुरु रविदास के सपनों को साकार किया जाए और सभी विद्यार्थियों को समान अवसर मिले तथा जिनको समाज में अभी तक उन्नति के अवसर नहीं मिले उनको आगे लाने के लिए विश्वविद्यालय विशेष प्रयास कर रहा है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय का परिचय व माननीय मंत्री महोदय का परिचय प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने और कुलपति महोदय का परिचय प्रो. सारिका शर्मा ने दिया। मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान पीठ के अधिष्ठाता प्रो. चचंल कुमार शर्मा ने बताया कि वेबिनार के लिए लगभाग 300 प्रतिभागियों ने पंजीकरण करवाया। कार्यक्रम का संचालन पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के सहायक आचार्य आलेख एस नायक ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सुरेंद्र सिंह ने किया। वेबिनार के सफल आयोजन में प्रो. पवन कुमार मौर्य, डॉ. दिलबाग, निशान सिंह ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। वेबिनार में विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

Guru Ravidas Jayanti Celebration
February 16, 2022

On the occasion of Guru Ravidas Jayanti, a webinar was organised by the Department of Journalism and Mass Communication on Wednesday in Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh. In this webinar, Central Social Justice and Empowerment Minister, Shri Virendra Kumar was the Chief Guest, and the programme was presided over by the Vice Chancellor, Prof. Tankeshwar Kumar.

While addressing the programme, Mr. Virendra Kumar said that God is everywhere, and we should love humans and humanity. He said that the land of Haryana is the land of heroes. This University has progressed in a short time, which is indeed commendable. This is proved by the fact that the students studying here are from different states and Union territories and more than 70 curricula are

तथा बेस्ट रिसर्चर कोलबरेशन प्रो. सुरेंद्र कुमार को प्रदान किया गया। इसी क्रम में शिक्षणेतर श्रेणी में रामबीर गुर्जर, संजय, चेतन कुमार, अमरजीत को तथा आउटसोर्स कर्मचारियों में रेखा, फतेह सिंह, पूनम, कमलेश, मंजीत कुमार, विजय, राकेश व राजेश को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद के सदस्य डॉ. मनोज अवस्थी व प्रो. ताहिर हुसैन भी उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के वार्षिकोत्सव स्पंदन 2022 के अंतर्गत विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा व डॉ. आरती यादव ने स्पंदन 2022 के अंतर्गत विश्वविद्यालय शिक्षक डॉ. नितिन ग्रुप ने नृत्य प्रस्तुत किया तथा आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, बिहार, हरियाणा व केरल राज्य की प्रस्तुतियों ने मन मोह लिया। कार्यक्रम में प्रतिष्ठित डॉ. सतीश कश्यप का सांग, डॉ. धर्मेंद्र कौशिक, कुलदीप व अंजलि राघव की प्रस्तुतियां तथा नागेंद्र एंड ग्रुप के डांस आकर्षण का केंद्र रहे।

CUH Celebrated 14th Foundation Day
February 25, 2022

The 14th Foundation Day of Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh, was celebrated in the University with a confluence of two events “Wonders of Innovation" and “Annual Festival Spandan 2022”. Padma Shri Prof. H.C. Verma was present on this occasion as the Chief Guest. Prof. Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor of the university reminisced the entire development journey of the University through its various achievements and also highlighted the future action plan.

The Foundation Day of the University started in the morning with a hawan. The exhibition by various departments and local schools were organised on the occasion of National Science Day in the University which was inaugurated by Padmashree Prof. H.C. Verma. On this occasion, Prof. Sunita Srivastava, Convener, Organising Committee, National Science Day and the head of the Centre for Innovation and Incubation, Prof. Neelam Sangwan, Dean Research, Prof. Dinesh Kumar, Dean Academics, Prof. Sarika Sharma, Registrar, Prof. Rajesh Kumar Gupta, Organising Secretary National Science Day, Head of various departments, Teacher-in-charges, teachers, etc., were present. Prof. Tahir Hussain & Prof. Manoj Awasthi, Executive Council members were also present on this occasion.

Prof. Verma also visited the exhibition. While addressing the foundation day celebration of the University, the Vice Chancellor mentioned the development journey of the University and its various stages since its establishment in the year 2009. He said that the University is on the path of progress and now the day is not far when Central University of Haryana will be recognized not only in the country but also worldwide. While presenting the progress report of the University, Prof. Tanskeshwar Kumar said that the University is aiming to get a good ranking at international platforms by publishing 1000 research papers in the coming years. Padam Shri, Prof. H.C. Verma, Chief Guest at the programme in his address said that students need to be highly determined in their studies and professional life. He then highlighted that we need to explore our strengths to deliver the best.

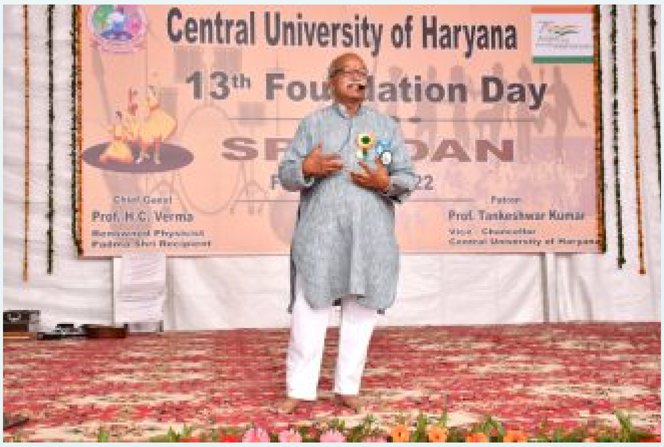

The annual awards of the University were also presented to the academic and non-teaching staff. The Best Research Publication in Science and Engineering Award went to Dr. Devendra Kumar; the Best Research Publication in Humanities and Social Sciences to Prof. Ranjan Aneja; the Best Research Impact in Science and Engineering to Prof. Bijendra Singh; the Best Research Impact in

Humanities & Social Sciences to Dr. Ajay Pal Sharma; the Best Research H-Index in Science & Engineering to Dr. Manoj Kumar Singh; the Best Researcher H-Index in Humanities & Social Sciences to Prof. Chanchal Kumar Sharma; the Best Researcher Project (Science and Engineering) to Prof. Gunjan Goyal, Best Research Inventor to Prof. Harish Kumar and the Best Research Collaboration Award to Prof. Surendra Kumar. In the same sequence, awards were given to Rambir Gurjar, Sanjay, Chetan Kumar, Amarjeet in non-teaching category while Rekha, Fateh Singh, Poonam, Kamlesh, Manjeet Kumar, Vijay, Rakesh and Rajesh were awarded among the outsourced employees.

On this occasion the University Newsletter and Library website were also inaugurated by the chief guest. Dr. Manoj Awasthi, member of the Executive Council of the University was also present at that time. Various cultural programmes were organised under the University's annual festival "Spandan 2022".

हकेवि के आठवें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय

27 फरवरी, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के आठवें दीक्षांत समारोह का आयोजन रविवार, 27 फरवरी को हुआ। इस अवसर पर हरियाणा के राज्यपाल माननीय श्री बंडारू दत्तात्रेय ने मुख्य अतिथि के तौर पर कार्यक्रम की शोभा बढ़ायी जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड के अध्यक्ष प्रो. के.के. अग्रवाल दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। दीक्षांत समारोह में हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री श्री ओमप्रकाश यादव व पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा भी उपस्थित रहे। राज्यपाल महोदय ने इस अवसर पर स्वतंत्रता सेनानी चंद्रशेखर आजाद के बलिदान दिवस के अवसर पर उन्हें श्रद्धासुमन भी अर्पित किए। विश्वविद्यालय में आयोजित इस दीक्षांत समारोह की शुरुआत कुलगीत के साथ हुई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय का न्यूज लेटर व स्मारिका का विमोचन भी किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि राज्यपाल माननीय श्री बंडारू दत्तात्रेय ने उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि समाज और देश को डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों से बहुत अपेक्षाएं हैं। हमें समाज और राष्ट्र के लिए योगदान देने के लिए कड़ी मेहनत करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सरकार कौशल विकास व स्टार्टअप्स के क्षेत्र में रोजगार हेतु बहुत खर्च कर रही है। हमें नौकरी चाहने वाले की बजाय नौकरी देने वाले बनने की जरूरत है। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा चलाए जा रहे डिजिटल इंडिया अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि इस अभियान के माध्यम से रोजगार, स्वरोजगार व आत्मनिर्भरता के नए मार्ग खुलने के साथ-साथ यह अभियान देश को डिजिटल रूप से सशक्त समाज व ज्ञान आधारित व्यवस्था में बदलाव लाने में सहायक साबित हो रहा है। उन्होंने कहा कि आज आर्टिफिसियल इंटेलिजेंस, स्मार्ट बोर्ड, ब्लॉकचेन, कंप्यूटिंग उपकरण आदि जैसे प्रौद्योगिकी क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। मुख्य अतिथि ने कोरोना महामारी के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा किए गए कार्यों के लिए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व उनकी टीम को बधाई दी। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा किए गए प्रयासों की भी सराहना की।

दीक्षांत समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित प्रो. के.के. अग्रवाल ने कहा कि एक से अधिक विषयों का ज्ञान आवश्यक है। इसमें अंतःविषयी और लाइफ लांग लर्निंग पाठ्यक्रम महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि शोध स्थानीय एवं राष्ट्रीय विकास में मदद देने वाला होना चाहिए। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में विश्वविद्यालय की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की और मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि का उनकी उपस्थिति के लिए हृदय से आभार प्रकट किया। इस अवसर पर कुलपति ने उपाधि व स्वर्ण पदक पाने वाले विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। साथ ही कुलपति ने उनके माता-पिता व शिक्षकों की भी सराहना की, जिन्होनें विद्यार्थियों की आकांक्षाओं को साकार करने में मदद की।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की उपलब्धियों का ब्यौरा प्रस्तुत करते हुए कुलपति ने बताया कि महामारी की विभिन्न चुनौतियों एवं बाधाओं के बावजूद विश्वविद्यालय ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और अनुसंधान को बढ़ावा देने के अपने उद्देश्य को दृढ़ रखा। विश्वविद्यालय की शोध उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि विश्वविद्यालय आने वाले वर्षों में अपने अनुसंधान एवं नवाचार कार्यों में अग्रणी स्थिति में होगा। दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद, शैक्षणिक परिषद व विश्वविद्यालय की कोर्ट के सदस्य, विभिन्न शिक्षण संस्थानों, विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक, वित्त अधिकारी डॉ. विकास कुमार, विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

२४ स्वर्ण पदक सहित १०७८ विद्यार्थियों को उपाधियां मिली।

हकेवि के आठवें दीक्षांत समारोह में कुल 1078 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को पीएच.डी., एम.फिल., स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधियाँ व स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। इनमें स्नातक पाठ्यक्रमों के अंतर्गत बी.टेक. में 148 तथा बी.वॉक. में 72 विद्यार्थियों को तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 825 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई। 19 शोधार्थियों को पीएच.डी. एवं 14 को एम.फिल. की उपाधि प्रदान की गई। 1078 विद्यार्थियों व शोधार्थियों में 604 छात्र और 474 छात्राएं शामिल हैं। 975 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए हैं।

Governor Shri Bandaru Dattatreya Attended the Eighth Convocation at CUH
February 27, 2022

The Eighth Convocation of Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh was held on Sunday, 27 February 2022. On this occasion, his excellency Shri Bandaru Dattatraya, Governor of Haryana was the Chief Guest, while Prof. K.K. Aggarwal, Chairman, National Board of Accreditation was present as Guest of Honour. The Convocation began with the University's Kulgeet. The Chief Guest, Shri Bandaru Dattatraya (Governor of the State of Haryana) said "The society and the country are expecting a lot from the students passing out from the University. We need to strive hard to contribute to society and the nation". He further said that "The government is spending a lot on skill development for improving the employment ratio. Similarly, on startups he said, “we need to become job givers rather than job seekers".

The Guest of Honour, Prof. K.K. Agarwal claimed that "knowing more than one discipline is necessary. Thus, interdisciplinary and lifelong learning courses play a vital role in the development of a university. As NEP has rightly promulgated, “we need to prepare global citizens rooted in India". He further said that research not linked to society is of no use. He said that, "our research should help in the progress of local and national development.”
Prof. Tankeshwar Kumar, Vice Chancellor of the University presented the progress report of the university and thanked the Chief Guest and the distinguished guests for their presence. On this occasion, the Vice Chancellor congratulated the students who received the degrees as well as gold medals and wished for their bright future. At the same time, the Vice Chancellor also appreciated parents and teachers, who helped in realising the aspirations of the students. While presenting the details of the achievements of the university, the Vice Chancellor, stated that despite the challenges and obstacles faced due to the pandemic, the university kept its aim and vision firm to promote quality education and research. Highlighting the research achievements of the university, Prof. Tankeshwar Kumar said that the university shall be in a leading position in its research and innovation work in the coming years.
Minister of Social Justice & Empowerment, Govt. of Haryana, O.P. Yadav and Former Education Minister, Prof. Rambilas Sharma were also present in the programme. Besides, members of the Executive Council, Academic Council and Members of the Court of the University, dignitaries from different Educational institutions, Deans of different Schools, Prof. Sarika Sharma, Registrar; Prof. Rajiv Kaushik, Controller of Examinations; Dr. Vikas Kumar, Finance Officer and Heads of the various Departments, teachers, students and researchers were present at the convocation.
At the Eighth Convocation of Central University of Haryana students from Ph.D, M.Phil, Graduate and Postgraduate courses were awarded a total of 1078 degrees. Among these, 148 in B.Tech, 72 students in B.Voc. while in Post-Graduate 825 students were conferred degrees. Ph.D. degree to 19 researchers and M.Phil. degree to 14 researchers were also awarded. Among 1078 students and researchers, 604 boys and 474 girls were there. It is important to mention that 975 students passed with the first division.

हकेवि में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर वेबिनार व विशेष चर्चा का हुआ आयोजन
8 मार्च, 2022

महिलाएं मानव जाति के विकास और उसके उत्थान में आरंभ से ही महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती आई हैं। अपने आसपास नजर डालने पर हम स्पष्ट रूप से देख सकते हैं कि महिलाएं किस तरह से आज के दौर में घर, परिवार व कार्यक्षेत्र में संतुलन बनाते हुए पुरुषों की अपेक्षा उल्लेखनीय उपलब्धियों को प्राप्त कर रही हैं। महिलाओं की भूमिका देश-दुनिया के विकास में सदैव ही निर्णायक रही है और इसे जानते-समझते हुए हमारी पहली प्राथमिकता महिलाओं के लिए ऐसे आदर्श वातावरण का निर्माण करना है, जिसमें महिलाएं अपनी क्षमताओं का अधिकतम प्रदर्शन कर पाएं। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। इस अवसर पर

विश्वविद्यालय की कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा व प्रो. सुनीता श्रीवास्तव भी उपस्थित रहीं।

विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला सशक्तीकरण प्रकोष्ठ की ओर से विशेष चर्चा का आयोजन किया गया। इसी क्रम में विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग में महिला दिवस के अवसर पर वेबिनार का आयोजन किया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में महज 16 वर्ष की उम्र में एवरेस्ट फतेह करने वाली शिवांगी पाठक उपस्थित रहीं। प्रातः आयोजित वेबिनार में विशेषज्ञ मुख्य अतिथि शिवांगी पाठक ने अपने संघर्ष के पलों को प्रतिभागियों से साझा किया और बताया कि उन्होंने किस तरह से एवरेस्ट की चोटी पर चढ़ाई का सफर तय किया। उन्होंने अपनी इस उपलब्धि के लिए महामहिम राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी व हरियाणा सरकार की ओर से मिले सम्मान व प्रोत्साहन का भी विशेष रूप से उल्लेख किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपति ने छात्राओं के लिए उपयोगी विभिन्न योजनाओं व व्यवस्थाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि उनकी हमेशा ही कोशिश रहती है कि लड़कियों को आगे बढ़ाया जाए क्योंकि लड़कियां बढ़ेंगी तो समाज व देश प्रगति करेगा। उन्होंने लड़कियों को बचाने व पढ़ाने से लेकर घर के बाहर बेटियों का नाम प्रदर्शित करने की परिपाटी का उल्लेख भी अपने संबोधन में किया।

इसी क्रम में विश्वविद्यालय के महिला सशक्तीकरण प्रकोष्ठ ने आज़ादी का अमृत महोत्सव अभियान के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के सहयोग से विशेष चर्चा का आयोजन किया। चर्चा को संबोधित करते हुए कुलपति ने महिलाओं के योगदान को महत्त्वपूर्ण बताया। इस आयोजन में प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कहा कि महिलाएं समय-समय पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर समाज व देश के विकास में योगदान दे रहीं हैं और आधी आबादी के बिना कोई भी परिवार, समाज, देश प्रगति नहीं कर सकता है। विश्वविद्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम में कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा ने भी विभिन्न स्तरों पर महिलाओं की भूमिका और उनके योगदान से प्रतिभागियों को अवगत कराया। चर्चा में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के 12 शोधार्थियों ने लैंगिक समानता पर अपने विचार रखें। डॉ. पायल चंदेल ने पेनल चर्चा का मोडरेशन किया जबकि मंच का संचालन डॉ. स्वाति ने किया। इस कार्यक्रम में प्रकोष्ठ की सदस्य सुश्री रेनु, डॉ. अनीता सहित प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ. रेनु यादव ने विशेष भूमिका निभाई जबकि वेबिनार के आयोजन में पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के डॉ. सुरेंद्र कुमार, विभाग प्रभारी आलेख एस. नायक, डॉ. भारती बत्रा की भूमिका महत्त्वपूर्ण रही।

Webinars and Special Discussions on International Women's Day
March 8, 2022

Women have been playing an important role in the development and upliftment of mankind since the very beginning. Looking around we can clearly see how in today's era women are achieving remarkable achievements in comparison to men, balancing the home, family and work area. The role of women has always been decisive in the development of the country and the world and knowing this, our first priority is to create such an ideal environment for women, in which women can perform their abilities to the maximum. This view was shared by the Vice Chancellor of Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh, Prof. Tankeshwar Kumar while addressing the programme organised on the occasion, of International Women's Day. On this occasion the Registrar of the University, Prof. Sarika Sharma and Prof. Sunita Srivastava were also present. A special discussion was organised by the Women's Empowerment Cell on the occasion of International Women's Day in the university. In this sequence, a webinar was organised in the Journalism and Mass Communication Department in which Miss Shivangi Pathak, who climbed Everest at the age of 16, was present as the Chief Guest. In the webinar, the expert Miss Shivangi Pathak shared the moments of her struggle with the participants and told how she managed to climb the summit of Everest. She also specifically mentioned the honour and encouragement received by President Shri Ram Nath Kovind, Prime Minister Shri Narendra Modi and Haryana Government for this achievement. On this occasion, the Vice Chancellor, while mentioning the various welfare schemes for girl students, said that it is important to encourage girls to become empowered for the overall development of our society.

In this sequence, the Women's Empowerment Cell of the University organised a special discussion under the Azadi Ka Amrit Mahotsav campaign in collaboration with the National Service Scheme (NSS). In this event, Prof. Sunita Srivastava said that women are contributing to the development of society and country by showcasing their talents from time to time and no family, society, country can

progress without women as they cover half the population. In this programme, Registrar Prof. Sarika Sharma also apprised the participants about the role and contribution of women at different levels. In the discussion, 12 researchers from different Departments of the university gave their views on gender equality. Dr. Payal Chandel moderated the panel discussion while Dr. Swati conducted the forum. In this programme, the cell's member Ms. Renu, Dr. Anita along with the convener of the cell, Dr. Renu Yadav played a special role. At the same time Dr. Surendra Kumar, Alekh S. Nayak, Dr. Bharti Batra played important roles in the organisation of the webinar.

हकेवि में होली पर्व के उपलक्ष्य में यज्ञ का आयोजन
11 मार्च, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के योग विभाग, स्वामी दयानंद सरस्वती पीठ और योग एडवेंचर और ट्रैकिंग क्लब की ओर से होलाष्टक अर्थात होली पर्व के प्रारंभ के आठ दिनों के उपलक्ष में यज्ञ का आयोजन किया गया। यज्ञ के उपलक्ष में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश में कहा कि भारतीय संस्कृति की चेतना को जगाने, राष्ट्रीयता की भावना को बढ़ाने में यज्ञ विज्ञान का बड़ा योगदान है।
स्वामी दयानंद सरस्वती पीठ के आचार्य प्रोफेसर रणवीर सिंह ने बताया कि होलाष्टक वह समय है जिस समय उत्तर भारत में नया अन्न पककर तैयार हो जाता है, जिसे भूनना भी यज्ञ प्रक्रिया का ही एक भाग है। उसकी आहुति भी यज्ञ में समर्पित की जाती है। यह पर्व व्यक्ति को जमीन से, जड़ों से, जुड़े रहने की प्रेरणा देता है। प्रकृति का सानिध्य लेने, उसके परिवर्तनों को आत्मसात करने की शिक्षा भी देता है। इस कार्यक्रम में संस्कृत विभाग के डॉ. देवेंद्र राजपूत, डॉ सुमन, डॉ रवि दत्त, कृष्ण कुमार, योग विभाग के डॉ. रवि कुमार शास्त्री, डॉ. अजय पाल और शोधार्थी नीरज, अनुज कुमारी, प्रदीप कुमार तथा अन्य विद्यार्थियों ने यज्ञ में भाग लिया और इसके सांस्कृतिक, शैक्षणिक महत्त्व को जाना।

Yajna on the Occasion of Holi Festival
March 11, 2022

The Yoga Department of Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh, Swami Dayanand Saraswati Peeth and Yoga Adventure and Trekking Club organised a yajna to mark the eight days of Holashtak i.e. the beginning of Holi festival. On this occasion the Vice Chancellor of the University, Professor Tankeshwar Kumar said in his message that the science of yajna has a great contribution in awakening the consciousness of Indian culture and fueling the feeling of patriotism. Professor Ranveer Singh, Acharya of Swami Dayanand Saraswati Peeth, said that Holashtak is the time at which new food is cooked in North India, roasting which is also a part of the yajna process. This festival inspires a

person to stay connected with one's roots. In this programme, Dr. Devendra Rajput, Dr. Suman, Dr. Ravi Dutt, Krishna Kumar, Dr. Ravi Kumar Shastri of Yoga Department, Dr. Ajay Pal and research scholars Neeraj, Anuj Kumari, Pradeep Kumar and other students participated in the yajna.

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में मनाया गया अंतरराष्ट्रीय वन दिवस
21 मार्च, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के इतिहास और पुरातत्व विभाग ने विश्व वन दिवस के उपलक्ष में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। वन को समझने के लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण विषय पर आधारित इस संगोष्ठी का उद्देश्य हमारे जीवन में जंगल का महत्त्व और जंगल की वस्तुस्थिति से प्रतिभागियों को अवगत कराना था। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विभाग के प्रयासों की सराहना की और अपने संदेश में कहा कि मानवता के हित में वनों को बचाना समय की आवश्यकता है।
संगोष्ठी में विश्वविद्यालय के विभिन्न छह विषयों के संकाय सदस्यों ने हिस्सा लिया। संगोष्ठी में सभी प्रतिभागियों ने अपने स्वयं के अनुशासन के दृष्टिकोण से वन की प्रासंगिकता के बारे में अपने विचार रखे। उन्होंने हमारे देश के साथ-साथ विश्व स्तर पर वन की स्थिति में सुधार के लिए अर्थ, महत्त्व, चिंताओं, मुद्दों, चुनौतियों और कुछ संभावित समाधानों पर विधिवत प्रकाश डाला। हिंदी विभाग से डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय, विधि विभाग से डॉ. प्रदीप कुमार, राजनीति विज्ञान विभाग से डॉ. राजीव कुमार सिंह, पर्यावरण विज्ञान विभाग से डॉ. मोना, भूगोल विभाग से डॉ. खेराज और समाजशास्त्र विभाग से डॉ. युद्धवीर ने संगोष्ठी में हिस्सा लिया। संगोष्ठी में विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया और प्रश्न पूछे। कार्यक्रम का संचालन इतिहास एवं पुरातत्त्व विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. अभिरंजन कुमार ने किया, जबकि विभाग के सहायक आचार्य डॉ. ईश्वर परिदा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

International Day of Forests
March 21, 2022

Department of History & Archaeology of Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh organised a symposium entitled, "A Multidisciplinary Approach to Understand Forests" to celebrate the International Day of Forests, which is observed every year on 21st March. The aim of this programme was to spread awareness about the condition of forests and its importance in our lives. Prof. Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor, appreciated the efforts of the department and said that it is the need of the hour to save forests in the larger interest of humanity.
The faculty members from six different disciplines participated in the symposium. They talked about the relevance of forest from the perspective of their own discipline. They duly highlighted the meaning, importance, concerns, issues, challenges and some of the possible solutions to improve the condition of forests in our country as well as globally. Dr. Siddharth Shankar Rai (Dept. of Hindi), Dr. Pradeep Kumar (Dept. of Law), Dr. Rajeev Kumar Singh (Dept. of Political Science), Dr. Mona (Dept. of Environmental Science), Dr. Kheraj (Dept. of Geography) and Dr. Yudhvir (Dept. of Sociology) graced the event with their presence. Students from different departments also participated and raised relevant questions. Dr. Abhiranjan Kumar, Assistant Professor, anchored the event, while Dr. Iswar Parida, Assistant Professor expressed the formal vote of thanks. The department also planted trees to encourage tree plantation in the society.

हकेवि में स्वर-कोकिला लता मंगेशकर की याद में संगीतमयी श्रद्धांजलि कार्यक्रम
31 मार्च, 2022

हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के इतिहास एवं पुरातत्व विभाग ने स्वर-साम्राज्ञी लता मंगेशकर की याद मे संगीतमय श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने स्वर्गीय लता मंगेशकर को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा कि हम लताजी के संघर्षमयी जीवन से प्रेरणा लेकर जिंदगी को और बेहतर बना सकते हैं। उन्होंने पार्श्वगायकी के क्षेत्र में जो आयाम स्थापित किए हैं, वे अविस्मरणीय हैं।
इस श्रद्धांजलि कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने सुरीले अंदाज मे संगीत के जरिए लताजी को श्रद्धांजलि दी। इनमें भूगोल विभाग के राकेश, पोषणजीव विज्ञान की तोषी, शिक्षा विभाग की श्रीमी, सांख्यिकी विभाग से रूनजून, विशाल और सुअचमीता, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की ईशा, समाजशास्त्र से स्मृद्धि, हिन्दी विभाग के आकाश, इतिहास से मनीषा और अश्वती और राजनीति विज्ञान विभाग से शिवेन्द्र ने एवं विश्वविद्यालय मे कार्यरत शंकर ने गीतों के जरिए श्रद्धासुमन अर्पित किए। इसके अलावा शिक्षा विभाग के सहायक आचार्य डॉ. नितिन ने शास्त्रीय नृत्य के जरिए लताजी के गाए मराठी भजन पर बेहतरीन नृत्य द्वारा श्रद्धांजलि दी।

शिक्षकों में प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, प्रो. नीलम सांगवान, डॉ. जसवंत, डॉ. रश्मि, डॉ आरती आदि ने भी अपने गीतों से श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में की-बोर्ड पर संगत बी.टेक. के फ्रांसिस ने, तबला पर शंकर एवं गिटार पर विशाल ने दी। इस कार्यक्रम का संचालन इतिहास विभाग के डॉ. अभिरंजन कुमार ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने दिया।

हकेवि में कोविड प्रेरित शैक्षणिक तनाव प्रबंधन पर विशेषज्ञ व्याख्यान

28 जनवरी, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ में कोरोना महामारी और शैक्षणिक गतिविधियों व विद्यार्थियों पर इसके प्रभाव पर केन्द्रित विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। यह व्याख्यान "कोविड प्रेरित शैक्षणिक तनाव: विद्यार्थियों के लिए रणनीति" शीर्षक पर आयोजित किया गया। व्याख्यान में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में प्रसिद्ध मोटिवेशनल स्पीकर डॉ. अवतार सिंह उपस्थित रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि कोविड की महामारी ने विद्यार्थियों ही नहीं शिक्षकों के स्तर पर भी शैक्षणिक तनाव को बढ़ाने का काम किया है। कुलपति ने यूनिसेफ की रिपोर्ट का उल्लेख करते हुए कहा कि इस कोरोना महामारी ने शिक्षा जगत और विद्यार्थियों को सबसे ज्यादा प्रभावित किया है। कुलपति ने कहा की मेरी कामना है कि यह महामारी जल्द ही समाप्त हो और छात्र अपना सामान्य शैक्षणिक जीवन फिर से शुरू करें।

विश्वविद्यालय के डीन अकादमिक एवं कार्यक्रम के संयोजक प्रो. दिनेश कुमार ने आयोजन की शुरुआत में विद्यार्थियों सहित सभी संकाय सदस्यों का डॉ. अवतार सिंह से परिचय कराया। डॉ. अवतार सिंह ने अपने संबोधन में शैक्षणिक तनाव और कैसे दूर रहा जाए पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कोविड महामारी से प्रेरित अवसाद, शैक्षणिक तनाव के प्रकार, तनाव को प्रबंधित करने के स्वस्थ तरीकों, कोविड-काल के दौरान समय प्रबंधन आदि के बारे में प्रतिभागियों को बताया। उन्होंने सुखी और स्वस्थ जीवन के लिए तीन मंत्रों का उल्लेख किया: मस्तिष्क -आइस फैक्ट्री; जुबान -शुगर फैक्ट्री और हृदय –प्रेम फैक्ट्री। उन्होंने अपने संबोधन में शिक्षकों को क्या करना चाहिए और विद्यार्थियों की वो किस प्रकार सहायता कर सकते है , इस विषय पर भी सभी का मार्गदर्शन किया। ऑनलाइन आयोजित इस कार्यक्रम में 200 से अधिक विद्यार्थियों और शिक्षकों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के अंत में प्रो. सुरेंद्र सिंह ने सभी वक्ताओं, आयोजन समिति के सदस्यों के साथ-साथ प्रतिभागियों को धन्यवाद किया। इस कार्यक्रम में समन्वयक के रूप में प्रो. पवन कुमार मौर्य व डॉ. अविजित प्रमाणिक ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

Lecture on "Covid Induced Academic Stress Management"

January 28, 2022

Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh, organised a lecture on the corona pandemic and its effect on academic activities and student life. The lecture was delivered by renowned motivational speaker Dr. Avtar Singh. On this occasion, the Vice Chancellor of the University, Prof. Tankeshwar Kumar highlighted the adverse effects of academic stress on students and teachers during COVID. He also referred to the UNICEF Report that students are the most affected during this corona pandemic. He wishes that this pandemic will be over soon and students will start their normal academic life again.

During this online lecture, Prof. Dinesh Kumar, Dean Academics and Convener of the programme welcomed all the faculty members along with students. He introduced the journey of Dr Avtar Singh. Dr. Avtar Singh gave tips to overcome stress. He explained about Covid induced depression, type of academic stress, healthy way to manage stress, time management during Covid-time etc. He also emphasised on overcoming academic stress by exercise, nutrition and sleep. He mentioned three mantras to live a happy and healthy life: Head should be like an Ice factory; Tongue should be like a Sugar factory; and Heart should be like a Love factory. More than 200 students and faculty attended the event. Prof. Surender Singh presented vote of thanks to all the speakers, organising team as well as participants of this online event. Prof. Pawan Kumar Maurya and Dr. Avijit Pramanik coordinated this event.

मानवाधिकार मानव जीवन के लिए महत्त्वपूर्ण- जस्टिस सतीश कुमार मित्तल

15 फरवरी, 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ ने मंगलवार को विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया। हरियाणा मानवाधिकार आयोग की कार्यप्रणाली पर आधारित इस व्याख्यान को हरियाणा मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष जस्टिस सतीश कुमार मित्तल ने संबोधित किया तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। इस अवसर पर हरियाणा मानव अधिकार आयोग के कुलसचिव कुलदीप जैन भी उपस्थित रहे।

आज़ादी का अमृत महोत्सव अभियान के तहत आयोजित इस व्याख्यान को संबोधित करते हुए जस्टिस सतीश कुमार मित्तल ने कहा कि मनुष्य योनि में जन्म लेने के साथ मिलने वाला प्रत्येक अधिकार मानवाधिकार की श्रेणी में आता है। ये ऐसे अधिकार हैं जो सीधे प्रकृति से सम्बन्ध रखते हैं जैसे जीने का अधिकार केवल कानून सम्मत अधिकार नहीं है बल्कि इसे प्रकृति द्वारा प्रदान किया गया है। जस्टिस मित्तल ने कहा कि मानव अधिकारों में आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक अधिकारों के समक्ष समानता का अधिकार एवं शिक्षा का अधिकार आदि नागरिक और राजनैतिक अधिकार भी सम्मिलित हैं। उन्होंने कहा कि मानव अधिकारों एवं मूल अधिकारों के बीच शरीर और आत्मा का सम्बन्ध है। भारतीय संविधान के साथ-साथ मानव अधिकार अधिनियम में न सिर्फ मानवाधिकारों की

गारंटी दी गई है बल्कि इसका उल्लंघन करने पर सजा का भी प्रावधान किया गया है। भारतीय संविधान का उद्देश्य एक ऐसे समाज की स्थापना करना है जो विधि संगत होने के साथ मानव हित में भी हो। जस्टिस मित्तल ने हरियाणा मानव अधिकार आयोग की प्रणाली को भी विस्तार से समझाया। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों को भी उनसे जुड़े विभिन्न अधिकारों की जानकारी दी तथा आयोग के द्वारा उठाए गए कुछ सार्थक कदमों से भी अवगत कराया। व्याख्यान के बाद जस्टिस सतीश कुमार मित्तल ने सवाल-जवाब सत्र के दौरान प्रतिभागियों की शंकाओं का भी समाधान किया।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि प्रत्येक नागरिक को अपने कर्त्तव्यों एवं अधिकारो की जानकारी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारे संविधान ने हमें समता व शिक्षा जैसे अनेक महत्त्वपूर्ण अधिकार दिए हैं, जो हमें गर्व से जीने की प्रेरणा देते हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति ने विश्वविद्यालय के सभी सहभागियों के मानवाधिकारों की रक्षा हेतु विश्वविद्यालय में प्री-लिटिगेशन सेल बनाने की घोषणा की, जिसमें विश्वविद्यालय से संबंधित मामले को लेकर कोई भी सहभागी सीधा कुलपति महोदय की अध्यक्षता वाले इस सेल में आउटसाइड कोर्ट सेटलमेंट करा पाने में सक्षम होंगे।

इससे पूर्व विश्वविद्यालय की कुलसचिव व आज़ादी का अमृत महोत्सव की नोडल ऑफिसर प्रो. सारिका शर्मा ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने जस्टिस सतीश कुमार मित्तल को स्मृति चिह्न भेंट किया। प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने मानवाधिकारों की प्रासंगिकता पर अपने विचार प्रतिभागियों से साझा किए। मुख्य वक्ता व कुलपति का परिचय डॉ. प्रदीप सिंह ने दिया। कार्यक्रम में मंच का संचालन डॉ. रेनु यादव ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनन्द शर्मा ने प्रस्तुत किया। इस अवसर पर शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश, परीक्षा नियत्रंक प्रो. राजीव कौशिक सहित विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, शिक्षणेतर कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

"Human Rights are Important for Human Life" - Justice Satish Kumar Mittal
February 15, 2022

Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh organised a lecture on Tuesday, February 15, 2022. This lecture based on the working of the Haryana Human Rights Commission was addressed by Justice Satish Kumar Mittal, Chairman, Haryana Human Rights Commission and the programme was presided over by the Vice Chancellor of the University, Prof. By Tankeshwar Kumar. Haryana Human Rights Commission registrar Kuldeep Jain was also present on the occasion.

Addressing the lecture organised under the Amrit Mahotsav, Justice Satish Kumar Mittal said that every right that comes with being born as a human comes under the category of human rights. These are such rights which are directly related to nature, like the right to life which is not just a legal right. Justice Mittal said that human rights also include civil and political rights like the right to equality and the right to education. He said that there is a relation of body and soul between human rights and fundamental rights. Along with the Indian Constitution, the Human Rights Act not only guarantees human rights, but also has a provision for punishment for violating it. The objective of the Indian Constitution is to establish a society which is lawful as well as in human interest. Justice Mittal also explained in detail the system of Haryana Human Rights Commission. Along with this, he also informed the students about various rights related to them and also informed about some meaningful steps taken by the commission. After the lecture, Justice Satish Kumar Mittal cleared the doubts of the participants during the question-answer session.

University Vice Chancellor Prof. Tankeshwar Kumar said that every citizen should be aware of his duties and rights. He said that our constitution has given us many important rights like equality and education, which inspire us to live with pride. Further, he announced the formation of a Pre-Litigation Cell to protect the human rights of all the participants of the University. This cell will be headed by the Vice-Chancellor.

The Registrar of the University and Nodal Officer of Amrit Mahotsav of Azadi, Prof. Sarika Sharma presented the welcome address. Prof. Sunita Srivastava presented a memento to Justice Satish Kumar Mittal. Prof. Sunita Srivastava shared her views on the relevance of human rights with the participants. Dr. Pradeep Singh introduced the keynote speaker and Vice Chancellor. Dr. Renu Yadav compered the programme and the vote of thanks was given by the Dean of Student Welfare, Prof. Anand Sharma. On this occasion, Prof. Dinesh (Dean Academics), Prof. Rajeev Kaushik (Controller of Examination), teachers, non-teaching staff, students and research scholars were also present.

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर प्रो. कृष्णमूर्ति कन्नन व प्रो. नीरज दिलबागी का विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित
28 फरवरी, 2022

Invited Lectures

नोबल पुरस्कार विजेता डॉ. सी.वी. रमन की याद में सोमवार 28 फरवरी को हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन हुआ। विश्वविद्यालय में विज्ञान दिवस पर आयोजित विशेषज्ञ व्याख्यान में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में केंद्रीय विश्वविद्यालय नागालैंड के पूर्व कुलपति प्रो. कृष्णनमूर्ति कन्नन व गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं तकनीकी विश्वविद्यालय, हिसार के प्रो. नीरज दिलबागी उपस्थित रहे जबकि मुख्य अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यक्रम की शोभा बढाई। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस अवसर पर डॉ. सी.वी. रमन को याद करते हुए विज्ञान, शिक्षा, तकनीक व प्रौद्योगिकी के विकास और उसके समसामयिक पहलुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि विज्ञान के बिना समाज, अर्थव्यवस्था व जनमानस का विकास संभव नहीं है।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में शिक्षा, विज्ञान, प्रौद्योगिकी चिकित्सा व शोध के मोर्चे पर स्कूल, कॉलेज व विभिन्न संस्थानों की महत्ता पर ध्यान आकर्षित किया और कहा कि विज्ञान के विकास में हम सभी को डॉ. सी.वी. रमन के जीवन से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें अपने आसपास की स्थितियों-परिस्थितियों को जानने-समझने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों व शोधार्थियों के लिए परिश्रम व समर्पण के भाव को महत्त्वपूर्ण बताया और कहा कि उन्हें अपने अंदर अवलोकन कौशल का विकास करना चाहिए। कुलपति ने विश्वविद्यालय में 25 फरवरी से शुरु विज्ञान दिवस के अंतर्गत शुरु कार्यक्रमों का उल्लेख करते हुए विभिन्न प्रदर्शनियों व प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। जिसमें स्कूलों व विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया और विज्ञान के प्रति अपनी समझ को प्रदर्शित किया।

कार्यक्रम की शुरुआत में विज्ञान दिवस आयोजन समिति की संयोजिका प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने 25 फरवरी से विज्ञान दिवस आयोजन के अंतर्गत विश्वविद्यालय में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि किस तरह से इन आयोजनों के अंतर्गत विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों ने अपने प्रस्तुतीकरण दिए तथा स्थानीय स्कूलों के विद्यार्थियों ने भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से भी विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ाने का प्रयास किया। 28 फरवरी को इस आयोजन के अंतर्गत दो विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित किए गए। इसमें केंद्रीय विश्वविद्यालय नागालैंड के पूर्व कुलपति प्रो. कृष्णमूर्ति कन्नन ने अपने व्याख्यान में समाज हित में शोध कार्यों के महत्त्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारत में प्रतिभाओं की कमी नहीं है। बस जरूरत है भारत के लिए इस प्रतिभा का प्रयोग करने की। उन्होंने अनुसंधान के नए आयामों के विकास पर भी जोर दिया और इसे देश के विकास के लिए महत्त्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि नवाचार की दिशा में निरंतर काम करने की आवश्यकता है। कार्यक्रम के दूसरे वक्ता गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं तकनीकी विश्वविद्यालय के प्रो. नीरज दिलबागी ने नैनो तकनीक के महत्व पर ध्यान केंद्रित किया और कहा कि यह जीवन के लगभग सभी क्षेत्रों में योगदान दे रही है। उन्होंने बताया कि किस तरह से उद्योग जगत नैनो तकनीक का उपयोग कर उल्लेखनीय उपयोगी उत्पादों का निर्माण कर रहा है। उन्होंने इस तकनीक के विकास और इसमें उपलब्ध भविष्य की संभावनाओं पर भी

प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के वार्षिक प्रतिवेदन का भी विमोचन किया गया। साथ ही स्वच्छता पखवाड़े के विजेताओं को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विज्ञान दिवस आयोजन के अंतर्गत आयोजित प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले स्कूलों और विश्वविद्यालय के प्रतिभागियों को भी पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद राष्ट्रीय विज्ञान दिवस आयोजन समिति के आयोजन सचिव प्रो. राजेश कुमार गुप्ता ने दिया। इस अवसर पर शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान एवं शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार सहित विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

Lectures on National Science Day by Prof. Krishnamurthy Kannan and Prof. Neeraj Dilbagi
February 28, 2022

National Science Day is organised every year in the memory of Nobel laureate Dr. C.V. Raman. Vice Chancellor of the University, Prof. Tankeshwar Kumar graced the programme by remembering Prof. C.V. Raman. He highlighted the recent developments in Science, Education, Technology and the complex dynamics of these fields. Further, he remarked that development of society, economy and people is not possible without Science. In his address, he drew attention to the spirit of hard work and dedication for the students and researchers and added that they should develop observational skills to bring quality output. In the beginning of the programme, the convener of the Science Day Organising Committee, Prof. Sunita Srivastava presented detailed information about various programmes organised in the university. She told how departments of the university gave their

presentations under these events and students of local schools also participated with enthusiasm.
The university also invited the Former Vice Chancellor of Central University of Nagaland, Prof. Krishnamurthy Kannan and Prof. Neeraj Dilbagi from Guru Jambheshwar University of Science and Technology, Hisar to deliver lectures for the benefit of students and faculty. Prof. Krishnamurthy Kannan in his lecture highlighted the importance of research work in the interest of society. He said that there is no dearth of talent in India, we just need to find ways to provide more opportunities for further advancement of our country.
The second speaker of the programme, Prof. Neeraj Dilbagi focused on the importance of nanotechnology and said that it is contributing in almost all walks of life. He explained how the industry is using nanotechnology to create remarkable useful products. He also highlighted the development of this technology and the future possibilities available in it.
The annual report of the university was also released in the programme. In addition, the winners of the Swachhta Pakhwada were also felicitated. The participants of schools and universities who excelled in the competitions were rewarded. The vote of thanks was expressed by Prof. Rajesh Kumar Gupta (Organising Secretary, National Science Day Organising Committee) on the concluding day.

रूस-यूक्रेन युद्ध पर इग्नू के प्रो. सतीश कुमार का हकेवि में व्याख्यान
15 मार्च 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ में रूस व यूक्रेन के बीच जारी युद्ध से जुड़े विभिन्न पहलुओं और इसमें भारत की भूमिका पर केंद्रित विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के इतिहास एवं पुरातत्त्व विभाग के द्वारा आयोजित इस विशेषज्ञ व्याख्यान में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के प्रो. सतीश कुमार विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के निर्देशन व मार्गदर्शन में आयोजित इस व्याख्यान में विद्यार्थियों, शोधार्थियों व शिक्षकों ने इस युद्ध के कारणों व उससे भारत व समूचे विश्व पर पड़ने वाले प्रभावों को जाना-समझा।
विशेषज्ञ वक्ता प्रो. सतीश कुमार ने विस्तार से विश्व में अमेरिका और रूस की स्थिति के ऐतिहासिक व वर्तमान परिदृश्य पर प्रकाश डाला और यूक्रेन के साथ जारी युद्ध के कारणों को प्रस्तुत किया। प्रो. सतीश कुमार ने बताया कि किस तरह से अमेरिका द्वारा इस युद्ध की स्थिति पैदा की गई और रूस के सख्त रुख के पीछे कौन से कारण जिम्मेदार हैं। इस चर्चा में प्रो. सतीश कुमार ने इस युद्ध के संदर्भ में भारत की नीति पर भी विस्तार से चर्चा की और भारत सरकार द्वारा अपनाई जा रही भूमिका का समर्थन किया।

Lecture on Russian-Ukraine War by IGNOU's Prof. Satish Kumar
March 15, 2022

An expert lecture was conducted by the Department of History and Archaeology of the Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh. Prof. Satish Kumar from Indira Gandhi National Open University (IGNOU) was the expert speaker. The lecture focused on the various aspects related to the ongoing war between Russia and Ukraine, and India's role in it. He discussed the causes of this war and its effects on India and the whole world.
The lecture was organised under the direction and

guidance of Prof. Tankeshwar Kumar, Vice Chancellor of the University. Expert Speaker, Prof. Satish Kumar elaborated on the historical and current scenario of the situation of America and Russia in the world and presented the reasons for the ongoing war with Ukraine. He remarked, how the situation of this war was created by America and what are the reasons behind Russia's tough stand. In this discussion, Prof. Satish Kumar also discussed India's policy in the context of this war and supported the role being adopted by the Government of India. Prof. Anand Sharma (Dean, Students' Welfare), Dr. Ramesh Kumar (Head, Department of Political Science), Dr. V.N. (Head, Department of Psychology) with a large number of teachers, students and researchers of various departments were present in the programme.

Sr.	Name	Programme
1	Devasish Paul	Master of Philosophy (Education)
2	Nishant Gaur	Bachelor of Technology (Civil Engineering)
3	Rupesh Kumar Garg	Bachelor of Technology (Computer Science Engineering)
4	Mohammad Shahbaz Khan	Bachelor of Technology (Electrical Engineering)
5	Vijya Bharti	Bachelor of Technology (Printing and Packaging Technology)
6	Rohit Raj	Bachelor of Vocation (Biomedical Sciences)
7	Kumari Aparna	Bachelor of Vocation (Industrial Waste Management)
8	Aishwarya Joshi	Bachelor of Vocation (Retail & Logistics Management)
9	Monica	Bachelor of Education (B.Ed.)
10	Suraj Gautam	Master of Arts (Economics)
11	ManshiTanwar	Master of Arts (Psychology)
12	SushreeSnigdhaDandpat	Master of Library and Information Science
13	Tanuja Mohanty	Master of Science (Biochemistry)
14	Sakshi Agrawal	Master of Science (Biotechnology)
15	Snehlata	Master of Science (Chemistry)
16	Shivangi Gusain	Master of Science (Environmental Science)
17	Syed Irtiza Majid	Master of Science (Geography)
18	Sharmila	Master of Science (Mathematics)
19	Madhu Yadav	Master of Science (Microbiology)
20	Deepika	Master of Science (Nutrition Biology)
21	AayushiMiglani	Master of Science (Physics)
22	Khushboo Sharma	Master of Science (Physics)
23	Saloni Goel	Master of Science (Statistics)
24	Tejender	Master of Science (Yoga)

स्वर्ण पदक विजेताओं की सूची

क्र.	विद्यार्थी का नाम	विभाग का नाम
1	देवाशीष पॉल	विद्यानिष्णात (शिक्षा)
2	निशांत गौड़	प्रौद्योगिकीस्नातक (निर्माणअभियांत्रिकी)
3	रूपेश कुमार गर्ग	प्रौद्योगिकीस्नातक (कम्प्यूटरविज्ञानअभियांत्रिकी)
4	मोहम्मद शाहबाज खान	प्रौद्योगिकीस्नातक (विद्युतअभियांत्रिकी)
5	विजया भारती	प्रौद्योगिकीस्नातक (मुद्रणएवंपैकेजिंगप्रौद्योगिकी)
6	रोहित राज	व्यवसायस्नातक (जैव-चिकित्सकीयविज्ञान)
7	कुमारी अपर्णा	व्यवसायस्नातक (औद्योगिकअपशिष्टप्रबंधन)
8	ऐश्वर्या जोशी	व्यवसायस्नातक (खुदराएवंरसदप्रबंधन)
9	मोनिका	शिक्षास्नातक (बी.एड.)
10	सूरज गौतम	कलानिष्णात (अर्थशास्त्र)
11	मानशी तंवर	कलानिष्णात (मनोविज्ञान)
12	सुश्री स्निग्धा दंडपाट	पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान निष्णात
13	तनुजा मोहंती	विज्ञाननिष्णात (जैव-रसायनविज्ञान)
14	साक्षी अग्रवाल	विज्ञाननिष्णात (जैव-प्रौद्योगिकी)
15	स्नेहलता	विज्ञाननिष्णात (रसायनविज्ञान)
16	शिवांगी गुसाईं	विज्ञाननिष्णात (पर्यावरणविज्ञान)
17	सैयद इर्तिजामजीद	विज्ञाननिष्णात (भूगोल)
18	शर्मिला	विज्ञाननिष्णात (गणित)
19	मधुयादव	विज्ञाननिष्णात (सूक्ष्मजीव विज्ञान)
20	दीपिका	विज्ञाननिष्णात (पोषणजीव विज्ञान)
21	आयुषी मिगलानी	विज्ञाननिष्णात (भौतिकी)
22	खुशबू शर्मा	विज्ञाननिष्णात (भौतिकी)
23	सलोनी गोयल	विज्ञाननिष्णात (सांख्यिकी)
24	तेजेंद्र	विज्ञाननिष्णात (योग)

Chief Editor
Prof. Tankeshwar Kumar
Vice-Chancellor, Central University of Haryana

Editorial Board
Dr. Rinu, Assistant Professor, Department of English & Foreign Languages
Dr. Manoj Kumar, Assistant Professor, Department of English & Foreign Languages
Dr. Siddharth Shankar Rai, Assistant Professor, Department of Hindi
Er. Anil Kundu, Assistant Professor, Department of Printing & Packaging Technology
Dr. Bharti Batra, Assistant Professor, Department of Journalism and Mass Communication

हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय
CENTRAL UNIVERSITY OF HARYANA
(Established vide Act No. 25(2009) of Parliament)
(NAAC Accredited 'A' Grade University)
Mahendergarh, (Haryana)-123031